फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 206 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 27 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

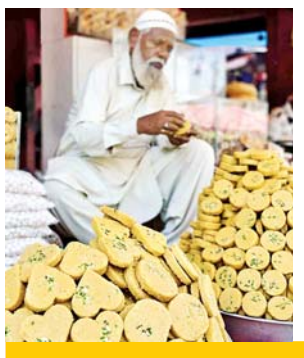

Halwa-i Suhan Or Sohan Halwa

This sweetmeat is not named after the imagined, mythical Sohan Lal halwai. Nor was it invented in a sweet shop in Old Delhi in 1790, during the reign of the Mughal emperor Shah Alam II

A Rolling Legacy

'Bring Home The Bacon' But 'Boycott' The 'Hair Of The Dog'

राजस्थान हाई कोर्ट में घुसकर वकीलों से जमकर मारपीट, मामला दर्ज

बताया जा रहा है कि अधिवक्ता अंकुश शर्मा द्वारा एक युवक-युवती को हाई कोर्ट से सुरक्षा दिलाने के लिए याचिका दायर की जानी थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 26 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर में गुरूवार को करीब 30-40 लोगों ने एक अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर वकीलों से मारपीट की। जैसे ही यह यह खबर हाईकोर्ट परिसर में फैली तो अन्य अधिवक्ता भी मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। इसमें कुछ लोगों को गंभीर चोटें भी आई हैं। इस पूरे प्रकरण के बाद मारपीट में घायल अधिवक्ता अंकुश शर्मा ने अशोक नगर थाने में 12 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है।

- परंतु इससे पूर्व ही करीब 30-40 लोगों ने अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर जानलेवा हमला कर दिया।
- जैसे ही इस घटना की जानकारी हाईकोर्ट परिसर में फैली तो अन्य अधिवक्ता भी बीच-बचाव के लिए पहुंचे, जिस पर दोनों पक्षों में जमकर लात-घूंसे चले।

अधिवक्ता अंकुश शर्मा ने एफ.आई.आर. में पुलिस को बताया कि गुरूवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे वे अपनी मुवक्किल निशु कुमावत व अन्य की ओर से हाईकोर्ट में प्रोटेक्शन (सुरक्षा प्रदान करने के लिए) याचिका दायर करने वाले थे। इसी दौरान करीब 30-40 लोग हथियारों से लैस होकर हाईकोर्ट परिसर स्थित उनके चैंबर 269 में घुस आये और बिना कुछ बताए मारपीट शुरू कर दी। इससे अंकुश व उनके अन्य साथी अधिवक्ता घायल हो गए। बदमाशों ने झगड़े व मारपीट के दौरान वहां रखी फाइलों को फाड़कर फेंक दिया। अंकुश के गले से सोने की चेन व जेब में रखे फीस के 6500 रुपए भी छीन लिए। इस दौरान बीच-बचाव करने आए अन्य कुछ अधिवक्ता भी मारपीट में घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से भाग गए। अधिवक्ता अंकुश ने अशोक नगर पुलिस थाने में आरोपी दिनेश, अनिल, हेमराज, नारंगी, ममता, रेखा, राजेन्द्र, रमेश, नवीन, ऋतुराज, हरिराम और शांति के खिलाफ जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एएसआई रामकुमार को जांच सौंपी है।

बताया जा रहा है कि हाईकोर्ट में मौजूद वरिष्ठतम न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह की अदालत में पहुंचकर दोपहर 2 बजे अधिवक्ताओं व बार कौंसिल के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने इस मामले की जानकारी दी। वकीलों ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि अगर हाईकोर्ट परिसर में भी अधिवक्ता सुरक्षित नहीं है तो फिर बाहर कैसे रहेंगे। इस पर अदालत ने कहा कि 3 बजे इस मामले पर सुनवाई की जाएगी और महाधिवक्ता को भी उपस्थित रहने को कहा। जैसे ही 3 बजे इस मामले पर सुनवाई हुई तो महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद की ओर से कहा गया कि हम पुलिस से बातचीत कर चुके हैं, आज की घटना को देखते हुए अब हाईकोर्ट परिसर में पुलिस की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जल जीवन मिशन प्रकरण में 5 को जमानत मिली

जयपुर, 26 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी में दर्ज मामले में आरोपी महेश कुमार मित्तल सहित, चार अन्य आरोपियों, हेमंत मित्तल, पीयूष जैन, गोपाल लाल कुमावत और उमेश कुमार शर्मा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने आरोपियों की जमानत याचिकाओं को स्वीकार करते हुए ये आदेश दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में मुख्य आरोपियों को जमानत दी जा चुकी है और याचिकाकर्ता सह आरोपियों के खिलाफ आरोप उनसे गंभीर नहीं माने जा सकते। वहीं प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में समय लगेगा। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को जमानत पर रिहा करना उचित होगा।

- हाई कोर्ट ने कहा कि मुख्य आरोपियों को जमानत दी जा चुकी है, इसलिए सह-आरोपियों को जमानत पर रिहा करना उचित होगा।

जमानत याचिका में अधिवक्ता सुधीर जैन ने अदालत को बताया कि प्रकरण के तथ्यों के अनुसार पदम चंद जैन की कार से 2.20 लाख रुपए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब विधानसभा चुनावों की अग्रिम तैयारी शुरु की भाजपा ने

प्र.मंत्री मोदी की पंजाब यात्रा के बाद अब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जल्दी ही मालवा क्षेत्र में विशाल रैली करेंगे

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। मीडिया का ध्यान इस समय भाजपा की पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल चुनावों की रणनीतियों पर केन्द्रित है, वहीं भगवा पार्टी, जो कभी भी किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेती, ने 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए भी अपनी तैयारियाँ शुरू कर दी हैं।

प्रधानमंत्री के हालिया पंजाब दौरे के बाद, गृह मंत्री अमित शाह मोगा जिले के किली चाहलान गांव में एक बड़ी रैली करने की योजना बना रहे हैं, जो राज्य के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मालवा क्षेत्र का केन्द्र है और सभी राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणभूमि बन चुका है। उल्लेखनीय है कि सत्ता में काबिज आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी चुनावी मुहिम इसी गांव से 17 फरवरी को शुरू की थी।

शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ पुनः गठबंधन करने को लेकर भाजपा के अन्दर मतभेद हैं, लेकिन फिलहाल भाजपा आक्रामक और स्वतंत्र रीति -नीति पर फोकस कर रही है, जिसमें राज्य विधानसभा की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजनैतिक दृष्टि से मालवा पंजाब का महत्वपूर्ण क्षेत्र है और सभी पार्टियों की इस पर नज़र है।
- भाजपा में गठबंधन की संभावनाओं पर भी चर्चा चल रही है। पार्टी का एक वर्ग शिरोमणि अकाली दल के साथ पुनः गठबंधन करने की बात कर रहा है, वहीं दूसरा वर्ग चाहता है कि भाजपा गठबंधन करने के बजाय स्वतंत्र आक्रामक नीति पर फोकस करे और सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़े।
- 2024 के लोकसभा चुनाव में 18.5 प्रतिशत वोट के साथ भाजपा पंजाब की तीसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरी थी।
- अब भाजपा ने "एक भारत श्रेष्ठ भारत", और "पूर्वांचल सम्मान कार्यक्रम" शुरु किए हैं, भाजपा का मुख्य लक्ष्य गैर पंजाबी मतदाता हैं, जो अन्य राज्यों से आए हैं।

'नरेन्द्र आप दोस्त से बढ़कर हैं, एक भाई हैं'

इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बेहद भावुक भाषण दिया, प्र.मंत्री मोदी के स्वागत में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समय इज़राइल की उच्च-स्तरीय यात्रा पर हैं। सन 2017 की ऐतिहासिक यात्रा के बाद तेल अवीव की यह उनकी दूसरी यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात की, जिसका उद्देश्य व्यापार और रक्षा संबंधों को गहरा करना था। इस यात्रा को घरेलू स्तर पर आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी को "दोस्त से भी बढ़कर" बताते हुए, नेतन्याहू ने भारतीय नेता की सराहना की और अक्टूबर 7, 2023 के हमास के क्रूर हमले के बाद इज़राइल के साथ खड़े रहने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी उन पहले विश्व नेताओं में से थे, जिन्होंने हमास द्वारा किए गए उस घातक हमले की निंदा की, जिसमें लगभग 1,200 इज़राइलियों की हत्या की गई और करीब 250 लोगों का अपहरण कर लिया गया था।

- नेतन्याहू ने इज़रायली संसद में मोदी का स्वागत किया और कहा, आपकी यात्रा से मैं बेहद अभिभूत हूँ। आप इज़रायल के "ग्रेट फ्रैंड" हैं और विश्व के महान नेता हैं।
- नेतन्याहू ने इज़रायल पर हमास के हमले में मोदी द्वारा इज़रायल का समर्थन करने के लिए उनका धन्यवाद किया। प्र.मंत्री मोदी उन चन्द नेताओं में से थे, जिन्होंने सबसे पहले इज़रायल के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया था। ज्ञातव्य है कि उक्त हमले में 1200 इज़रायली मारे गए थे तथा 250 लोगों को किडनैप किया गया था।
- प्र.मंत्री मोदी और नेतन्याहू ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक व रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर भी बात की।

नेतन्याहू ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, "कई प्रधानमंत्री और राष्ट्राध्यक्ष कनेसट आते हैं और वह हमेशा हमारे लिए एक रोमांचक क्षण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होली पर रेलवे 750 विशेष ट्रेन चलायेगी

नई दिल्ली, 26 फरवरी। होली की भीड़ नियंत्रित करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक कदम उठाने के साथ ही विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। उत्तर रेलवे और दूसरे जोन से यहां के स्टेशनों पर आने वाली लगभग साढ़े सात सौ विशेष ट्रेनें घोषित की गई हैं।

अधिकारियों का कहना है कि 31 मार्च तक यह संख्या 12 सौ से अधिक होगी। इनमें से अधिकांश ट्रेनें दिल्ली के रेलवे स्टेशनों से चलेंगी। इसके साथ ही, उत्तर रेलवे में आने वाले अन्य बड़े स्टेशनों से भी विशेष ट्रेनें चलेंगी। इससे दिल्ली के स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

- अधिकारियों के अनुसार, 31 मार्च तक ट्रेनों की संख्या 1200 से अधिक होगी।

पिछले वर्ष होली के दिनों में उत्तर रेलवे द्वारा 280 विशेष ट्रेनें चलाई गई थीं। इस बार यह संख्या साढ़े तीन सौ से अधिक होगी। वहीं, दूसरे ज़ोन से भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की किताब के प्रकाशन पर रोक लगाई

कक्षा-8 की उक्त पाठ्य पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार संबंधी अध्याय पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह प्रतिबंध लगाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब के आगे के प्रकाशन, मुद्रण तथा प्रसार पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसमें "न्यायपालिका में भ्रष्टाचार" पर एक अध्याय था। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की गहरी जांच की आवश्यकता है।

कोर्ट ने पहले 25 फरवरी को इस मामले को स्वतः संज्ञान मामले के रूप में पंजीकृत किया था, जब यह मामला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा विपुल एम. पंचोली की बैंच के समक्ष उठाया गया था।

'आपत्तिजनक पाठ्यपुस्तक' पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह एक सोची-समझी चाल थी, जिसका उद्देश्य संस्थागत अधिकार को कमज़ोर करना और न्यायपालिका की गरिमा को कम करना था।

- सीजेआई ने इस मसले पर भारी नाराज़गी जताई और कहा, न्यायपालिका पर गोली चलाई गई, वह घायल है। सीजेआई ने पुस्तक के प्रकाशन पर रोक के साथ ही कन्टैम्प्ट ऑफ कोर्ट एक्ट के तहत स्कूल शिक्षा विभाग तथा एनसीईआरटी के डायरेक्टर को नोटिस भेजा।
- 25 फरवरी को यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा गया, पर, कोर्ट ने उससे पहले ही इस पर संज्ञान ले लिया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा विपुल एम. पंचोली की पीठ मामले की सुनवाई कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने एक कड़ा बयान देते हुए कहा कि एक गोली चली है और न्यायपालिका घायल हो गई है। आदेश का मसौदा तैयार करते हुए सीजेआई ने स्कूल शिक्षा विभाग और एनसीईआरटी के निदेशक डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी को अवमानना अधिनियम के तहत नोटिस जारी करते हुए उनसे यह पूछा कि क्यों न उनके खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू की जाए।

कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि यह एक सोची-समझी चाल थी, जो न्यायपालिका की गरिमा और संस्थागत अधिकार को कमजोर करने के उद्देश्य से चली गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर इसे बिना जांच के छोड़ दिया जाता है, तो इससे सार्वजनिक सोच में और युवाओं के मन में न्यायिक व्यवस्था की पवित्रता समाप्त हो जाएगी। कोर्ट ने यह नोट किया कि किताब में शब्दों का चयन अनजाने में हुई केवल एक सामान्य गलती नहीं हो सकता।

अपने आदेश में, कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी वैध आलोचना को दबाने या किसी व्यक्ति/संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतः संज्ञान कार्यवाही शुरू नहीं करना चाहता, जो सार्वजनिक संस्थानों, जिनमें न्यायपालिका भी शामिल है, की जांच करने का अधिकार रखते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि असहमति, विचार-विमर्श और गहन बहस एक जीवंत लोकतंत्र की अहम विशेषताएँ हैं और ये संस्थागत जवाबदेही के महत्वपूर्ण उपकरण हैं।

कोर्ट ने यह भी अफसोस जताया कि पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका की उस अनिवार्य भूमिका को नज़रअंदाज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत का यूपीआई इज़रायल में भी चलेगा

नई दिल्ली, 26 फरवरी। कई देशों के बाद अब इज़रायल में भी भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा। भारत इज़रायल इकोनॉमिक फोरम की स्थापना भी हुई है। इसे लेकर मोदी और इज़रायली पीएम नेतन्याहू के बीच द्विपक्षीय मीटिंग में समझौता हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इज़रायल दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का दूसरा दिन है।

- मोदी-नेतन्याहू मीटिंग में समझौता हुआ।

पीएम ने कहा, मुझे खुशी है कि इजरायल में यूपीआई के इस्तेमाल के लिए समझौता किया गया है। डिजिटल हैल्थ के लिए भी हम अपने अनुभव साझा करते हुए लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रक्षा के क्षेत्र में हमारा दशकों पुराना विश्वसनीय सहयोग रहा है। पिछले साल हुए एमओयू से इसमें नए आयाम जुड़ेंगे। हम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनसीईआरटी की किताब का विवाद साख और जिम्मेवारी के बीच के तनाव को दर्शाता है

सुप्रीम कोर्ट की तीखी टिप्पणियां संकेत हैं कि वह इसे न्यायपालिका की वैधता पर बड़े प्रहार के रूप में देखता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 के पाठ्यक्रम में न्यायिक भ्रष्टाचार पर एक अध्याय को लेकर एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई शुरू की तथा सुनवाई के दौरान बैंच ने तीखी टिप्पणियां कीं। सुनवाई के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शिक्षा मंत्रालय की ओर से बिना शर्त माफी मांगी।

हालांकि, अदालत ने यह ध्यान दिलाया कि एनसीईआरटी के संदेश में "एक भी शब्द माफी का नहीं था" और इसके बजाय वह सामग्री को "सही ठहराने" की कोशिश करती हुई प्रतीत हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि ऐसा लगता है कि न्यायपालिका को बदनाम करने के लिए एक "गहरी, सुविचारित साजिश" की गई है, और उनका कर्तव्य है कि वे जिम्मेदार लोगों की पहचान करें और उन पर कार्यवाही करें। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि वह विवादित अंशों को हटाने का आदेश दे सकती है, यह कहते हुए कि "किसी को भी बिना सजा के नहीं छोड़ा जाएगा," और उन्होंने मामले की गहरी जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

- हालांकि, यह भी सही है कि अन्य लोकतांत्रिक संस्थानों की तरह न्यायपालिका भी आलोचना से परे नहीं है, लेकिन पाठ्य पुस्तकों में न्यायपालिका की आलोचना का अध्याय जोड़ने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं, इससे जनता का न्यायपालिका पर भरोसा कम हो सकता है।
- हालांकि कोर्ट ने हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वायत्तता की हिमायत की है, पर, जब न्यायपालिका की ईमानदारी व साख दांव पर लगी हो तो कोर्ट को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा।
- एनसीईआरटी ने इस अध्याय की समीक्षा की है, पर, यह प्रकरण पाठ्य पुस्तकों में संवैधानिक संस्थाओं के चित्रण पर स्पष्ट मार्ग निर्देशों को जन्म दे पाएगा या नहीं इसका पता आने वाला वक्त ही बताएगा और यह इस बात पर निर्भर करेगा, विवाद थमेगा या और गहराएगा।

पाठ्यपुस्तक में कहा गया था कि भ्रष्टाचार, न्याय में देरी और अपर्याप्त न्यायिक शक्ति अदालतों में जनता के विश्वास को कमजोर करती हैं, जबकि इन मुद्दों को कानूनी और नीति विमर्श में व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है, जिसमें संसदीय बहस और कानून आयोग की रिपोर्ट भी शामिल हैं, सामग्री की रूपरेखा और तरीके ने आपत्तियाँ उत्पन्न कीं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि अध्याय ने न्यायपालिका का अत्यधिक नकारात्मक चित्रण किया, बिना उचित संदर्भ के, विशेष रूप से किशोर छात्रों के लिये, जिनकी सोच विकसित हो रही होती है।

मामले की सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणियों से यह चिंता जाहिर हुई कि बिना गहरे विचार के बार-बार भ्रष्टाचार की सार्वजनिक कहानियाँ न्यायिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को खत्म कर सकती हैं। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की आलोचना वैध है, लेकिन व्यापक सामान्यीकरण या अपुष्ट दावे सार्वजनिक विश्वास को कमज़ोर कर सकते हैं। सीजेआई ने यह भी संकेत दिया कि न्यायपालिका को, जो एक संवैधानिक स्तंभ है, व्यवस्थित रूप से अमान्य नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत की टिप्पणियों के बाद, एनसीईआरटी ने "अनुचित सामग्री" के लिए माफी मांगी और स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य न्यायपालिका की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिम के बिना वॉट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल नहीं चलेंगे

नई दिल्ली, 26 फरवरी। अगर आप व्हाट्सएप (वॉट्सएप) इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए एक बड़ी खबर है। केन्द्र सरकार ने साफ कर दिया है कि सिम बाइंडिंग नियम में कोई ढील नहीं दी जाएगी। यह नियम व्हाट्सएप के अलावा टेलीग्राम और सिग्नल जैसे मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर भी लागू होगा। ताजा जानकारी के मुताबिक, 1 मार्च 2026 से सभी कंपनियों को इस व्यवस्था का पालन करना अनिवार्य होगा।

- केन्द्र सरकार ने सायबर धोखाधड़ी रोकने के लिए नए नियम बनाये।

केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में दिए एक बयान में कहा था कि ये नियम राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए लागू किए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

वसंत अपने आप नहीं आता, उसे लाना पड़ता है। सहज आने वाला तो पतझड़ होता है, वसंत नहीं। –हरिशंकर परसाई

भिक्षावृत्ति उन्मूलन व पुनर्वास की जरूरत

सरकारी और गैर सरकारी प्रयासों के बावजूद राजस्थान सहित किसी भी प्रदेश में भिक्षावृति पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। राजस्थान में कुछ संगठनों ने तय किया है कि वे भिक्षा में नकदी नहीं देंगे अपितु खाने-पीने का सामान और पहनने को कपडा देंगे। हालाँकि यह कोई भीक्षा समाप्त करने का कोई ठोस उपाय नहीं है। देखा जाता है हर चौराहे, लाल बती, धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर हाथ में कटोरा लिए बच्चे से बुजुर्ग तक भिक्षा मांगने वाले मिल जायेंगे। कई बार ये लोग दुर्घटना का शिकार भी हो जाते है। कई महिलाऐं छोटे बच्चों के साथ भिक्षा मांगती सरेआम मिल जाएगी। कुछ तो गोदी में बच्चा लिए भी दिख जाएगी।

इस समस्या से निपटने और विस्थापित भिखारियों के लिये वैकल्पिक समाधान प्रदान करने के प्रयासों के तहत, उदाहरण के रूप में इंदौर का अनुसरण करते हुए, भोपाल, मध्य प्रदेश ने सभी सार्वजनिक स्थानों पर भिक्षावृत्ति पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। वेसे तो भिक्षावृति हमारे समाज के लिए कलंक के सामान है, लेकिन इंसान की मज़बूरी ही उसको इसके लिए बाध्य कर देती है। हालाँकि कुछ लोगो ने इसको पेशा और धंधा के समझते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजन स्थलों पर भिक्षुकों को दान देना पुण्य माना जाता है, जिससे यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसी कारण कई गिरोह इसको व्यवस्थित तरीके से संचालित करने लगे हैं, जहाँ मजबूरी में भीख माँगने वाले लोगों का शोषण भी किया जाता है।

भिक्षावृत्ति की समस्या दिनों-दिन जटिल होती जा रही है। कुछ लोग तो अशक्त होने पर भीख मांगने पर मजबूर होते हैं। तीर्थ स्थानों, धार्मिक स्थलों, मंदिरों में तो यह बहुत अधिक संख्या में पाये जाते हैं।

सड़कों, चौराहों, पर्यटन स्थलों और बाजारों में भी भिक्षावृत्ति का साम्राज्य है। आज भिक्षावृत्ति ने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है। दया, सहानुभूति जैसी मानवीय भावनाओं का लाभ उठा कर भिक्षावृत्ति का व्यवसाय फल फूल रहा है। गली गली घूम कर, मुहल्लों में जाकर प्रतिदिन भिखारी कुछ पाने की अपेक्षा रखते हैं। जरूरी नहीं कि जो इन्हें दिया जाये उससे वह प्रसन्न हो जायें। आजकल तो भिखारी भिक्षा भी ले लेते हैं और ताना भी मार देते हैं। वस्तुस्थिति यह है कि भिक्षावृत्ति में अब कई प्रकार के भिखारियों ने कदम जमा लिये हैं। किन्नर भी इसमें हाथ आजमा रहे हैं और याचना से काम न चलने पर धौंस जमाकर और धमकी देकर पैसे ऐंठते भी देखे गये हैं। भिक्षा मांगना भी एक कला है। कुछ भिखारी अपने अंधे-लंगड़े या अपाहिज होने का कारण बताते हुए भीख मांगते हैं। कुछ वेशभूषा को अजीब बना कर, लम्बे बाल करके, राख पोत कर स्वांग करके मांगते हुये दिख जाते हैं। कुछ बसों एवं रेलगाड़ियों में गा-बजा कर पैसे मांगते हैं। कुछ केसरी वस्त्र पहन कर भीख मांगते हैं तो कुछ साधु-संतों के रूप में कई भिखारी खतरनाक होते हैं। वह महिलाओं एवं बच्चों को ठगते हैं। मौका पाकर वह उनके गहने लूटने से भी बाज नहीं आते, इनसे सावधान रहना चाहिए। भीख मांगना अब कानूनन भी अपराध माना जाता है।

भिक्षावृत्ति की परिभाषा में ऐसे किसी भी व्यक्ति को शामिल किया गया है जो गाना गाकर, नृत्य करके, भविष्य बताकर, कोई सामान देकर या इसके बिना भीख मांगता है या कोई चोट, घाव आदि दिखाकर, बीमारी बताकर भीख मांगता है। इसके अलावा जीविका का कोई दृश्य साधन न होने और सार्वजनिक स्थान पर इधर-उधर भीख मांगने की मंशा से घूमना भी भिक्षावृत्ति में शामिल है। भारत सरकार ने अपने स्मार्ट सिटी वाले लक्ष्य पर काम करना शुरू कर दिया है। योजना के तहत सरकार की ओर से एक लिस्ट तैयार की गई है, जिसमें केंद्र ने भिक्षावृत्ति में लगे वयस्कों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के सर्वेक्षण और पुनर्वास के लिए धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 30 शहरों की पहचान की है।

सड़कों, चौराहों, पर्यटन स्थलों और बाजारों में भी भिक्षावृत्ति का साम्राज्य है। आज भिक्षावृत्ति ने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है। दया, सहानुभूति जैसी मानवीय भावनाओं का लाभ उठा कर भिक्षावृत्ति का व्यवसाय फल फूल रहा है। गली गली घूम कर, मुहल्लों में जाकर प्रतिदिन भिखारी कुछ पाने की अपेक्षा रखते हैं। जरूरी नहीं कि जो इन्हें दिया जाये उससे वह प्रसन्न हो जायें। आजकल तो भिखारी भिक्षा भी ले लेते हैं और ताना भी मार देते हैं। वस्तुस्थिति यह है कि भिक्षावृत्ति में अब कई प्रकार के भिखारियों ने कदम जमा लिये हैं।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय का लक्ष्य हॉटस्पॉट की पहचान करने और 2026 तक इन स्थानों को भिक्षावृत्ति से मुक्त बनाने में जिला और नगर निगम अधिकारियों का समर्थन करना है। पहले चरण में धार्मिक महत्व के जिन 10 स्थानों पर भिखारियों के पुनर्वास पर ध्यान दिया जाएगा, उनमें अयोध्या, ओंकारेश्वर, कांगड़ा, सोमनाथ, उज्जैन, बोधगया, त्र्यंबकेश्वर, पावागढ़, मुदैर और गुवाहाटी शामिल हैं। दिशानिर्देशों के मुताबिक, संबंधित धार्मिक ट्रस्ट या श्राइन बोर्ड भी इन स्थानों पर भीख मांगते पाए जाने वालों के पुनर्वास में शामिल होंगे। इसके अलावा, पर्यटन स्थलों में जैसलमेर, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा, कुशीनगर, सांची, केवडिया, श्रीनगर, नामसाई, खजुराहो, और पुडुचेरी शामिल हैं। वहीं, वारंगल, तेजपुर, कोझिकोड, अमृतसर, उदयपुर, कटक, इंदौर, मैसूर, पंचकूला, शिमला, तेजपुर ऐतिहासिक शहरों की सूची में हैं।

हमारे देश में भिक्षा ,भीख और दान की परम्परा रही है। मगर इन तीनों में अंतर समझना जरुरी है। भीख भिखारी को सहायता के रूप में दी जाती है भीख का कोई उद्देश्य नही होता। भीख देने के लिए किसी की योग्यता-अयोग्यता भी नही देखी जाती है। भिक्षा लेने वाले से यह आशा की जाती है कि वह इसे लेकर सभी के हित के लिए कार्य करेगा या फिर स्वयं का जीवन यापन करेगा। इसी भांति दान में भी भिक्षा के ही समान लक्षण होते हैं परंतु अंतर इतना होता है कि दान देने वाला इन्ही सब कारणों व लक्षणों को ध्यान में रखते हुये स्वयं जाकर इच्छित स्थान और समय पर व्यक्ति को दान देता है।

मगर अब भीख, भिक्षा और दान को एक ही तराजू पर तोला जाने लगा है जिससे इनका भेद मिट गया है। भीख भिक्षा और दान का पात्र अब केवल भिखारी ही रह गया है और बदलते जमाने में उसे भिखारी के नाम से ही सम्बोधित किया जाने लगा है। भारत में कानूनी तौर पर भिखारी की जो परिभाषा है उसके अनुसार भिखारी वह व्यक्ति है जिसके पास जीने का कोई साधन नहीं है, ना ही उसके पास सिर छिपाने के लिए छत है। वह लाचार, असमर्थ और अपंग है। सामान्य भाषा में ऐसा व्यक्ति भिखारी कहलाता है। 2011 की जनगणना बताती है कि देश में तीन लाख बहत्तर हजार भिखारी थे, जिनमें से 21 फीसद यानी 78 हजार भिखारी शिक्षित थे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि देश में भिखारियों की संख्या चार लाख तेरह हजार छह सौ सत्तर है, जिनमें पुरुषों की संख्या दो लाख बीस हजार और महिलाओं की संख्या एक लाख इक्यानबे हजार है।

आप सुबह-सुबह घर से ऑफिस या व्यवसाय के सिलसिले में बाहर निकलते हैं, तो आपको रेलवे स्टेशन, बस पड़ाव या मार्केट में "अल्लाह के नाम पर दे दे बाबा या फिर भगवान के नाम पर दे दे बाबा" जैसा शब्द सुनाई देता हैं। जब आप उधर नजर दौड़ाते हो तब आपको कुछ भिखारी डब्बे, बर्तन जैसे टिन का कटोरा आदि लिए यह वाक्य बार-बार दोहराते हैं। उसमें बच्चे, बूढ़े, नौजवान, विकलांग शामिल होते हैं। अंधे भी इस धंधे में शामिल होते हैं।

यह सच है कि केवल कानून के माध्यम से भिक्षावृति पर रोक नहीं लगाई जा सकती। इस बुराई पर रोक के लिए समाज को आगे आकर प्रयास करने होंगे, शारीरिक रूप से लाचार लोगों को रोजी रोटी का सरकार प्रबंध करे मगर जो सक्षम है और विभिन्न कारणों से ऐसा कर रहे है उनके रोजगार का प्रबंध सरकार करे ताकि मिलजुल कर भिक्षावृति रोकी जा सके।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

के.के. गुप्ता ने नागौर शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया

राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्त स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता तथा नगर निकाय अधिकारियों की बैठक में स्वच्छता को लेकर चर्चा हुई

नागौर, (निसं)। जिले में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन के तहत गुरुवार को नगर परिषद सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्त स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता तथा नगर निकाय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

नगर परिषद आयुक्त गोविंद सिंह भींचर ने बताया कि बैठक में नगर परिषद द्वारा स्वच्छता को लेकर लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था की सख्त निगरानी की जा रही है और गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक के दौरान सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई, पार्कों के रखरखाव, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक, सड़क नालियों की मरम्मत, डिवाइडर पर रंगरोगन तथा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों के विस्तार पर भी चर्चा की गई। ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने सुझाव दिया कि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए स्कूलों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने वार्ड स्तर पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने की भी बात कही।

इस दौरान के.के. गुप्ता ने कहा कि गांव और शहर को गंदगी की वजह से स्वच्छ नहीं बना पाना कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। उन्होंने कहा कि दृढ़ ईच्छा शक्ति से परिश्रम करके स्वच्छता का माहौल बनाया जा सकता है। स्वच्छता में इंसान ही नहीं देवी देवताओं का भी वास होता है। इस दौरान उन्होंने डूंगरपुर का उदाहरण देते हुए बताया कि काम के साथ-साथ नाम भी करें। काम के दम पर पहचान बनाएं। स्वच्छ भारत मिशन एक मिशन ही नहीं जन आंदोलन है। इसे आगे बढ़ाएं। हर आदमी ठान लें कि मैं स्वच्छता में सहयोग करूंगा तो कोई भी ताकत भारत को पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने से रोक नहीं सकती। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री बार-बार झाड़ू उठा रहे हैं खुद झाड़ू पौछा लेकर निकले। जिन्होंने देश को स्वच्छता का संदेश दिया।

के.के. गुप्ता

इस दौरान उन्होंने डूंगरपुर में किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता के दौरान बहुत से चैलेंज आए, पर हमने लोगों के भाव बदले। वहीं घर-घर शौचालय बनने से माता बहनों को खुशी मिली। गरीब के घर को प्रधानमंत्री ने सुरक्षित किया है। कोविड महामारी से पहले घर-घर शौचालय बनने से लोग महामारी से बच गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ने ही कोविड पर नियंत्रण किया। स्वच्छता को लेकर वे खुद 365 दिन कार्य करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमें आने जाने वाले रास्तों को भी साफ करना है। सभी निकायों का पहला और मजबूत कार्य स्वच्छता बनाए रखना है। यह सभी का कर्तव्य और जिम्मेदारी भी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति बाहर से आता है और आपके शहर की गलियों में गंदगी देखता है तो यह बड़ा शर्मनाक होता है।

इस दौरान के.के. गुप्ता ने कहा कि सरकार को मुझ पर पूरा भरोसा है इसलिए स्वच्छता की पूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस दौरान उन्होंने बैठक में सभी को संबोधित करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति ठान लें तो 24 घंटे में शहर की फितरत बदल सकते हैं, इसके लिए केवल दृढ़ ईच्छाशक्ति होनी चाहिए। इसके लिए ग्रुप बनाकर कार्य करेंगे, सरकार भी जुड़ेगी। उन्होंने कहा इन ग्रुपों में दिन में तीन बार सफाई को लेकर फोटो डालने हैं जो भी काम करेंगे सभी का लेखा-जोखा ग्रुप में होगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि कार्य की सराहना करने से परिणाम नहीं आता हैं जब तक जनता ना बोले तब तक आनंद नहीं आएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी यह प्रयास करें कि खुले में कहीं भी कचरा नहीं दिखे। अधिकारी मस्त, जनता त्रस्त यह बर्दाश्त नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि यहां आकर मैंने अभी ज्यादा देखा नहीं है और जो देखा है वह देखने लायक नहीं। इस दौरान उन्होंने सबसे हाथ जोड़कर भी निवेदन किया कि राजस्थान की प्रतिष्ठा का सवाल है, इस पर खरा उतरना है। धरातल को देखना है जनता के मुंह से यह निकले कि कचरा कहीं नहीं डालना है। बैठक में उन्होंने बाबा रामदेव के नुस्खे बताते हुए कहा कि क्रिया का होना ही काफी नहीं है क्रिया करने का भाव होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमने विषम परिस्थितियों को भी सम बनाया है। साथ ही उन्होंने कहा हर निकाय स्तर पर दो व्यक्तियों को सरकार द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। डोर टू डोर कचरा संग्रहण अच्छी पहल है। इसमें सुखा व गीला कचरा अलग-अलग करके 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया जा सकता है। वहीं इसमें समय प्रबंधन होना भी जरूरी है। साथ ही गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम भी लगे, ताकि शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके।

- **स्वच्छ भारत मिशन, एक मिशन ही नहीं, यह जन आंदोलन है, इसे आगे बढ़ाएं : के.के. गुप्ता**

प्रवासित विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हक़दार : राजस्थान हाईकोर्ट

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने रिपोर्टेबल निर्णय में कहा कि विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हक़दार है। हाईकोर्ट ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और नर्सिंग ऑफिसर नियमित भर्ती 2023 में आर्थिक पिछड़ा वर्ग प्रवासित विवाहित महिलाओं को दे ईडब्ल्यूएस आरक्षण सुनवाई पर यह निर्णय दिया। कोर्ट ने कहा कि अन्य राज्यों में जायी जन्मी, लेकिन राजस्थान में विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हक़दार है। एकलपीठ निर्णय के विरुद्ध दायर राज्य सरकार की विशेष अपीलों को खारिज कर दिया अहम आदेश दिए गए।

डीडवाना (नागौर) निवासी याचिकाकर्ता पुनीता रानी और झालावाड़ निवासी रीना कुँवर राजपूत की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने अलग-अलग रिट याचिकायें दायर कर बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 3384 पदों के लिए 19 मई 2023 को विज्ञप्ति जारी की गई थी एवं नर्सिंग ऑफिसर के 6981 पदों के लिए विज्ञप्ति 5 मई 2023 जारी की गई, जिसमें आर्थिक कमजोर वर्ग/ईडब्ल्यूस वर्ग के लिए 10 प्रतिशत पदों का आरक्षण किया गया। याची पुनीता रानी ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता पद के लिए और रीना कुँवर राजपूत ने नर्सिंग ऑफिसर पद के लिए ईडब्ल्यूएस वर्ग में अपना आवेदन किया। चयन प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद जारी अंतरिम चयन सूची में याचीगण को चयनित किया गया, लेकिन अंतिम चयन सूची से उनका नाम यह कहते हुए हटा दिया गया कि वह जन्मजात राजस्थान से बाहर अन्य राज्यों यथा हरियाणा/ मध्यप्रदेश की होने और शादी राजस्थान में हो जाने से वह ईडब्ल्यूएस वर्ग आरक्षण की हकदार नहीं है। इसे लेकर अलग-अलग रिट याचिका के मार्फत चुनौती दी गयी।

रिट याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ता का जन्म अन्य राज्य में हुआ और उनकी शादी राजस्थान के मूल निवासी से होने के बाद वे राजस्थान के मूल निवासी हो चुकी है। विवाह पश्चात से ही वह राजस्थान में ही निवासरत है। राज्य के सक्षम अधिकारी द्वारा याचीगण की समस्त जांच पड़ताल कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद नियमानुसार मूल निवासी प्रमाण पत्र और आर्थिक कमजोर वर्ग/ ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जारी किया गया।

राज्य सरकार के कार्मिक विभाग और सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग द्वारा भी समय समय पर परिपत्र और अधिसूचनाएं जारी करते हुए राज्य से बाहर की महिलाओं को विवाह पश्चात राजस्थान में आर्थिक कमजोर वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण पत्र जारी कर आरक्षण का फायदा देने के निर्देश जारी कर रखे हैं।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि आर्थिक कमजोर वर्ग आरक्षण जाति आधारित आरक्षण नहीं होता है बल्कि यह देश के सामान्य जाति के गरीब व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। यह आर्थिक कमजोर वर्ग/आरक्षण केवल राजस्थान राज्य के मूल निवासी उन लोगों को देय है जिनकी परिवार की सकल वार्षिक आय 8 लाख रुपए से कम है तथा जिनकी जाति एससी, एसटी, ओबीसी या एमबीसी जाति में नहीं आती हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 16 के मुताबिक किसी भी नागरिक को जन्म स्थान या निवास के आधार पर राज्य के अधीन किसी भी पद या रोजग़ार के लिए अपात्र नहीं ठहराया जा सकता और उससे भेदभाव नहीं किया जा सकता। इस कारण राज्य सरकार द्वारा राज्य के विवाहित महिला को सरकारी नौकरी में ईडब्ल्यूएस वर्ग आरक्षण से वंचित करना गैरकानूनी और असवैधानिक है। याचीगण के प्राप्तांक ईडब्ल्यूएस वर्ग के अंतिम कटऑफ से भी ज्यादा है।। हास्यास्पद स्थिति यह है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर सभी भर्तियों में अन्य राज्य की मूल निवासी राजस्थान में विवाहित महिलाओं को ई.डब्ल्यू.एस. आरक्षण का लाभ दे रही हैं, लेकिन राजस्थान सरकार के चिकित्सा विभाग द्वारा की जा रही भर्तीयों में अन्य राज्यों की विवाहित महिलाओं को ई.डब्ल्यू.एस. आरक्षण देने से मना किया जा रहा है।

अपीलकर्ता राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि राजस्थान राज्य से बाहर की मूल निवासी महिला शादी के बाद राजस्थान में राजकीय नौकरी में ईडब्ल्यूएस आरक्षण की हकदार नहीं है और सर्वोच्च न्यायालय ने भी रंजना कुमारी मामले में अन्य राज्यों से प्रवासीत विवाहित महिलाओं को अन्य राज्य में एससी, एसटी, ओबीसी वर्गों में आरक्षण का हकदार नहीं माना हैं।

प्रकरण के तथ्यों और पूर्व न्यायिक दृष्टान्तों का समग्र परिशीलन पश्चात वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधिपति संदीप शाह की खण्डपीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश विशेष अपीलों को रिपोर्टेबल निर्णय से खारिज करते हुए यह प्रतिपादित किया कि अन्य राज्यों में जायी जन्मी लेकिन राजस्थान में विवाहित महिलाएं भी सरकारी सेवाओं में ईडब्ल्यूएस आरक्षण पाने की हक़दार हैं। साथ ही पूर्व में निर्णीत प्रकरण अमन कुमारी एकलपीठ निर्णय को सही ठहराया।

- **हाईकोर्ट ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और नर्सिंग ऑफिसर नियमित भर्ती 2023 में आर्थिक पिछड़ा वर्ग प्रवासित विवाहित महिलाओं को ईडब्ल्यूएस आरक्षण सुनवाई पर यह निर्णय दिया**
- **रिट याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ता का जन्म अन्य राज्य में हुआ और उनकी शादी राजस्थान के मूल निवासी से होने के बाद वे राजस्थान की मूल निवासी हो चुकी है**

डूंगरपुर के वन नाका दामड़ी में मादा लैपर्ड मृत मिली

गर्भ में पल रहे दो शावकों की भी मौत, वन विभाग की टीम जांच में जुटी

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र में स्थित वन मंडल की आंतरी रेंज के नाका दामड़ी के डोलवर में बुधवार को एक मादा लैपर्ड मृत पाई गई। इस घटना में मादा लैपर्ड के गर्भ में पल रहे दो शावकों की भी मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आंतरी वन रेंज के डोलवर के पास लैपर्ड के मृत मिलने की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मृत लैपर्ड को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर दोवड़ा वन नाका पहुंचाया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन पाटीदार, डॉ.निशांत परमार और डॉ. युक्ति परमार की एक टीम मौके पर पहुंची। डॉक्टरों ने जांच के दौरान बताया कि मादा लैपर्ड गर्भवती थी और उसके पेट में दो शावक पल रहे थे, जिनकी मादा लैपर्ड के साथ ही मौत हो गई। टीम ने देर शाम मादा लैपर्ड का पोस्टमार्टम किया। लैपर्ड के मृत मिलने की सूचना पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग और डॉक्टरों की मौजूदगी में मादा लैपर्ड का अंतिम संस्कार किया गया। मादा लैपर्ड की मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस घटना से कई सवाल खडे हो रहे हैं। पिछले दिनों साबला क्षेत्र में एक लैपर्ड का शिकारियों द्वारा शिकार किया गया था, जिसके नाखून और मुंह का जबड़ा काटकर शिकारी ले गए थे। इस मादा लैपर्ड की मौत को लेकर भी शिकार का संदेह जताया जा रहा है।

- **मादा लैपर्ड की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है**
- **इस मादा लैपर्ड की मौत को लेकर भी शिकार का संदेह जताया जा रहा है**

बाबा श्याम का मुख्य मेला आज

सीकर, (निसं)। खाटूश्याम जी का फाल्गुनी लक्खी मेला अपने परवान पर है, जिसमें देशभर से लाखों श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के निर्देश में जिला प्रशासन द्वारा मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे भक्तों को सुगम, सुरक्षित और सुखद दर्शन प्राप्त हो रहे हैं। अब तक कुल 6,67,643 श्रद्धालु बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं। बाबा श्याम का मुख्य मेला 27 फरवरी एकादशी को आयोजित होगा। इस दिन बाबा श्याम रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिल रही है।

जिला कलैक्टर शर्मा के निर्देश पर विशेष रूप से नगर पालिका द्वारा मेला परिसर में बेहतरीन साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पर्याप्त कचरा पात्र लगाए गए हैं, अतिरिक्त ऑटो टीपर तैनात किए गए हैं, और डोर-टू-डोर होटल तथा ढाबों के कचरे के निस्तारण के लिए टेंडर आधारित व्यवस्थाएं की गई है, जिससे प्रतिदिन नियमित सफाई और कचरा संग्रहण हो रहा है।

वहीं बाबा श्याम के दर्शनों के लिये प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों से भक्त जयकारे लगाते हुये पहुंच रहे है। श्याम भक्तों के लिये रास्ते में कई जगह पर भंडारे लगे हुये हैं। वहीं भक्तों के लिये रास्ते में कई प्रकार की सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। रींगस से लेकर खाटू नगरी तक श्याम भक्तों का रैला ही नजर आ रहा है।

- **करीब सात लाख श्रद्धालुओं ने अब तक श्याम बाबा के दर्शन किए**

राशिफल

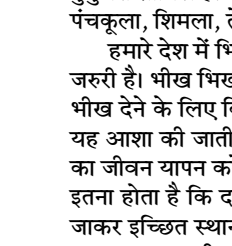

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 27 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र प्रात: 10:49 तक, आयुष्मान योग सायं 7:44 तक, वणिज करण दिन 11:13 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:52 से कर्क राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 10:49 तक है। कुमार योग 10:49 से रात्रि 10:33 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 10:49 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 11:33 से रात्रि 10:33 तक रहेगी। बुध अस्त पश्चिम में रात्रि 3:39 पर होगा। आज आमला एकादशी व्रत, रंगभरी ग्यारस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:21 तक, लाभ-अमृत 8:23 से 11:14 तक, शुभ 12:40 से 2:05 तक, चर 4:57 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 6:22

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनावश्यक कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का मानसिक तनाव दूर होगा। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु
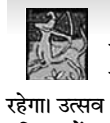
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
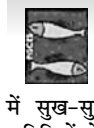
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से परिवार में मनोरंजन का माहौल रहेगा।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान को 16,600 करोड़ रुपए

से अधिक की पेयजल, विद्युत, सिंचाई, अक्षय ऊर्जा, सड़क, सीवरेज एवं अन्य परियोजनाओं का उपहार

सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि 1,000 करोड़ रुपए का हस्तांतरण

और 21,800 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्रों का वितरण

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

के द्वारा

28 फरवरी, 2026 । प्रात: 09:30 बजे

स्थान: कायड़ विश्राम स्थली, अजमेर

आप सादर आमंत्रित हैं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

बीकानेर में पारा 33.6 डिग्री तक पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। जिले में गर्मी ने तेजी से असर दिखाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि अगले 3-4 दिनों में तापमान 35 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। दोपहर के वक्त तेज धूप के कारण लोगों को पंखों का सहारा लेना पड़ रहा है और सड़कों पर आवाजाही अपेक्षाकृत कम दिखी। बीकानेर संभाग में सबसे ज्यादा गर्म बीकानेर शहर ही रहा, जहां पारा 33 डिग्री के पार पहुंचा। न सिर्फ दिन बल्कि रात भी अब गर्म रहने लगी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में बीकानेर सहित पूरे संभाग में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल गर्मी से राहत के आसार नजर नहीं आ रहे।

नीमकाथाना : चिड़ीमार पहाड़ के आसपास अवैध खनन का कहर

सैकड़ों फीट गहरी खदानों में हर समय हादसे का खतरा बना रहता है

नीमकाथाना, (निसं)। हरियाणा बॉर्डर पर अवैध खनन ने भयावह रूप धारण कर लिया है। राजस्थान और हरियाणा की सीमा से सटे पाटन क्षेत्र की ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा के चिड़ीमार पहाड़, स्यालोदड़ा मोड़ तथा आसपास के इलाकों में गहरी खाइयां खोद दी गई हैं,

- **स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इतनी गहराई में गिरने के बाद बच पाना लगभग असंभव हो जाता है**

जो अब मौत का कुआं बन चुकी हैं। सैकड़ों फीट गहरी इन खदानों में हर समय हादसे का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इतनी गहराई में गिरने के बाद बच पाना लगभग असंभव हो जाता है। लगातार हो रही अवैध ब्लास्टिंग और क्रशर संचालन से क्षेत्र में दिनभर धूल-मिट्टी का गुबार छाया रहता है। इसका सीधा असर ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। चर्म रोग, आंखों में जलन, टीबी, सिलिकोसिस और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। अत्यधिक खनन के कारण जलस्तर भी लगातार नीचे जा रहा है, जिससे भविष्य में जल संकट गहराने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ओवरलोड ट्रकों की निरंतर आवाजाही से सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। इससे स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि दोनों राज्यों में सरकार अवैध खनन पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। वहीं प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

चिड़ीमार पहाड़, स्यालोदड़ा मोड़ तथा आसपास के इलाकों में गहरी खाइयां खोद दी गई हैं, जो अब मौत का कुआं बन चुकी हैं।

सैकेण्डरी परीक्षाओं के परिणाम जल्द जारी करने की कवायद विवादों में

- **बोर्ड द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की समय सीमा घटाने और प्रतिदिन कॉपियों की संख्या दोगुनी करने के निर्देशों पर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने मोर्चा खोला**
- **शिक्षक संघ ने 60 कॉपियों के टारगेट का कड़ा विरोध किया, मूल्यांकन हड़बड़ी में गड़बड़ी होगी, संघ ने मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री को पत्र लिखकर इन आदेशों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सैकेण्डरी परीक्षाओं के परिणाम जल्द जारी करने की कवायद अब विवादों के घेरे में आ गई है। बोर्ड द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की समय सीमा घटाने और प्रतिदिन कॉपियों की संख्या दोगुनी करने के निर्देशों पर राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने मोर्चा खोल दिया है।

राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के मुख्य संरक्षक सियाराम शर्मा एवं प्रदेशाध्यक्ष विजय सोनी ने सरकार के निर्देशों को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि यह गुणवत्ता पर खरा नहीं है। शिक्षक संघ का आरोप है कि बोर्ड प्रशासन ने मूल्यांकन की गुणवत्ता को ताक पर रखकर नए निर्देश जारी किए हैं। संघ ने मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री को पत्र लिखकर इन आदेशों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

मूल्यांकन की गुणवत्ता होगी प्रभावित :-संघ के अनुसार बोर्ड की ओर से जारी मूल्यांकन दिशा निर्देशों के बिंदु संख्या 7 के उपबिंदु 3 में परीक्षक के लिए प्रतिदिन 30 उत्तर पुस्तिकाओं का अंकन निर्धारित है। साथ ही बंडल प्राप्त होने की तिथि से 17 दिन में मूल्यांकन पूरा कर अंक ऑनलाइन भेजने का प्रावधान है। शिक्षक संघ का आरोप है कि बोर्ड प्रशासन ने अलग आदेश जारी कर प्रतिदिन 60 कॉपियां जांचने के निर्देश दिए, जो व्यावहारिक नहीं हैं। कॉपियां जांचने के दबाव से मूल्यांकन की गुणवत्ता प्रभावित तो होगी, जिसका असर लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में शिक्षक बोर्ड परीक्षाओं के साथ-साथ कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाओं में भी व्यस्त हैं। 7 मार्च से स्थानीय परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं, ऐसे में शिक्षकों पर मानसिक तनाव बढ़ना तय है। संघ के प्रतिनिधियों का कहना रहा कि एक तरफ दबाव बढ़ाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मूल्यांकन में गलती होने पर सारी जिम्मेदारी परिक्षक (शिक्षक) पर ही मढ़ दी जाती है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हड़बड़ी में परिणाम जारी करने के चक्कर में नियमों के विरुद्ध आदेश जारी करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यदि इन आदेशों को वापस नहीं लिया गया, तो शिक्षक संघ आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होगा।

अजमेर में राजस्व मंडल के बाहर प्रदेश के गिरदावरों का धरना शुरू

अजमेर, (कासं)। प्रदेश के भू-अभिलेख निरीक्षक (गिरदावर) गुरुवार से राजस्व मंडल के बाहर दो दिवसीय धरना-प्रदर्शन पर बैठ गए। नियमित डीपीसी नहीं किए जाने तथा राज्य सरकार की सहमति के बाद भी आदेशों की पालना नहीं होने के विरोध में यह आंदोलन शुरू किया गया है। धरने में प्रदेशभर से आए गिरदावर बड़ी संख्या में शामिल हुए।

राजस्थान कानूनगो संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्मिक विभाग की सहमति मिलने के बावजूद जोधपुर संभाग की रिव्यू डीपीसी के संबंध में राज्य सरकार के आदेशों की पालना नहीं की जा रही है। इसके अलावा वर्ष 2025-26 की आईएलआर से नायब तहसीलदार पद पर पदोन्नति के लिए नियमित डीपीसी भी लंबित है। संघ के अनुसार समय पर डीपीसी नहीं होने से कई वरिष्ठ आईएलआर बिना पदोन्नति पाए ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि कई अधिकारी रिटायरमेंट के नजदीक हैं। यदि शीघ्र नियमित डीपीसी नहीं की गई तो अनेक अधिकारी पदोन्नति के अधिकार से वंचित रह जाएंगे। धरना-प्रदर्शन के दौरान गिरदावरों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की।

जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन में जिप्सी ने केंद्रीय स्कूल के छात्र को टक्कर मारी

- **फुटपाथ पर चलते जिप्सी के सामने आ गया था छात्र**
- **डॉक्टरों के अनुसार, छात्र के सिर में ''इंटरनल इंजरी'' की संभावना है, स्थिति चिंताजनक**

जैसलमेर, (नि.सं.)। एयरफोर्स स्टेशन परिसर में गुरुवार दोपहर को स्कूल से घर लौट रहे केंद्रीय विद्यालय के कक्षा चार के एक छात्र को भारतीय वायुसेना की तेज रफ्तार जिप्सी ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि छात्र के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल छात्र पुष्पेंद्रसिंह (11) को प्राथमिक उपचार के बाद जैसलमेर के जवाहिर हॉस्पिटल लाया गया, उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे उच्च उपचार के लिए जोधपुर रेफर किया है।

जानकारी के अनुसार एयरफोर्स स्टेशन स्थित केंद्रीय विद्यालय में दोपहर 3 बजे छुट्टी के बाद अन्य बच्चों की तरह पुष्पेंद्रसिंह पुत्र जालमसिंह निवासी बीदा जैसलमेर अपने दोस्तों के साथ पैदल ही एयरफोर्स स्टेशन से बाहर की ओर निकल रहा था। बताया जा रहा है कि पुष्पेंद्र सड़क किनारे फुटपाथ पर चल रहा था, तभी अचानक वह किसी कारणवश फुटपाथ से नीचे सड़क पर उतरा। इसी दौरान वहां से गुजर रही वायुसेना की एक जिप्सी ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पुष्पेंद्र लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद अन्य बच्चों और सुरक्षाकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। वायुसेना के जवानों ने तुरंत घायल छात्र को स्टेशन स्थित मिलिट्री हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एंबुलेंस के जरिए शहर के जवाहिर हॉस्पिटल लाया गया। जवाहिर हॉस्पिटल के डॉक्टरों के अनुसार, छात्र के सिर में ''इंटरनल इंजरी'' की संभावना है और उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस की टीम जवाहिर हॉस्पिटल पहुंची। पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। कोतवाली पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हादसा वाहन की तेज गति के कारण हुआ या यह एक दुर्भाग्यपूर्ण तकनीकी चूक थी। फिलहाल पुलिस हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए एयरफोर्स स्टेशन के संबंधित अधिकारियों से संपर्क साध रही है। हादसे की खबर मिलते ही छात्र के गांव बीदा और परिजनों में कोहराम मच गया।

दुष्कर्मी को 20 वर्ष की सजा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की एक विशेष अदालत ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में त्वरित न्याय करते हुए आरोपी को कड़ी सजा सुनाई है। न्यायाधीश श्रीबालकृष्ण मिश्र ने आरोपी जाहिद मोहम्मद उर्फ मोतिया को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और 65 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

जानकारी के अनुसार 11 नवंबर 2024 को गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के एक प्रार्थी ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिग पुत्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि मोहम्मद जाहिद उर्फ मोतिया उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर पीड़िता की तलाश शुरू की और उसे दस्तयाब किया। पुलिस पूछताछ और बयानों में पीड़िता ने बताया कि आरोपी जाहिद ने पहले उसे बहला-फुसलाकर दोस्ती की। जब पीड़िता ने उसके साथ जाने से मना किया, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपी उसे जोधपुर ले गया, जहाँ एक होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी उसे दिल्ली और अजमेर भी ले गया, जहाँ उसे बंधक बनाकर रखा गया और लगातार बलात्कार किया गया। गुलाबपुरा थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और मेडिकल जांच के बाद चार्जशीट कोर्ट में पेश की।

Office of the Executive Engineer,
Watershed Development & Soil Conservation Khajuwala (Bikaner)

S.No.: 527 **NOTICE INVITING BID** Date:17/2/2026

NIB No WSC2526A1707

On the behalf of Governor of Rajasthan, bids for the execution of Construction of State Fund Works under MJSA 2.0 2nd Phase Projects of estimated value INR 138.28 Lakh as mentioned below are invited from interested bidders up to 04-03-2026, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state, and www.watershed.rajasthan.gov.in departmental website.

Bid No.	Block	Estimated Cost (Rs. in lakhs)	UBN No.
1	Poogal	69.14	WSC2526WSOB02948
2	Poogal	69.14	WSC2526WSOB02951

[Shri Gopal Mohta]
Executive Engineer
WDSC, Khajuwala

DIPR/C/3826/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. विद्युत खण्ड कोटा

क्रमांक-973 दिनांक-19.02.2026

संशोधित निविदा आदेश

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना संख्या 30/2025-26 दिनांक 05.02.2026 जो दिनांक 10.02.2026 से 19.02.2026 तक बेची जाकर दिनांक 20.02.2026 को खोली जानी है को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है-
1. निविदा के कार्य क्रम संख्या 1 व 2 में की दरे Without GST पढ़ी जावे। संवेदक को भुगतान के समय वर्तमान में Applicable GST@18% से भुगतान किया जायेगा।
2. निविदा दिनांक 10.02.2026 से 01.03.2026 तक ऑनलाईन बेची जाकर दिनांक 04.03.2026 को सायं 04.00 बजे तक बिड सिक्यूरिटी (बोली प्रतिभूति) बैंकर चैक, मांगदेय ड्राफ्ट/अनुसूचित बैंक की बैंक गारण्टी से भी इस कार्यालय में जमा कराई जा सकती है।
3. निविदा दिनांक 04.03.2026 को सायं 06.00 बजे खोली जायेगी।

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

UBN- PWD2526WSOB22551, PWD2526WSOB225

(राजेन्द्र कुमार वासनवाल)
अधिशाषी अभियन्त
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड कोटा

DIPR/C/4440/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि. विभाग, विद्युत खण्ड-द्वितीय, जयपुर

क्रमांक-2171 दिनांक-25.02.2026

निविदा सूचना संख्या- 52/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य (1) Utility Electrical Poles shifting (33/11 KV) Work on Chaksu to Badarwas Old NH-12 to SH-02 To SH-02 Via Azamnagar, Kalyanpura, Kareda Khurd, SH-02 to Titriya vis Thali sardarpura, Devkisanpura Kareda Khurd Jaipur हेतु उपर्युक्त विद्युत श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा मय दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरीयड) शर्त सहित विद्युत कार्यो हेतु आमंत्रित की जाती है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "https://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑन लाईन सम्पादित की जावेगी।
निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
इच्छुक संवेदकों को ई-निविदा में भाग लेने हेतु वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। शुद्धि पत्र केवल http://eproc.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर अपलोड किए जाऐंगे।

(अरविन्द खत्री)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड-द्वितीय, जयपुर
मो. नं. 9829456575
ई-मेल-eeelectriciii@gmail.com

UBN NO.: PWD2526WSOB24490

DIPR/C/4381/2026

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नंबर 211, 212 व 219

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ. नीलामी/निलामी (QL 1)/2026/ई-14471

निलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के अध्याय-।। के तहत अप्रधान खनिजों के 147 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आवंटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
भीलवाडा	बिजौलियां	आरोली	सेण्डस्टोन	5
भीलवाडा	बिजौलियां	बृजपुरा	सेण्डस्टोन	21
चित्तौडगढ	निम्बाहेडा	बिनोता	लाइमस्टोन (खण्डा,पट्टी फर्शी)	2
चित्तौडगढ	निम्बाहेडा	बिनोता	लाइमस्टोन (खण्डा,पट्टी फर्शी)	13
भीलवाडा	बिजौलियां	खडीपुर	सेण्डस्टोन	3
भीलवाडा	बिजौलियां	पचानपुरा	सेण्डस्टोन	27
चित्तौडगढ	बंगू	रावडदा	सेण्डस्टोन	76
		कुल प्लॉट		147

क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.com एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक

DIPR/C/4065/2026

कार्यालय उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर

क्रमांक-201 दिनांक-20.02.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (दर संविदा) सं. 04/2025-26

श्रीमान निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव महोदय के पत्रांक एफ.7 (2)()/रा.छा./सान्याअवि/2019/77994 जयपुर दिनांक 24.12.2019 एवं एफ 7(2)(03334)राछा/सान्याअवि/25/5537 जयपुर दिनांक 17.03.2025 की पालना में जिले में संचालित राजकीय छात्रावासों हेतु राशन सामग्री क्रय एवं आपर्ति हेतु जीएसटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत बोनाफाइड विनिर्माता/फर्मो/संस्था/कंपनी/एजेन्सी से निम्नलिखित राशन सामग्री क्रय हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु ई-निविदा (दर संविदा) आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	सामान	अनुमानित लागत	अमानत राशि (अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत)	निविदा शुल्क	निविदा प्रक्रिया शुल्क
01	राशन सामग्री	140 लाख	280000/-	500/-	1000/-

ऑन लाईन बिडिंग के लिए निविदादाता का सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2010 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र (DSC) होना आवश्यक है। निविदा दस्तावेज मय शर्ते http://www.eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं तकनीकी निविदा उन्हीं निविदादाताओं की खोली जावेगी जिनके द्वारा निर्धारित तिथि से पूर्व निविदा शुल्क निविदा प्रक्रिया शुल्क अमानत राशि (DEMAND DRAFT) के माध्यम से उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर के नाम सारणी में अंकित मदों में जमा करवाकर चालान कार्यालय में जमा करवा दिया जावेगा।
इसके अभाव में तकनीकी निविदा असफल मानी जावेगी, जिसका विवरण निम्न है-

बोली अनुसूची

क्र.सं.	विषय		तारीख	समय
क्र.सं.	शुल्क का प्रकार	बजट मद		
01	निविदा शुल्क	0075-00-800-52-01		
02	निविदा प्रक्रिया शुल्क	8658-00-102-16-01		
03	अमानत राशि (DEMAND DRAFT)	Deputy Director social Justice and empowement Department, JALORE		
01	ई-प्रकाशन तिथि		20.02.2026	सुबह 11.00 बजे
02	दस्तावेज डाउनलोड प्रारंभ तिथि		20.02.2026	सुबह 11.00 बजे
03	दस्तावेज डाउनलोड अन्तिम तिथि		03.03.2026	शाम 6.00 बजे
04	बोली प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि		03.03.2026	शाम 6.00 बजे
05	निविदा शुल्क और प्रोसेसिंग शुल्क का ऑनलाईन चालान (ई ग्रास सिंगल चालान के माध्यम से) व अमानत राशि का (DEMAND DRAFT) कार्यालय में भौतिक रूप से जमा की जानी चाहिए		03.03.2026	शाम 6.00 बजे
06	तकनीकी बोली खोलने की तिथि		04.03.2026	सुबह 11.00 बजे

NIB CODE: SOC2526A0389
UBN: SOC2526SLRC00419

उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग
जालोर

DIPR/C/4085/2026

कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर

Email:-dlo.jlr@rajasthan.gov.in, पता:- नर्मदा कॉलोनी, सामतीपुरा रोड़, जालोर

क्रमांक / सान्याअवि/2026/208 दिनांक:-20.02.2026

ई-निविदा सूचनाः रसोइया / चौकीदार / कम्प्यूटर ऑपरेटर

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान लोक उपापन मे पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत मानव संसाधन की सेवाओ के उपापनो के सम्बन्ध मे वित्त विभाग के आदेश क्रमांक एफ 2 (1) वित्त / एसपीएफसी / 2017 संख्या 1/2018 जयपुर दिनांक 30.04.2018 एवं श्रीमान निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सान्याअवि के पत्रांक 1688 दिनांक 20.02.2024 के तहत् वित्तीय वर्ष 2026-27 (1) मार्च 2026 से फरवरी 2027) तक एवं निदेशालय के निर्देशानुसार कार्यालय उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर में जॉब बेसिस पर कार्य कराने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्तिकर्ताओ/स्वंय सहायता समूहो/ संवेदक से निम्नानुसार ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं-

क्र. सं.	जॉब कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित वार्षिक लागत राशि रू.	02 प्रतिशत धरोहर राशि रू.	निविदा शुल्क राशि रू.	आर.आई. एस.एल. प्रक्रिया शुल्क
1	रसोईया, चौकीदार एवं कम्प्यूटर मैन विथ माशीन जॉब बेसिस पर उपलब्ध कराने बाबत	6000000/-	120000/-	500/-	1000/-

ई-निविदा कार्यक्रम

1	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डाटासीट इत्याद्वि डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि व समय	17.02.2026	10:00 AM
2	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभतिथि व समय	17.02.2026	10:00 AM
3	ई प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डाटासीट इत्याद्वि अपलोड करने की अन्तिम तिथि व समय	03.03.2026	06:00 PM
4	अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं आर.आई. एस.एल. प्रक्रिया शुल्क एवं मूल निविदा दस्तावेज कार्यालय मे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	03.03.2026	06:00 PM
5	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	04.03.2026	11:00 AM

ऑन-लाईन बिडिंग के लिए निविदादाता का सूचना प्रौद्योगिक अधिनियम 2000 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र (DSC) होना आवश्यक हैं। निविदा दस्तावेज मय शर्ते sjerajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। तकनीकी निविदा उन्ही निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निविदा प्रतिभूति राशि के डिमाण्ड ड्राफ्ट जो की उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जालोर के नाम तथा निविदा प्रपत्र शुल्क ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500 रू एवं RISL ई निविदा प्रक्रिया शुल्क राशि ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 1000/- रूपयें Managing Director, RISL, Jaipur (Pay able at Jaipur) के नाम से निर्धारित मूल शपथ पत्र आदि दस्तावेज नियत तिथि एवं समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दी गई होगी। तकनीकी निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जावेगी। उक्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।

NIB CODE: SOC2526A0389
UBN: SOC2526SLRC00419

उप निदेशक
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जालोर

DIPR/C/4092/2026

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसांमंम/2025-26/2775 दिनांक:- 25.02.2026

-: ई- निविदा सूचना- 26/2025-26 :-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु पंजिकृत व योग्य संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत विवरण व अन्य शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर दिनांक 27.02.2026 को प्रातः 9:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 18.03.2026 सायं 06:00 बजे तक ऑन लाईन सबमिट किये जा सकते है जिनकी तकनीकी निविदाए दिनांक 20.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। निविदा संबंधी शुल्क व राशियां निविदा प्रपत्र में अंकित बैंक खाते में जमा करवानी होगी।

क्र	कार्य का विवरण	अनु.लागत (लाखो में)	UBN
1.	Providing & Fixing Ornamental Carved Sheesham Wooden Door For Temple At Shri Sanwaliya Ji Mandir Mandal Mandfiya.	14.00	SMM2526WSOB00090
2.	SITC of Servo Voltage Stabilizer work in S.S.M.M., Mandfiya.	19.00	SMM2526WSOB00091
3.	SITC of CCTV Surveillance System at New Dharmshala at Mandfiya.	47.00	SMM2526WSOB00092
4.	SITC of Transformer and other electric work at New Dharmshala in shree sanwaliya ji mandir mandal Mandfiya.	47.00	SMM2526WSOB00093
5.	SITC of High Mast Lighting System at 16 Village in Shree Sanwaliya ji Mandir Mandal.	66.00	SMM2526WSOB00094
6.	SITC of Ceiling Mounted direct drive HVLS fan in Shri Sanwaliyaji Temple at Mandfhiya.	68.00	SMM2526WSOB00095
7.	Painting & Rajasthani Art Work At SSMM Campus, Mandfiya.	100.00	SMM2526WSOB00096
8.	Development Work of Mokshdham at Karoli Village.	129.00	SMM2526WSOB00097
9.	SITC of CCTV Surveillance System at Campus of Shri Sanwaliya ji Mandir at Mandafiya.	254.00	SMM2526WSOB00098
10.	Construction of boundary Wall, Shed, Development of School Ground at Mandafiya.	390.00	SMM2526WSOB00099
11.	Construction of Patwar Bhawan At Mandfiya	29.00	SMM2526WSOB00100
12.	Supplying and fixing of Brass Railing, Bhandar & Gate of Shri Sanwaliya Ji Mandir At Mandfiya.	500.00	SMM2526WSOB00101
13.	Construction of Road From Bhatoli Gujran To Nalyakhera-Nadakhera Road, Bhatoli gujran, Kuretha to Tandikhera Road.	812.00	SMM2526WLOB00102

मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री साँवलियाजी मंदिर मण्डल

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग, वृत धौलपुर

फोन नं. 05642-223075 E-mail ID: SE.DHO.PHED@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक- 4616-22 **ई निविदा सूचना** दिनांक-13.02.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्ल्यू.एफ.एण्डए.आर. पार्ट II अपेण्डिक्स 16 दिनांक 1.7.99 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं जो निविदा प्रपत्रों में वांछित योग्यता रखते हो से निम्न कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदायें आमंत्रित की जाती है। यह निविदा सूचना http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। तथा निविदा प्रपत्र http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउन लोड एवं अपलोड किये जा सकते है।

NIT No	Name of work	Estt.cost (Rs.in Lacs)	Tender Fees	Eamest money 2%	Eamest money 1/2%	Last data & time for online SUBMISSION of Document	Original Document SUBMITING	Bid opening date & time	NIB No PHE2526 6437
09/ 2025 26	Work of Drilling of 125mm Nominal diameter bore hole for Hand Pumps and installation of India Mark if Hand Pump in Sandy Strate complete with material & labour charges in Div. Dholpur of District Dholpur (Urban/Rural)	125.00	2000	250000	62500	04.03.2026 06.00 PM	05.03.2026 up to 12 PM	05.03.2026 01.30 PM	UBN NO., PHE2526 WSOB13953

(राजकिरण यादव)
अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा.अभि. विभाग, वृत धौलपुर

DIPR/C/3551/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग खण्ड भीनमाल

मालवीय नगर भीनमाल 343029

फोन नं. 02969-220120 E-Mail:- phedbhin@gmail.com

क्रमाकः-अअ/जनस्वा/भी./त.स./2025-26/2725-2739 दिनांकः- 20/2/2026

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 45-47/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल में निम्नलिखित कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत जो उपयुक्त पात्रता रखते है, संवेदको से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा का विस्तृत विवरण एवं पात्रता की शर्ते वेबसाईट www.dipronline.org, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक फॉरमेट http://eproc.rajasthan.gov.in में प्रस्तुत की जानी है।

बिड संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि (लाख रू.) 2 प्रतिशत	बिड शुल्क रू.	ई-प्रकिया रु. शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	UBIN No.
45/ 2025-26	Repair & preventive maintenance of Centrifugal Pump Sets of pumphouses and their panels, Sumbersible Pump Sets and their panel of Tube Well and Running of Pumphuses at Modara, Serna & Junjani Head Works With Daily Valve Operation in water supply scheme Modara, Serna, Dhansa, Junjani, Dhumbadiya & Morseem under Sub Division Bhinmal Rural in Division Bhinmal (Jalore)	24.57	49140/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526 WSRC14695
46/ 2025-26	Repair & preventive maintenance of Centrifugal Pump Sets of pumphouses and their panels and Sumbersible Pump Sets and their panel of Tube Well and Running of Pumphouses Sewadiya, Devpura & Pooran Head Works With Daily Valve Operation in water supply scheme Raniwara Kallan, Badgaon & Pooran under Sub Division Raniwara in Division Bhinmal (Jalore)	16.43	32860/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526 WSRC14698
47/ 2025-26	Repair & preventive maintenance of Centrifugal Pump Sets of pumphouses and their panels and Sumbersible Pump Sets and their panel of Tube Well and Running of Pumphouses Basra Dhanji Head Works With Daily Valve Operation in water supply scheme Basra Dhanji under Sub Division Jaswantpura in Division Bhinmal (Jalore)	4.27	8540/-	500/-	500/-	12 माह	PHE2526 WSRC14699

निविदादाता को आईटी एक्ट 2000 के तहत डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट प्राप्त कर डिजिटल हस्ताक्षर युक्त निविदा प्रस्तुत करनी होगी। इसके अभाव में निविदा मान्य नहीं होगी।

पानी बचाओं-जीवन बचाओं

निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि	21.02.2026
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	04.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	04.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक
प्री-क्वालिफिकेशन बीड खोलने की तिथि एवं समय	04.03.2026 मध्यान्ह पश्चात् 3.30 बजे

(प्रशान्त कुमार)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग
खण्ड भीनमाल

DIPR/C/4189/2026

विधानसभा में डोटासरा-दिलावर और जोगाराम पटेल के बीच तीखी नोकझोंक

तीनों नेताओं के बीच पंचायत चुनाव के मुद्दे पर शुरू हुई बहस जब निजी आरोपों व टिप्पणियों पर जा पहुंची तो देखते ही देखते सदन का माहौल अखाड़े जैसा बन गया

- सदन में व्यक्तिगत हमलों का दौर तब शुरू हुआ जब जोगाराम पटेल ने बिड़ला ऑडिटोरियम के घटनाक्रम का जिक्र किया। इस पर डोटासरा ने तल्ख लहजे में कहा कि ''मेरा नाम गोविंद डोटासरा है, सांस भी निकाल लिया तो चौकड़ी भुला दूंगा।''
- जवाबी हमले में मंत्री पटेल ने भी कहा कि चौकड़ी भुलाना हमें भी आता है।'' इसी बीच शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डोटासरा पर पलटवार करते हुए कहा कि अभी तो 2000 करोड़ रुपये के मिड-डे मील घोटाले का फंदा आ रहा है। डोटासरा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि वे किसी भी जांच का स्वागत करते हैं।

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को ग्रामीण विकास और पंचायतीराज विभाग की अनुदान मांगों पर बहस के समय सदन अखाड़ा बन गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और सत्ता पक्ष के मंत्रियों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके चलते सदन में कई बार हंगामे की स्थिति पैदा हुई। डोटासरा ने जहाँ सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, वहीं मंत्रियों ने उनके कार्यकाल के पुराने मामलों को लेकर पलटवार किया।

बहस की शुरुआत करते हुए गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार एसआईआर में अपनी पसंद की लिस्ट न आने के कारण पुराने ढर्रे पर चुनाव कराना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार यहाँ बेईमानी नहीं कर सकी। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि डोटासरा को प्रक्रिया की जानकारी नहीं है और आगामी निकाय व पंचायत चुनावों में भाजपा का ही परचम लहराएगा।

सदन में व्यक्तिगत हमलों का दौर तब शुरू हुआ जब जोगाराम पटेल ने बिड़ला ऑडिटोरियम के घटनाक्रम का जिक्र किया। इस पर डोटासरा ने तल्ख लहजे में कहा कि ''मेरा नाम गोविंद डोटासरा है, सांस भी निकाल लिया तो चौकड़ी भुला दूंगा।'' जवाबी हमले में मंत्री पटेल ने भी कहा कि चौकड़ी भुलाना हमें भी आता है।'' इसी बीच शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डोटासरा पर पलटवार करते हुए कहा कि अभी तो 2000 करोड़ रुपये के मिड-डे मील घोटाले का फंदा आ रहा है। डोटासरा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि वे किसी भी जांच का स्वागत करते हैं। उन्होंने दिलावर पर हमला बोलते हुए दावा किया कि मंत्री पर 14 केस दर्ज हैं और वे 6 मामलों में जमानत पर बाहर हैं, वरना सलाखों के पीछे होते। दिलावर ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक द्वेषवश फर्जी मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

डोटासरा ने चुटकी लेते हुए कहा कि सरकार डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की लोकप्रियता से डरती है, इसलिए मदन दिलावर को उनके पीछे लगा रखा है। उन्होंने डॉ. किरोड़ी को अपना साढू बताते हुए उनके प्रति सहानुभूति जताई। इसके जवाब में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि हमने आरएसएस की शाखा में राष्ट्रभक्ति सीखी है। हमारा लक्ष्य पद नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा करना है। हम पदों के पीछे नहीं भागते।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सरकार को घेरते हुए कहा कि यह सरकार मजदूर और किसान विरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका के साथ ट्रेड डील कर किसानों के हितों के साथ समझौता कर रही है। जूली ने चेतावनी दी कि सत्ता और बहुमत हमेशा नहीं रहता और आने वाले समय में जनता इसका जवाब देगी।

जयपुर की सड़कों पर दौड़ती नजर आएंगी गुलाबी इलेक्ट्रिक बसें

चंडीगढ़ के बाद अब जयपुर में भी ठेके की ई-बसों में सफर करेंगे लोग

- जेसीटीसीएसएल ने गुरूवार से बसों का तीन दिवसीय ट्रायल शुरू किया, यह सफल रहने पर जून तक 300 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसें आ सकेंगी
- बताया जा रहा है कि ये बसें एक निजी कम्पनी चलाएगी, सरकार इस कम्पनी को प्रति किलोमीटर के हिसाब से भुगतान करेगी।

जयपुर (कासं)। गुलाबी नगर के बाशिंदे अब ठेके की इलेक्ट्रिक बस में सफर करेंगे। चंडीगढ़ के बाद अब राजधानी में पहली बार गुलाबी इलेक्ट्रिक बस दौड़ती नजर आएंगी। जेसीटीएसएल ने गुरुवार को ट्रायल के तौर पर तीन बसों की शुरूआत की है। ये 9 और 12 मीटर लम्बाई की आधुनिक संसाधनों से लैस बसें है। जयपुर में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से शहर में वायु प्रदूषण कम होगा और डीजल पर होने वाला खर्च भी घटेगा। जबकि इन बसों से ध्वनि प्रदूषण भी कम होगा। ये बसें एक निजी कम्पनी चलाएगी, सरकार इस कम्पनी को प्रति किलोमीटर के हिसाब से भुगतान करेगी। जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड ने गुरुवार को 3 दिवसीय ट्रायल शुरू किया है। आधुनिक ई-बसों की तकनीकी क्षमता, बैटरी परफॉर्मेंस और यात्री सुविधाओं की जांच की जा रही है। ट्रायल सफल रहने पर जून तक 300 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल हो सकती है।

जयपुर में अग्रवाल फार्म से सुबह 11 बजे पहली ई-बस रवाना हुई। बसों को शहर के प्रमुख रूटों पर चलाकर उनकी लोड क्षमता, चार्जिंग क्षमता और संचालन की व्यवहारिक स्थिति को जांचा जा रहा है। जेसीटीएसएल के प्रबंध निदेशक नारायण सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार की ई-बस सेवा योजना के तहत राजस्थान को 1150 इलेक्ट्रिक बसें मिलनी हैं। इनमें से पहले चरण में 675 बसें आवंटित की गई हैं। जयपुर में पहले चरण में 150 बसें चलाई जाएंगी। इसके बाद 168 नई बसें और शामिल की जाएंगी। गुरुवार को 2 इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल रन शुरू हुआ है। शहर में बगराना और टोडी डिपो पर इन बसों के संचालन की तैयारी की गई है। शुरुआती चरण में दोनों डिपो को 75-75 बसें दी जाएंगी। जयपुर में संचालित होने वाली नई इलेक्ट्रिक बसों में पैसेंजर्स की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, ऑटोमेटिक दरवाजे और दिव्यांगजनों के लिए विशेष रैंप की सुविधा होगी। साथ ही बसों का सफर आरामदायक और शोर रहित होगा।

जयपुर में ई बसों के लिए दो जगह चार्जिंग डिपो बनाए जा रहे है। एक डिपो बगराना तो दूसरा टोडी में है। फिलहाल दोनों ही डिपो का काम अधूरा पडा है। बगराना के डिपो का काम मार्च में पूरा होने की संभावना है। टोडी के डिपो बनाने और सुविधाओं में कई अड़चन आ रही है।

जयपुर में ई बस सेवा के संचालन को लेकर केंद्र से सहायता राशि मिलेगी, बाकी राशि राज्य सरकार को वहन करनी पड़ेगी। केंद्र सरकार 9 मीटर की बस के लिए 22 तो वहीं 12 मीटर की बस के लिए 24 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से भुगतान करेगा। जेसीटीएसएल के प्रबंध निदेशक नारायण सिंह ने बसों का संचालन जीसीसी ग्रॉस कॉस्ट कांटेक्ट मॉडल पर किया जाएगा।

इसके तहत बसों की खरीद, संचालन और मेंटीनेंस निजी कम्पनी करेगी, जबकि सरकार इसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से भुगतान करेगी। बस के संचालन में करीब 70 रुपये प्रति किमी की लागत आ रही है। फिलहाल यह तय नहीं है कि बस संचालक को प्रतिकिलोमीटर पर कितने रुपये दिए जाएंगे। बसों में जनता से लिए जाने वाला किराया जेसीटीसीएल ही तय करेगी।

स्पीकर देवनानी ने श्रवण कुमार को बोलने से रोका तो विपक्ष ने किया सदन की कार्यवाही का बहिष्कार

- विपक्ष के भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही देर शाम आधे घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ गई
- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि ''अनुमति देकर कांग्रेस के सदस्य की बेइज्जती की गई, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।''

जयपुर (विसं)। विधानसभा में गुरुवार को अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार के बोलने की मंजूरी रद्द करने के मामले पर जमकर हंगामा हुआ। भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित करना पड़ा।

सभापति ने पहले श्रवण कुमार को बोलने की अनुमति दे दी, इसके बाद वे अनुदान मांगों पर बोलने लगे। इसी बीच स्पीकर वासुदेव देवनानी सदन में आए और श्रवण कुमार को बोलने से रोकते हुए कहा कि, ''मैंने पहले ही आपको आज मना किया था, आप 6 दिन से बोल रहे हैं, आपको बाद में बोलने की अनुमति दे देंगे, लेकिन आज नहीं। मैं अपने आदेशों की अवहेलना सहन नहीं करूंगा।''

इस घटना के बाद अनुदान मांगों पर बहस जारी रही। डग विधायक कालूराम बोल रहे थे, तभी नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए श्रवण कुमार के बोलने की अनुमति वापस लेने को गलत बताते हुए विधायक का अपमान बताया। इस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आपत्ति जताई। जूली ने कहा कि हम आप लोगों की मेहरबानी से नहीं है। अनुमति देकर सदस्य की बेइज्जती की गई, यह बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर इस तरह से ही दादागिरी से ही हाउस चलाना है तो चला लीजिए, यह तरीका नहीं होता। इस दौरान जमकर नोकझोंक हुई।

शाम को 7:27 पर विधानसभा की कार्यवाही फिर शुरू होने पर अनुदान मांगों पर बहस आगे बर। नाराज कांग्रेस विधायक सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके चले गए।

6 मार्च तक कामकाज तय

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवानी की अध्यक्षता में हुई कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में 6 मार्च तक का कामकाज तय किया गया है। विधानसभा में 28 फरवरी से लेकर 4 मार्च तक छुट्टी रहेगी। इसके बाद 5 मार्च को विधानसभा में जन विश्वास विधेयक और राजस्थान दुकान और वाणिज्य संशोधन बिल बहस के बाद पारित होंगे, 6 मार्च को डिस्टर्ब एरिया बिल पारित होगा।

हालांकि 2 से ज्यादा बच्चों वालों को पंचायतीराज और निकाय चुनाव लड़ने की बाध्यता हटाने वाले दो बिलों के पास होने का समय अभी तय नहीं हुआ है। बुधवार को ही कैबिनेट ने दोनों बिलों को मंजूरी दी थी।

'गौवंश के लिए 25 प्रतिशत बढ़ाया अनुदान'

जयपुर (विसं)। गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार गौशालाओं एवं नन्दीशालाओं को नियमित रूप से अनुदान उपलब्ध करा रही है। हमारी सरकार ने अनुदान राशि में 25 प्रतिशत वृद्धि की है। इसके बाद भी नियमानुसार राशि में वृद्धि की गई है। मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक हरलाल सहारण के पूरक प्रश्नों के जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि गौशालाओं को 9 व नन्दीशालाओं को 12 माह का अनुदान दिया जा रहा है। दिव्यांग एवं दृष्टिबाधित गौवंश के लिए 12 माह सहायता राशि दी जा रही है। इससे पहले मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गोपालन मंत्री ने बताया कि चूरू में 278 गौशालाएं पंजीकृत हैं। राजस्थान गौ-संरक्षण एवं संवर्धन निधि नियम, 2016 (संशोधित 2021) के अंतर्गत वित्त वर्ष 2016-17 से पात्र गौशालाओं में गौवंश को चारा-पानी एवं पशु आहार के लिए 270 दिवस सहायता राशि दो चरणों में दी जाती है। वर्तमान में बड़े गौवंश के लिए 50 रुपये तथा छोटे गौवंश के लिए 25 रुपये प्रतिदिन सहायता दी जा रही है।

मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि विभाग की अन्य योजनाओं के तहत भी पात्र गौशालाओं को आधारभूत परिसम्पत्तियों के निर्माण के लिए सहायता राशि देने का प्रावधान है।

शून्यकाल के दौरान विधायक ने की फोन पर बात

जयपुर (विसं)। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान उस समय हलचल की स्थिति बन गई, जब हनुमानगढ़ विधायक गणेशराज बंसल सदन की कार्यवाही के बीच मोबाइल फोन पर बात करते नजर आए। उस समय विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आसन पर मौजूद थे और सदन की कार्यवाही जारी थी। शून्यकाल के दौरान जब विभिन्न मुद्दों पर सदस्य अपनी बात रख रहे थे, तभी गणेशराज बंसल अपनी सीट पर बैठकर मोबाइल फोन पर बातचीत करते दिखाई दिए। इसे लेकर कुछ सदस्यों ने आपस में आपत्ति भी जताई। हालांकि इस दौरान अध्यक्ष की ओर से सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। सदन की कार्यवाही के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग को लेकर पहले भी समय-समय पर चर्चा होती रही है। संसदीय मर्यादा और आचार संहिता के तहत सदन में अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया जाता है। घटना को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा रही।

दुल्हन सौदेबाजी गिरोह का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उम्मीद लगी है कि गिरोह के कोलकाता, असम, बिहार, यूपी और झारखंड तक फैले नेटवर्क की कड़ियां जुड़ सकेंगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान पुलिस की सीआईडी अपराध शाखा विंग ने दुल्हन बेचने वाले अंतरराज्यीय सिंडिकेट के खिलाफ अपना शिकंजा करते हुए गिरोह के मुख्य सरगना भंवरलाल शर्मा की गिरफ्तारी के ठीक बाद सीआईडी टीम ने एक और कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी महावीर सुथार को जयपुर के मानसरोवर स्थित भारत माता सर्किल से दस्तयाब कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर बालोतरा पुलिस की ओर से दस हजार रुपये का इनाम घोषित है।

यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस बिपिन कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई। पुलिस अधीक्षक सीआईडी सीबी ज्येष्ठा मैत्रयी के सुपरविजन में गठित टीम के प्रभारी एसआई शैलेन्द्र शर्मा व सदस्य कांस्टेबल बृजेश शर्मा को सूचना मिली थी कि इस गैंग का सक्रिय सदस्य महावीर निवासी उनियारा टोंक जयपुर के मानसरोवर इलाके में छिपा है। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारत माता सर्किल पर जाल बिछाया और आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को बालोतरा से आई थाना गिड़ा पुलिस टीम के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, महावीर सुथार उस संगठित गिरोह का अभिन्न हिस्सा है, जिसने सितंबर 2023 में बालोतरा के मगाराम को फर्जी शादी के जाल में फंसाकर 2 लाख 50 हजार की ठगी की थी। आरोपी महावीर मुख्य सरगना भंवरलाल शर्मा और रहमत खां के साथ मिलकर सौदेबाजी और पीड़ितों को ब्लैकमेल करने का काम करता था। यह आरोपी पिछले काफी समय से अपनी पहचान बदलकर पुलिस को छका रहा था।

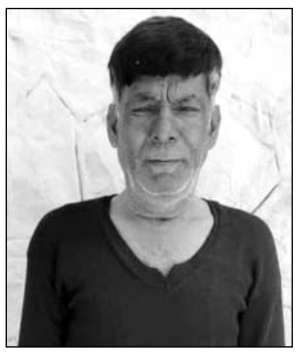

आरोपी महावीर सुथार

भंवरलाल और अब महावीर सुथार की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उम्मीद है कि इस गिरोह के कोलकाता, असम, बिहार, यूपी और झारखंड तक फैले नेटवर्क की कड़ियां जुड़ सकेंगी। यह गिरोह अब तक कितने कुंवारे लड़कों को अपना शिकार बना चुका है और कितनी लड़कियों की खरीद-फरोख्त की गई है, इस संबंध में अब बालोतरा पुलिस गहन पूछताछ करेगी। मगाराम केस में अब मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी हो चुकी है।

इस कार्रवाई में सीआईडी क्राइम ब्रांच स्पेशल टीम के उप निरीक्षक शैलेंद्र शर्मा और कांस्टेबल बृजेश शर्मा की विशेष भूमिका और सहायक उप निरीक्षक शंकर दयाल शर्मा, हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे इनामी अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत यह बड़ी सफलता है। टीम के तकनीकी विश्लेषण और फील्ड इंटेलिजेंस के कारण ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है।

सार-समाचार

जलभवन का घेराव की रणनीति बनाई

जयपुर (कासं)। प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक ने 13 मार्च को जयपुर स्थित जल भवन के घेराव की चेतावनी दी है। प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत व जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी के नेतृत्व में गुरूवार को तिलक नगर स्थित कार्यालय में हुई आम सभा यह निर्णय लिया गया। कर्मचारियों का कहना था कि जलदाय विभाग के निजीकरण और ओएंडएम के विरोध में यह आंदोलन होगा। बैठक में शामिल सैकड़ों कर्मचारियों ने कहा कि यह आंदोलन केवल कर्मचारियों के अधिकारों की लडाई नहीं, बल्कि जनता के जल अधिकारों की रक्षा का संघर्ष है। जलदाय विभाग का निजीकरण सीधे-सीधे कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षा पर हमला है जनता को महंगा और असुरक्षित पानी देने की साजिश है। वर्षों से खड़ी सार्वजनिक व्यवस्था को पूंजीपतियों के हवाले करने का षड्यंत्र है। जलदाय इंटक स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देता है कि जनता के पानी को मुनाफे की वस्तु नहीं बनने दिया जाएगा। यदि सरकार व विभाग ने निजीकरण और ओएंडएम का फैसला वापस नहीं लिया, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र, व्यापक एवं निर्णायक रूप लेगा।

कुलपति की नियुक्ति पर जवाब मांगा

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति पद पर नियुक्ति से जुडे मामले में विवि के चांसलर, रजिस्ट्रार और राज्य सरकार सहित कुलपति डॉ. सुमंत व्यास को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश डॉ. आरके बघेरवाल की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता दिनेश यादव ने अदालत को बताया कि राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विवि के चांसलर ने विवि में कुलपति नियुक्ति के लिए गत 23 अप्रैल को सर्च कमेटी का गठन किया। वहीं गत तीन मई को कुलपति की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया। वहीं चार सितंबर को डॉ. सुमंत व्यास को कुलपति पद पर नियुक्ति दी गई। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि यूजीसी की गाइड लाइन के अनुसार विवि से जुडा कोई भी व्यक्ति सर्च कमेटी में शामिल नहीं हो सकता। वहीं कुलपति पद पर नियुक्ति के लिए दस साल का शिक्षण अनुभव जरूरी है। याचिका में कहा गया कि सर्च कमेटी का अध्यक्ष त्रिभुवन शर्मा को बनाया गया, जबकि वे विवि के पशु पोषण विभाग के प्रोफेसर व हैड रख चुके हैं। इसके अलावा डॉ. सुमंत व्यास के पास दस साल का शैक्षिणक अनुभव नहीं है। ऐसे में जब सर्च कमेटी का गठन ही गलत है तो उसकी ओर से किया गया चयन भी अपने आप में गलत है। वहीं डॉ. सुमंत व्यास के पास तय अनुभव भी नहीं है। ऐसे में सर्च कमेटी के गठन को अवैध घोषित करते हुए कुलपति की नियुक्ति को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

पति को सजा, विवाहिता ने जान दी

जयपुर । हसनपुरा स्थित रैगर बस्ती में एक 21 वर्षीय विवाहिता ने चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। मृतका नीरू बंजारा आंधी के तागड़वाड़ा की निवासी थी और अपने पति मनीष कुमार जांगिड़ के साथ किराए के मकान में रह रही थी। पुलिस के अनुसार नीरू ने दिसंबर 2025 में अलवर निवासी मनीष कुमार जांगिड से प्रेम विवाह किया था। हाल ही में पति को सजा होकर जेल भेजे जाने की जानकारी मिलने पर वह अवसाद में आ गई थी। मरने से पहले उसने एक सुसाइड नोट लिखा। जिसमें स्वयं की इच्छा से आत्महत्या करने की बात कही है। गुरुवार दोपहर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया। कमरे में नीरू चुन्नी के फंदे से लटकी मिली।

यूजीसी के समर्थन में शक्ति प्रदर्शन

जयपुर । प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूजीसी) को लेकर जारी घमासान के बीच गुरुवार को राजधानी के शहीद स्मारक पर समर्थन में बड़ा प्रदर्शन हुआ। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी के नेतृत्व में एससी,एसटी और ओबीसी समाज के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के पक्ष में हुंकार भरी। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने का प्रयास किया। जिन्हें पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर रोका। शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। भीड़ ने मुख्यमंत्री आवास की ओर बढने की कोशिश की तो पुलिस के साथ उनकी हल्की झड़प भी हुई। कुछ कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़कर संगठन का झंडा लहराने लगे। जिन्हें पुलिस ने मशक्कत कर नीचे उतारा।

पशुधन बीमा योजना को लेकर विधानसभा में घमासान मचा

- 42 लाख के लक्ष्य पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में टकराव

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पशुधन बीमा योजना को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। कांग्रेस विधायक द्वारा पूछे गए सवाल पर पशुपालन मंत्री के जवाब से विपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ और देखते ही देखते मामला तीखी नोकझोंक में बदल गया। आरोप-प्रत्यारोप और तंज कसने के बीच सदन में हंगामे की स्थिति बन गई।

पूरक प्रश्न के दौरान हरीश चौधरी ने कहा कि पशुपालन मंत्री सीधे-साधे और सज्जन व्यक्ति हैं। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि बाड़मेर में गैर संवैधानिक पावर सेंटर उन्हें काम नहीं करने देते और पाली में भी दबाव की स्थिति रहती है। बाड़मेर में प्रभारी मंत्री है, वहां पर गैर सवैधानिक ताकते काम नही करने देते हैं। पाली में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ काम नहीं करने देते हैं। ऐसे में इन सीधे-साधे मंत्री को संरक्षण दिया जाना चाहिए।

हरीश चौधरी के इस बयान पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। मंत्री जोराराम कुमावत ने इसे गलत बताते हुए विरोध दर्ज कराया। संसदीय कार्य मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी संस्कृति का परिचय दे रही है। उन्होंने सवाल किया कि हरीश चौधरी को मंत्री पद से क्यों हटाया गया था।

हरीश चौधरी ने कहा कि उनके मूल सवाल का जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने पूछा कि राजस्थान में बीमा कंपनियों को कितना प्रीमियम दिया गया है और कितने पशुपालकों को वास्तविक लाभ मिला है।

इस पर मंत्री जोराराम कुमावत ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2023-24 में मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत दो दुधारू गाय-भैंस का बीमा करने की घोषणा हुई। महंगाई राहत शिविरों में करीब 1 करोड़ 10 लाख पशुपालकों से आवेदन लिए गए, लेकिन सिर्फ 1764 पशुओं का बीमा किया गया। 23 क्लेम दावे प्राप्त हुए, जिनमें से एक भी भुगतान पशुपालकों को नहीं हुआ।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के आने के बाद 7 लाख 33 हजार रुपए का भुगतान किया गया और अब व्यापक स्तर पर योजना को लागू किया जा रहा है। पशुपालन मंत्री ने बताया कि इस वर्ष 42 लाख पशुओं का बीमा करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 31 लाख 10 हजार 735 पशुओं का पंजीकरण किया जा चुका है और 16 लाख से अधिक पशुपालकों को पॉलिसी जारी कर दी गई है। शेष पशुओं का बीमा भी इसी वित्तीय वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने पूरक सवाल उठाते हुए कहा कि मार्च तक 42 लाख का लक्ष्य तय किया गया था, जबकि अब केवल एक महीना शेष है। उन्होंने सरकार से पूछा कि इतने कम समय में शेष लाखों पशुओं का बीमा कैसे किया जाएगा?

बहस के दौरान सरकारी मुख्य सचेतक भी बीच में बोलने लगे। जूली ने ऊंची आवाज में जवाब मांगा तो गर्ग ने कांग्रेस पर बदतमीजी का आरोप लगाते हुए कहा कि सदन में विनम्रता रखनी चाहिए, मंत्री किसी के गुलाम नहीं हैं। हंगामे की स्थिति बनती देख स्पीकर ने अगला सवाल पुकार लिया और माहौल को शांत करने की कोशिश की। हालांकि पशुधन बीमा योजना को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच आंकड़ों और दावों की जंग जारी रही।

इंडिया-यूएस ट्रेड डील के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

जयपुर (विसं)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर कांग्रेस ने विरोध तेज कर दिया है। गुरुवार को जयपुर में कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पार्टी का आरोप है कि यह डील किसानों और लघु उद्योगों के हितों के खिलाफ है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले ज्योति नगर स्थित परिसर में एकत्र हुए। उन्होंने पीएम टू कम्प्रोमाइज लिखी टी-शर्ट पहनकर और बैनर के साथ विधायकों ने अपने आवास से विधानसभा तक पैदल मार्च निकाला। मार्च विधानसभा पोर्च तक पहुंचा, जहां विधायकों ने सीढ़ियों के बाहर नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। उसके बाद कांग्रेसी विधायक सदन में भी पीएम टू कम्प्रोमाइज लिखी टी शर्ट पहनकर सदन की कार्यवाही में भाग लिया। टीकाराम जूली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि ट्रेड डील के बाद सोयाबीन और कपास के दामों में गिरावट आई है। उन्होंने आशंका जताई कि अमेरिका से कृषि और डेयरी उत्पादों के आयात बढ़ने पर राजस्थान के किसानों को नुकसान हो सकता है।कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री से इस समझौते की शर्तों को सार्वजनिक करने और डील पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की है। डोटासरा ने बताया कि 9 मार्च से राजस्थान में आंदोलन की शुरुआत होगी।

केन्द्रीय मंत्री के नाम पर फर्जी ओ.एस.डी. शासन सचिवालय में पहुंचा

- जयपुर, उदयपुर और राजसमंद में 3 दिन का वीआईपी प्रोटोकॉल और सुरक्षा मांगी
- सचिवालय प्रशासन की सतर्कता से फर्जीवाड़ा पकड़ में आ गया, जिसके बाद मामला दर्ज हुआ

जयपुर (कासं)। राजस्थान सचिवालय में उस समय हडकंप मच गया,जब भारत सरकार के एक केंद्रीय राज्य मंत्री के नाम पर फर्जी प्रोटोकॉल मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया। एक शातिर व्यक्ति ने खुद को सडक परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री का ओएसडी बता कर जयपुर, उदयपुर और राजसमंद में तीन दिन का वीआईपी प्रोटोकॉल और सुरक्षा मांगी। सचिवालय प्रशासन की सतर्कता से फर्जीवाड़ा पकड में आ गया, जिसके बाद अशोक नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी मोतीलाल शर्मा ने बताया कि सचिवालय के डिप्टी चीफ प्रोटोकॉल अधिकारी मानसिंह मीणा ने मामला दर्ज करवाया है कि 19 फरवरी को विभाग को एक पत्र मिला। जिसमें करण सिंह नाम के व्यक्ति ने खुद को केंद्रीय मंत्री का ओएसडी बताते हुए मंत्री के तीन दिवसीय राजस्थान दौरे का पूरा शेड्यूल भेजा था। पत्र में जयपुर में प्रवास के अलावा उदयपुर और राजसमंद (नाथद्वारा मंदिर) में दर्शन और मुख्यमंत्री से मुलाकात का भी जिक्र किया गया था।

जब प्रोटोकॉल विभाग को जब पत्र की सत्यता पर संदेह हुआ तो इसकी दिल्ली स्थित संबंधित मंत्रालय से पुष्टि की गई। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि करण सिंह नाम का कोई भी व्यक्ति मंत्री का ओएसडी है ही नहीं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसा कोई आधिकारिक दौरा तय नहीं किया गया है। विभाग की जांच में पूरा यात्रा कार्यक्रम फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी पद के दुरुपयोग और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब इस फर्जी ओएसडी की तलाश में जुट गई है।

ARBiT
it happens here...

Savor the Slice: Celebrating Khachapuri Day

Khachapuri Day, celebrated on February 27, is a delicious tribute to Georgia's iconic cheese-filled bread. This day invites food lovers to indulge in the warm, golden pastry, whether baked traditionally in a wood-fired oven or recreated at home. Beyond its cheesy goodness, Khachapuri represents culture, comfort, and culinary craftsmanship passed through generations. Celebrating this day is about more than just tasting, it's about sharing, experimenting with flavors, and appreciating the art of baking. From classic Imeruli to Adjarian boats with gooey eggs, Khachapuri Day is a perfect reason to treat yourself to a slice of Georgia's culinary heritage.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
27 February 2026
A-B

#HERITAGE

A Rolling Legacy

The Antique Pandaan of Nawabi Lucknow

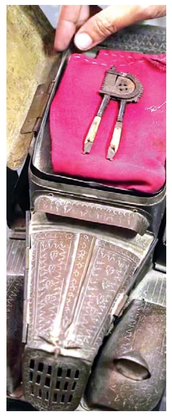

In the heart of Lucknow, a city renowned for its refined culture and artistic heritage, lies a treasure that tells a story far beyond its ornate exterior. Sheikh Aamir Raza, a proud descendant of Sheikh Abdur Raheem, the first Governor of Awadh appointed by Emperor Akbar, shares the tale of a remarkable family heirloom: a centuries-old antique pandaan. But this is no ordinary betel box.

A Glimpse into the Nawabi Era

Dating back to the Nawabi era, during the time when India was still under British rule, this pandaan is a fine example of the luxury and innovation that defined Lucknow's aristocratic households. It was more than a container for paan; it was a symbol of sophistication and a reflection of the evolving lifestyle of the time. What makes this artifact so unique is not just its age, but its unparalleled craftsmanship and inventive design. Shaped like a miniature truck, the pandaan is equipped with wheels, allowing it to be rolled back and forth on the floor, an elegant method of passing it around during mehfils or social gatherings.

Ingenious Design Features

Beyond its charming exterior lies a thoughtfully organized interior. The pandaan contains separate compartments for:

- **Sirautha-** the traditional spatula used to spread lime on betel leaves.
- **Paan-** fresh betel leaves, areca nuts, and other condiments.

What truly sets this piece apart, however, is its colonial-era innovations. It includes a:

- Dedicated matchbox slot
- Built-in cigarette box with a push-button mechanism that automatically dispenses a cigarette

Such features point to a time of cultural blending, where traditional Indian rituals coexisted with the modern influences brought by the British.

A Priceless Heritage

Today, this pandaan stands as a rare, priceless artifact, not only for its historical value but for the glimpse it offers into a bygone world, where tradition met technology, and luxury met functionality. Preserved lovingly by the descendants of a once-prominent noble family, it serves as a living connection to the grandeur and grace of Lucknow's Nawabi past.

As Sheikh Aamir Raza narrates the story, it's clear that this pandaan is more than just an object; it is a legacy on wheels, carrying with it the echoes of an era where art, culture, and ingenuity thrived in elegant harmony.

Halwa-i Suhan Or Sohan Halwa

Imagine my amazement, when in 2014, I found this piece of her family's lived and consumed history staring at me from cookbooks that revealed Mughal food practices. Persian language Mughal cookbooks extant from the Shah Jahan's reign onwards and those composed at the 18th and 19th century courts of Awadh, Bengal, Rampur and other regional kingdoms record multiple recipes for this brittle and crisp sweetmeat, rendered as halwa-i suhan and at times as halwa-i suhan.

• Kshema Jatuhkarna

My friend's maternal and paternal families migrated to Delhi from Multan during the Partition of India and Pakistan. Growing up, she was surrounded by living witnesses to that rupture: her grandfather's maternal grandmother, who passed away in 1985; her paternal great-grandfather; her maternal great-grandmother; and their acquaintances and friends.

They often recalled their journey on overcrowded trains to refugee colonies in Delhi and Haryana, including the loss of a sibling, a story my father's maternal aunt mentioned in passing several times, without wanting to delve into further details.

Though physically displaced, fragments and memories of Multan travelled with them. One being the language, Multani, or Sariki, as it is more commonly called today, which was actively spoken at home until her paternal great-grandfather, Lala Ji, passed away in 2007. And the other, a sweetmeat called *sohan halwa*, the spelling more commonly used today. However, I will refer to it as halwa-i suhan or suhan halwa for the reason that will become apparent shortly.

A quick Google search will tell you that Multan, alongside Sufis and pottery, remains synonymous with suhan halwa. Members of the Multani community displaced during Partition established many sweet shops across North India, including in Faridabad, where her grandparents eventually settled; in Gurgaon, now Gurugram, the city her parents moved to for work and where I grew up; and in Delhi.

My family often frequented these shops, especially the then-modest OM Sweets in Gurgaon, to procure our fix of suhan halwa. Some of these establishments made little else, as if preserving, in sugar, ghee, and wheat, memories and a sense of loss.

A discovery

Imagine my amazement, when in 2014, I found this piece of her family's lived and consumed history staring at me from cookbooks that revealed Mughal food practices. Persian language Mughal cookbooks extant from the Shah Jahan's reign onwards and those composed at the 18th and 19th century courts of Awadh, Bengal, Rampur and other regional kingdoms record multiple recipes for this brittle and crisp sweetmeat, rendered as halwa-i suhan and at times as halwa-i suhan.

This delicacy is a sensorial journey, with its very name imbued with tactile, visual and aural resonance. The term suhan, meaning a whetstone or file used to smooth wood, conjure the halwa's gritty fine-grained texture, its glimmering appearance, and the crackling, raspy crunch that shatters in the mouth, releasing a symphony of sweetness laced with hints of aromatics, nuts, and spices.

Today, simpler brittle (kadak) and flaky (papadi) variants, often made without expensive aromatics and spices, are sold across India, alongside its cousin, a softer, fudge-like version known as dodha. While using similar ingredients, dhoda employs a slightly different technique that stops short of the brittle stage, producing instead a chewy, dense texture.

> Today, simpler brittle (kadak) and flaky (papadi) variants, often made without expensive aromatics and spices, are sold across India, alongside its cousin, a softer, fudge-like version known as dodha. While using similar ingredients, dhoda employs a slightly different technique...

Different variants of suhan halwa, such as the khass or special and the flaky papdi types, recorded in Mughal cookbooks and the later 18th and 19th century culinary manuals that borrowed from them, were made using germinated wheat flour, refined flour, starch, ghee, honey, sugar, musk, rose petals, pine nuts, pistachios, almonds, chironjee and spices like nutmeg, mace, long tailed as well as the round black pepper and cinnamon.

The evidence marshalled above makes it abundantly clear that contrary to a popular narrative traceable to the 19th century, and canonised in John T Platt's *Urdu, Classical Hindi, and English Dictionary*, first published in 1884, this sweetmeat is not named after the imagined, mythical Sohan Lal halwai. Nor was it invented in a sweet shop in Old Delhi in 1790, during the reign of the Mughal emperor Shah Alam II, despite what Wikipedia would have you believe. Sweet makers in the elite kitchens of Delhi, Lahore, Multan, Lucknow, Rampur, Bengal, and Bihar had been feeding this almost toffee-like mithai to connoisseurs at least since the seventeenth century. Then, where does the origin of suhan halwa lie, and how did it become part of Multan's identity? Borrowing from historian Finbarr Barry Flood's approach to art and material history, a more nuanced way of investigating culinary history lies in tracing routes rather than roots. It is not always possible to pinpoint a single place or moment of invention for a food dish; recipes continually evolve as they pass through different hands and adapt to new ecological and regional contexts.

The story of suhan halwa is enmeshed in the broader processes, networks of exchange, and histories of mobile communities that shaped early modern Asia. This period, stretching from the fifteenth to the eighteenth century, was marked by intensified and sustained movement of people and ideas across South, West, and Central Asia, giving rise to a shared culinary heritage. Many dishes, including early forms of biryani and certain varieties of pulao and kebabs, travelled to Hindustan from the Iranian plateau during this period via different circuits and with different agents. Suhan halwa too followed a similar trajectory, albeit with a specific connection to Multan.

From Akbar's reign onwards, Multan was one of the largest Mughal subas (provinces), encompassing much of pre-Partition southern Punjab as well as parts of the Balochistan region. It bordered several other Mughal subas: Lahore and Kabul to the north, Thatta to the south, and Ajmer and Delhi to the east. To its west lay Qandahar, a region that remained a persistent point of contention between the Mughals and the Safavids, with the latter largely exercising effective control over this area and, beyond it, the remaining territories of the Safavid Iranian Empire.

In addition to being a major Sufi centre and province for the minting of Mughal coins, Multan was an important hub of agricultural production, textile manufacture, and tile-making, as noted by the historian Scott C Levi. Inhabited by both Muslim and Hindu merchants, Multan functioned as a significant entrepôt and transregional trade centre, occupying a crucial position along the overland caravan routes linking South Asia with Western, Northern, and Central Asia.

Early modern merchants, Sufi saints, and physicians from the Iranian plateau travelled through and spent considerable time in Multan on their journey to find suitable patrons in Mughal emperors and other courtly elite, imprinting their food habits and culinary techniques on the region's inhabitants. The networks of knowledge and material exchanges mediated by these mobile communities, especially the Hindustan-bound Iranian Sufis and physicians who passed via Multan, can be credited with suhan halwa becoming a part of the South Asian culinary repertoire.

Halwa was an important edible commodity for both these groups. For the Sufis, the ritual of offering halwa marked a new disciple's initiation into their silsila or brotherhood. Physicians regarded halwa as nourishing aliment because sweetness was the most balanced flavour profile according to the Yunani medical system, a detail I have explored in an academic journal article on Mughal culinary knowledge. These spiritual and medical reasons, combined with the firm consistency of suhan halwa that made it well suited for carrying over long distances, explain how and why this sweetmeat travelled from the Iranian plateau, found a home in Multan, and entered Mughal cookbooks and elite kitchens.

Texts produced in India attests to the belief in suhan halwa's curative properties. A 17th-century Mughal recipe for the suhan halwa follows up with the advice that eating a pau (about 250 grams) of suhan halwa every day was beneficial for health, as it alleviated 'wind,' one of the natural element that according to the Yunani and Ayurveda make up the human body. These medical systems link excess of wind in the body to flatulence, indigestion, lethargy and an imbalanced temperament.

Faith in the medicinal powers of suhan halwa was so widespread that the famous 19th-century poet Mirza Ghalib's sister-in-law packed some for his journey back to Delhi from Rampur, which he undertook while suffering from constipation. We also encounter examples that illuminate the enduring association of suhan halwa with ascetic figures and mystics. It features as a nourishing delicacy in the story of a dervish in Bagh-o-Bahar or the Tale of Four Dervishes, a work often incorrectly attributed to the celebrated 13th-14th-century Sufi poet Amir Khusrau but actually written in 1801 by Mir Amman Dehlvi. It is also mentioned in the 19th-century Urdu and English translations, produced in India, of the 10th-century Arabic work on metaphysics, *Rasa il Ikhwan al-Safa* (Epistles of the Brethren of Purity) composed in Iraq. In the 1801 Urdu translation, which served as the source for the 1869 English version, suhan halwa replaces the generic mention of halwa in the original text as a delicacy available to those who live a refined life, in contrast to animals that devour rinds and stones. While these legacies of Suhan halwa faded away with time, it continued to garner popularity and patrons. Among its famous patrons were the first prime minister of India and his father. In 1926, Motilal Nehru sent suhan halwa to his son Jawaharlal Nehru in Delhi from Chheoki, near Allahabad (now Prayagraj).

I have often contemplated putting together these archival traces that tell the story of suhan halwa, a sweet that binds early modern exchange networks, the Mughal culinary legacy, Partition, and the resilience of the displaced Multani community. Yet, I hesitated. Suhan halwa evokes not only delight but also absence; it carries the quiet weight of loss. It brings back memories of a bygone time when my great-grandfather, a playful prankster, would scare a young me with his dentures. What finally nudged me to confront grief and put these words to paper were old family photographs my father recently shared, images that, like the halwa itself, collapse distance and time, letting the past and present meet in a single, bittersweet moment.

rajeshsharma1049@gmail.com

> A 17th-century Mughal recipe for the suhan halwa follows up with the advice that eating a pau (about 250 grams) of suhan halwa every day was beneficial for health, as it alleviated 'wind,' one of the natural element that according to the Yunani and Ayurveda make up the human body.

#MITHAI

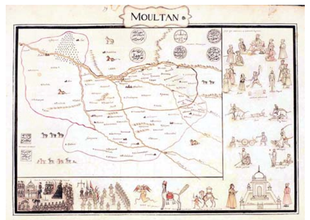

Suba of Multan, from the Album *Illustrating the Provinces of the Mughal Empire*, commissioned from local artists at Faizabad by Jean-Baptiste Joseph Gentil in 1770.

Sohan Halwa being sold near Deva Sharif Dargah in Barabanki.

Sohan Halwa being sold at a sweet shop near Deva Sharif Dargah in Barabanki.

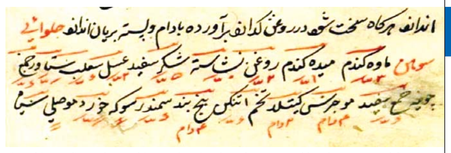

List of ingredients for making Halwa i-Suhan from a cookbook composed for Mughal emperor Alamgir Aurangzeb's kitchen.

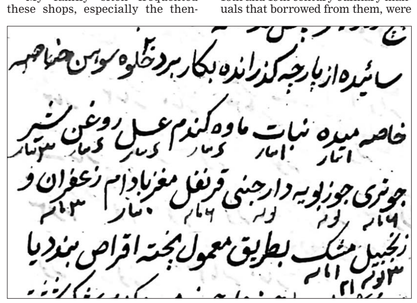

List of ingredients for making Halwa i-Suhan Khassa from a cookbook composed for Mughal emperor Alamgir Aurangzeb's kitchen.

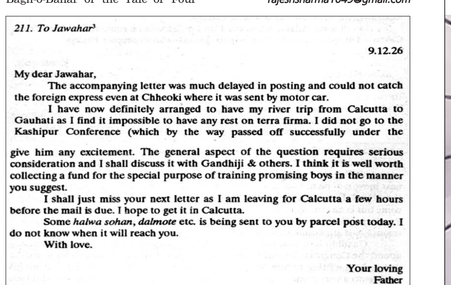

211. To Jawahar[1]

9.12.26

My dear Jawahar,

The accompanying letter was much delayed in posting and could not catch the foreign express even at Chheoki where it was sent by motor car.

I have now definitely arranged to have my river trip from Calcutta to Gauhati as I find it impossible to have any rest on terra firma. I did not go to the Kashipur Conference (which by the way passed off successfully under the give him any excitement. The general aspect of the question requires serious consideration and I shall discuss it with Gandhiji & others. I think it is well worth collecting a fund for the special purpose of training promising boys in the manner you suggest.

I shall just miss your next letter as I am leaving for Calcutta a few hours before the mail is due. I hope to get it in Calcutta.

Some *halwa sohan*, *dalmote* etc. is being sent to you by parcel post today. I do not know when it will reach you.

With love.

Your loving Father

Excerpt from a letter written to Jawaharlal Nehru by his father Motilal Nehru.

#STRANGE BEGINNINGS

'Bring Home The Bacon' But 'Boycott' The 'Hair Of The Dog'

The Curious Origins of Common English Phrases

We often use phrases like 'bring home the bacon' or 'hair of the dog' without a second thought. They roll off the tongue in everyday conversation, but their origins are anything but ordinary. Some come from history, others from folklore or odd traditions. Let's explore the intriguing stories behind three such expressions: bring home the bacon, boycott, and hair of the dog.

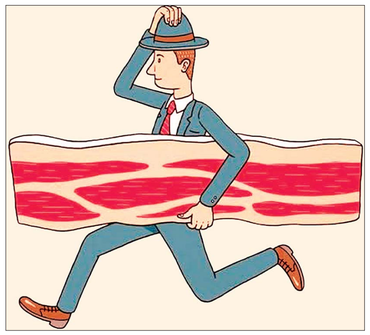

Bring Home the Bacon

Today, 'bring home the bacon' simply means to earn a living or support a household financially. But where did bacon come into this?

One of the oldest theories links this phrase to 12th-century England, where churches in the town of Dunmow, Essex awarded a side of bacon (a 'flitch') to any married man who could swear he had not quarreled with his wife for a year and a day. If he succeeded, he literally brought home the bacon as a reward for domestic harmony.

Another more modern theory comes from early 20th-century boxing. In 1906, after a fight, American boxer Joe Gans received a telegram from his mother encouraging him to 'bring home the bacon.' He won the match and the phrase gained popularity in sports reporting, and later, in general use. Regardless of its exact root, the phrase became a symbol of success, achievement, and financial provision.

Boycott

Unlike most idioms, 'boycott' has a very specific and traceable origin, and it comes from a man's name.

In 1880s Ireland, during a land dispute, Captain Charles Boycott, an English land agent, tried to evict Irish tenant farmers who demanded lower rents. In response, the community united against him. They refused to work for him, do business with him, or even speak to him. His isolation was so complete that journalists began using his name as a verb.

Soon, 'to boycott' meant to organize a collective refusal to engage, and the word quickly spread into common English usage. Ironically, Charles Boycott's legacy lives on in a word that symbolizes resistance and social action.

Hair of the Dog

This odd-sounding phrase, short for 'hair of the dog that bit you,' is commonly used to refer to the practice of drinking a small amount of alcohol to ease a hangover. But the origin is more literal and quite old.

In medieval times, people believed that if you were bitten by a rabid dog, the best cure was to apply a potion made from the hair of that same dog to the wound. The idea was that a bit of what harmed you could also heal you, a crude form of homeopathy. Though the medical theory doesn't hold up today, the metaphor endured. Over time, it came to refer not to dog bites, but to hangovers, suggesting that a bit of the same alcohol that 'bit' you might help ease the pain the next day. Whether that actually works is still debated, but the phrase has stuck. These three phrases, bring home the bacon, boycott, and hair of the dog, show how language evolves from unexpected places: village traditions, political resistance, and folk remedies. They remind us that even everyday expressions carry stories from the past, waiting to be uncovered in the words we speak today.

THE WALL

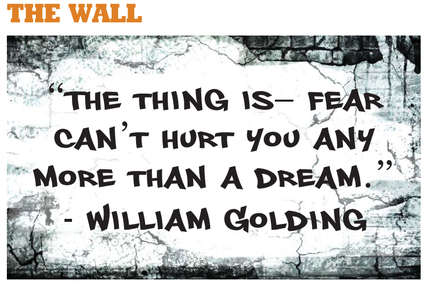

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

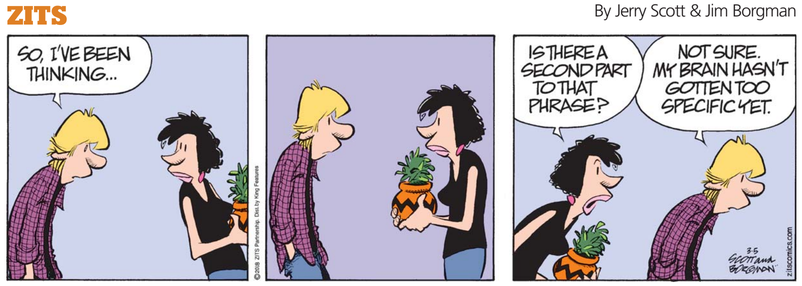

पावटा कस्बे में पागल कुत्ते (श्वान) ने 13 लोगों को काटा, तीन जयपुर रैफर

श्वान के आतंक के बाद लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए

- उपखंड अधिकारी ने नगरपालिका एवं चिकित्सा विभाग को कार्रवाई के दिए निर्देश
- घटना की जानकारी मिलते ही नगरपालिका की टीम को मौके पर भेजा है : ईओ फतेह सिंह

पावटा, (निसं)। कस्बे में उस समय दहशत का माहौल बन गया, जब एक पागल कुत्ते (श्वान) ने अलग-अलग स्थानों पर अचानक हमला कर 13 लोगों को काटकर घायल कर दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रभात कॉलोनी और नाई के मोहल्ले सहित कई स्थानों पर राहगीरों पर कुत्ते (श्वान) ने अचानक हमला कर दिया। शोर मचाने पर कुत्ता मौके से भाग गया, लेकिन तब तक कई लोग घायल हो चुके थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए। तीन घायलों घीसी देवी मीणा (60) निवासी भांकरी, विकास सिंह (40) निवासी पावटा, शांति देवी मीणा (72) निवासी पावटा की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर कर दिया गया।

उपजिला अस्पताल पावटा प्रभारी चिकित्सक रवि बंसल व डॉ. राजेश डूचानिया ने बताया, कुत्ते (श्वान) के काटने से घायल 13 मरीज अस्पताल लाए गए थे। सभी को आवश्यक उपचार और एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई है। तीन मरीजों को गहरे घाव और अधिक रक्तस्त्राव के कारण उच्च उपचार हेतु जयपुर के एसएमएस अस्पताल रैफर किया गया है। शेष मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उपखंड अधिकारी पावटा डॉ.साधना शर्मा ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा, कस्बे में पागल कुत्ते (श्वान) द्वारा कई लोगों को काटने की सूचना मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया है। नगरपालिका एवं चिकित्सा विभाग को तुरंत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में टीम भेजकर आवारा कुत्तों (श्वानों) को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आमजन से भी अपील है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध पशु की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। वही पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही नगरपालिका की टीम को मौके पर भेजा गया है। पागल कुत्ते (श्वान) को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रभावित इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है। आवारा कुत्तों की धरपकड़ एवं टीकाकरण अभियान को और तेज किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आमजन से सहयोग की अपील की जाती है।

कोटा में युवक की हत्या के तीन आरोपियों को पकड़ा

- आपसी रंजिश के चलते युवक की हत्या की थी

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा इलाके में युवक की हत्या के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गुमानपुरा थाना इलाके के कोटड़ी भोई मोहल्ला में आपसी रंजिश के चलते युवक धीरज उर्फ बिजली बादशाह की नृशंस हत्या कर दी थी।

शहर एसपी ने बताया कि हत्या के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप-अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में गुमानपुरा थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर संभावित स्थानो पर दबिश दी, पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए भोई मोहल्ला कोटड़ी निवासी पवन उर्फ बुड्ढा, भोई मोहल्ला निवासी ओमप्रकाश उर्फ गंजी, कोटड़ी भोई मोहल्ला निवासी रोहित उर्फ चिल्लू को गढ़ पैलेस चम्बल पुलिया के पास से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। मामले में पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान में सामने आया कि मृतक धीरज की आरोपी ओमप्रकाश से घटना के चार-पांच दिन पहले मोटरसाइकिल को साइड में लेने की बात को लेकर विवाद हुआ था, जिस पर मृतक धीरज ने आरोपी ओमप्रकाश के साथ मारपीट की थी, जिसका बदला लेने के लिये आरोपियों ने धीरज उर्फ बिजली बादशाह पर लोहे के पाइप व चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी।

शहर एसपी ने बताया कि 23 फरवरी को फरियादी ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दी थी, रिपोर्ट में कहा था कि उसका भाई धीरज उर्फ बिजली बादशाह और उसका दोस्त एक शादी में जा रहे थे, सामुदायिक भवन के पास 7-8 जने ओमप्रकाश, पवन, रोहित, तुषार, सुमित अन्य ने उसके भाई धीरज को रोककर लोहे के पाइप व चाकू से हमला कर दिया। हमले में उसके भाई धीरज की मौत हो गई थी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले में तीन आरोपियो की गिरफ्तारी की है। मामले में अनुसंधान जारी है।

जेवरात व नकदी चोरी : उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित रतनलाल पुत्र दलीचंद कुमावत निवासी मीरा नगर ओल्ड आरटीओ रोड़ ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि 25 फरवरी को रिश्तेदारी की मृत्यु होने पर मकान पर ताला लगा कर वहां गए थे। वापस लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी लेने पर सोने-चांदी के जेवरात व नकदी गायब थी।

भीलवाड़ा : मध्यप्रदेश के सीएम ने सनातन मंगल महोत्सव में शिरकत की

- 'संत समाज सनातन संस्कृति के जीवंत स्तंभ हैं, उनके माध्यम से समाज को देवत्व का साक्षात्कार होता है'

भीलवाड़ा, (निसं)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अमरता केवल जीवन की निरंतरता नहीं, बल्कि वंश, संस्कार और आस्था की अखंड परंपरा है। संतान केवल परिवार का विस्तार नहीं, बल्कि उस कुल की अमरता का प्रसाद होती है। सनातन संस्कृति हजारों वर्षों से ज्ञान, साधना और आध्यात्मिक चेतना की धारा के रूप में समाज को दिशा देती आई है। यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे की भावना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मानव और ब्रह्मांड में कोई अंतर नहीं है, दोनों एक ही चेतना के विस्तार हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को भीलवाड़ा के हरिशेवा धाम में आयोजित सनातन मंगल महोत्सव व दीक्षा दान समारोह में मौजूद समस्त संतों व श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि संत समाज सनातन संस्कृति के जीवंत स्तंभ हैं। उनके माध्यम से समाज को देवत्व का साक्षात्कार होता है। उन्होंने महाभारत का संदर्भ देते हुए कहा कि दिव्य दृष्टि हर किसी को नहीं मिलती, किंतु संतों के सान्निध्य में आस्था और श्रद्धा के माध्यम से ईश्वर की अनुभूति संभव है। ऐसे दिव्य व्यक्तित्वों का सान्निध्य स्वयं में आध्यात्मिक ऊर्जा का स्त्रोत है। मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री ने वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले में सभी श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशेष रूप से राजस्थान और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक एकता का उल्लेख करते हुए कहा कि रा से राजस्थान और म से मध्यप्रदेश को जोड़ें तो यह राम परंपरा की स्मृति को जागृत करता है। यह केवल भाषाई संयोग नहीं, बल्कि साझा आस्था, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों की सांस्कृतिक विरासत एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और भगवान राम की मर्यादा तथा सनातन मूल्यों से प्रेरित है। समारोह में सहकारिता विभाग के मंत्री गौतम दक, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, स्थानीय सांसद दामोदर अग्रवाल ने भी सनातन संस्कृति के विषय पर विचार व्यक्त किये। समारोह में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अन्य अतिथियों का उपरणा ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक राहगीर की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक राहगीर की मौत हो गई। गुरुवार सुबह कोवाडिया फला की कनिपा बस्ती के पास सड़क किनारे उसका शव मिला। पुलिस ने मृतक की पहचान कोवाडिया फला निवासी रतनलाल डामोर के रूप में की है।

धम्बोला थाने के एएसआई ने बताया कि गुरुवार सुबह उन्हें सूचना मिली थी कि कनिपा बस्ती के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से अज्ञात वाहन की आगे की लाइट के टुकड़े भी बरामद हुए हैं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि रतनलाल बीती रात घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। पुलिस ने शव को मौके से उठवाकर सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

फिल्म "यादव जी की लव स्टोरी" का अलवर में विरोध

अलवर, (निसं)। अलवर में फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के विरोध में यादव समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने 'यादव जी की लव स्टोरी नहीं चलेगी' तथा 'लव जिहाद बंद करो' जैसे नारे लगाए। जिला मुख्यालय स्थित मिनी सचिवालय पर यादव समाज के लोगों ने गुरुवार को यह प्रदर्शन किया। बाद में एडीएम सिटी को ज्ञापन सौंपा गया।

यादव समाज के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बताया कि 27 फरवरी को फिल्म यादव जी की लव स्टोरी रिलीज होगी। उनका आरोप है कि फिल्म में यादव समाज की लड़की के चित्रण से छवि खराब होती है और सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यादव समाज ऐसी किसी घटना से जुड़ा नहीं है, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। उन्होंने इसे समाज को बदनाम करने की कोशिश बताया। यादव समाज के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने चेतावनी दी कि यदि फिल्म अलवर में रिलीज हुई तो वे सिनेमाघरों में जाकर भी विरोध दर्ज कराएंगे।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि फिल्म में उनके सरनेम का उपयोग कर कहानी बनाई गई है, जिसे वे स्वीकार नहीं करेंगे। उनका कहना है कि यदि समाज पर फिल्म बनानी है तो ऐतिहासिक और वीरता से जुड़े विषयों जैसे महाभारत या रणगाथाओं पर बनाई जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फिल्म अलवर में रिलीज हुई तो वे सिनेमाघरों में जाकर भी विरोध दर्ज कराएंगे।

बताया गया कि इससे पहले टपूकड़ा क्षेत्र में भी इस फिल्म का विरोध हो चुका है। अलवर जिला मुख्यालय पर सैकड़ों लोग फिल्म के विरोध में एकत्रित हुए और प्रशासन से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की।

यादव समाज के लोगों ने मिनी सचिवालय पर प्रदर्शन किया।

बिल्डिंग गिरने के मामले में फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

- हादसे में कोचिंग छात्र एवं एक नाबालिग की मौत हो गई थी और कुछ जने घायल हो गये थे
- पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में तीन मंजिला रेस्टोरेंट की बिल्डिंग गिरने के दर्ज मामले में जवाहर नगर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद दाऊद को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर इलाके के इन्द्र विहार में ऑपेरा अस्पताल के सामने तीन मंजिला बिल्डिंग भरभराकर गिर गई थी, हादसे में कोचिंग छात्र एवं एक नाबालिग की मौत हो गई थी और कुछ जने घायल हो गये। शहर एसपी ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में अनुसंधान के बाद मुरादाबादी रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनीकी आधार व मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए घटना के बाद से ही फरार चल रहे आरोपी जिला रामपुर उत्तरप्रदेश हाल तलवंडी निवासी मोहम्मद दाऊद को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 7 फरवरी की रात्रि को जवाहर नगर इलाके के इन्द्र विहार में ऑपेरा अस्पताल के सामने स्थित रेस्टोरेंट की तीन मंजिला बिल्डिंग भरभराकर अचानक से धाराशाही हो गई थी। हादसे में कोचिंग छात्र व एक नाबालिग बालक की मौत हो गई थी एवं आठ जने घायल हो गये थे। पुलिस ने घटना के बाद मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

जोधपुर में विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के भदवासिया स्थित 80 फीट रोड पर रहने वाली एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुधवार की देर शाम उसका शव फंदे पर लटका मिला। पीहर पक्ष का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने हत्या कर शव को फंदे पर लटकाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को एमजीएच मोर्चरी पर रखवाया और गुरुवार सुबह उसका मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया। शादी को चार साल हुए थे। घटना को लेकर अग्रिम जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

थानाधिकारी मोहम्मद शफीक खान ने बताया कि जयमल नगर 80 फीट रोड भदवासिया निवासी कमल किशोर जोशी पुत्र रामरख जोशी ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसकी पुत्री 30 वर्षीय तर्पिता की शादी वर्ष 2022 अप्रेल में विद्यानगर, आरटीओ के पास बीजेएस निवासी धर्मेंद्र पुत्र रामलाल के साथ हिंदू-रीति रिवाज के साथ की गई थी। शादी के समय 20 तोला सोना और एक किलो चांदी के आइटम के साथ घरेलू सामान दिया गया था, मगर ससुराल पक्ष के लोग जिनमें सास सुमन देवी, जेठ महेंद्र, जेठानी नीतू, काकी ससुर लक्ष्मणराम एवं खुद पति धर्मेंद्र उसे दहेज कम लाने की बात को लेकर प्रताड़ित करते थे। चार साल शादी के बीच में दो तीन बार उसकी बेटी तर्पिता को कम दहेज के लिए मारपीट कर घर बदर भी कर दिया गया। बाद में समाज के लोगों द्वारा समझाइश कर उसे ससुराल भिजवाया गया। बेटा जन्म के बाद उसे दहेज मे कार की मांग रखी गई थी। कार नहीं दिलाए जाने पर उसे घर से निकाल दिया गया। बाद में उसकी बेटी तर्पिता को किराए के मकान में रखा गया जहां पर पति धर्मेंद्र उससे मारपीट करता और दहेज के प्रताड़ित करता था।

हिस्ट्रीशीटर व दो अन्य आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए थाने के हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू व दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 22 जनवरी को फरियादी ने थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि रात्रि के समय हाट रोड़ से अपने घर मोटरसाइकिल से जा रहा था, तभी सनसाईन होटल के पीछे वाली गली में तीन बाइक पर ईमरान उर्फ गोलू, आशु मलिक एवं दीपक चन्द्रेल ने उसको रोककर जान से मारने की नियत से उस पर लोहे के पाइप से जानलेवा हमला कर दिया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले मे फरार हमलावरो की तलाश के लिये भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने मुखबीर की सूचना व तकनीकी आधार पर कार्रवाई करते हुए हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये जगह-जगह दबिश दी। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी शातिर थे बार-बार स्थान बदलकर निवास कर रहे थे, पुलिस टीम ने लगातार प्रयास कर मामले में कार्रवाई करते हुए नेहरू नगर निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू (31), नेहरू नगर निवासी मोहम्मद आशिक मलिक (26) एवं राजीव नगर कच्ची बस्ती गणेशपुरा निवासी दीपक चन्देल (33) को पुराना पम्प हाऊस चम्बल ब्रिज के पास से डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में पकड़ा गया आरोपी मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू भीमगंजमंडी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। मामले में सामने आया कि फरियादी का आरोपियो से पूर्व में झगड़ा हुआ था और उसी रंजिश को लेकर आरोपियों ने फरियादी पर प्राणघातक हमले को अंजाम दिया था।

मुख्यमंत्री से रामगंजमंडी के धनिया व्यापारियों ने मुलाकात की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रामगंजमंडी (कोटा) के धनिया व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राज्य में धनिया उत्पादक किसानों के हितों, विपणन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने एवं मंडी शुल्क से जुड़े विषयों पर सुझाव साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि व्यापार को सुगम बनाने तथा कृषि मंडियों को अधिक सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए संकल्पित है। हमारा लक्ष्य है कि किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों को अधिकतम सुविधाएं प्रदान करते हुए कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रतिनिधिमण्डल के सुझावों का समुचित आकलन एवं परीक्षण के निर्देश दिए।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जोधपुर में गजसिंह ने ओरण बचाओ पदयात्रियों से मुलाकात की

जोधपुर, (निसं)। गजसिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ओरण व गोचर भूमि जिस उद्देश्य को लेकर रखी गई उसका संरक्षण व संवर्धन समय के साथ जरूरी है। गजसिंह ने गुरुवार को ओरण बचाओ पदयात्रियों की टीम से उम्मेद भवन पैलेस में मुलाकात के दौरान यह विचार व्यक्त किए।

गज सिंह ने इस अवसर पर ओरण बचाओ पदयात्रियों से उनके कार्यक्रम की जानकारी ली व बातचीत करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य जन भावनाओं, परंपराओं व जनहित से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि ओरण व गोचर भूमि, तालाब, प्राचीन कुएं, बावड़ियों का संरक्षण जनहित से जुड़ा है। ओरण व गोचर भूमि हमारी संस्कृति व परंपराओं से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओरण व गोचर भूमि को उसके परंपरागत उपयोग तक सीमित रखें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ओरण व गोचर भूमि पशुओं व वन्यजीवों के लिए जीवन यापन के लिए होती है, इसके उपयोग को देखते हुए इस भूमि का संरक्षण बना रहना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार जन भावनाओं के अनुरूप ही निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास के साथ ओरण व गोचर भूमि का संरक्षण अति आवश्यक है। गजसिंह ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा हाल ही में खेजड़ी की कटाई पर पूरी तरह से रोक के निर्णय को सही व उचित ठहराया। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा व संस्कृति में अनेक ऐसे वृक्ष हो जो पूजनीय व जन आस्था से जुड़े हुए हैं, जिनका संरक्षण जरूरी है। गजसिंह ने इस अवसर पर ओरण बचाओ पदयात्रियों से कहा कि उनके इस कार्यक्रम में उनका पूरा सहयोग रहेगा। उनके द्वारा जिस स्तर पर भी कोशिश करनी हो, की जाएगी। उनका विशेष सभी से जुड़ा हुआ विषय है।

गजसिंह ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाना चाहिए व उनका संरक्षण भी जरूरी है। हम सब की इसके लिए जिम्मेदारी बनती है, हर व्यक्ति इसमें भागीदारी निभाएं। संस्थाओं द्वारा निजी स्तर व सरकारी स्तर पर इसके लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में अपना योगदान दें।

उम्मेद भवन पैलेस में ओरण बचाओ जन जागरण अभियान के पदयात्री सुमेर सिंह सांवता के नेतृत्व में चतर सिंह जाम रामगढ़, झब्बर सिंह सोनू, भगवान सिंह नेतसी, भूपेंद्र सिंह भवाद, शक्ति सिंह पोपावास, धर्मवीर सिंह सांकड़ा , झब्बर सिंह सांखला व प्रेम सिंह मोहनगढ़ ने मुलाकात की । सभी ने महाराजा गजसिंह का सहयोग पर आभार व्यक्त किया ।

इस अवसर पर ओरण बचाओ पदयात्रा की अगुआई कर रहे सुमेर सिंह सांवता ने बताया कि ओरण बचाओ जनजागरण पदयात्रा 21 जनवरी को जैसलमेर के मातेश्वरी तनोट राय मंदिर से जयपुर के लिए रवाना हुई है। तीन दिन तक जोधपुर में पदयात्रियों ने जगह-जगह संपर्क किया। गुरुवार को पदयात्रा जोधपुर से आगे के लिए रवाना हो गई। उनकी मुख्य मांग यह है कि ओरण व गोचर भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में सरकारी भूमि के स्थान पर ओरण व गोचर भूमि के नाम से दर्ज की जाए।

जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में गजसिंह ने ओरण बचाओ पदयात्रियों की टीम से मुलाकात कर चर्चा की।

- ओरण व गोचर भूमि, तालाब, प्राचीन कुएं, बावड़ियों का संरक्षण जनहित से जुड़ा है : गजसिंह
- 'ग्रामीण क्षेत्र में ओरण व गोचर भूमि पशुओं व वन्यजीवों के लिए जीवन यापन के लिए होती है, इसके उपयोग को देखते हुए इस भूमि का संरक्षण बना रहना चाहिए'
- गजसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा हाल ही में खेजड़ी की कटाई पर पूरी तरह से रोक के निर्णय को सही व उचित ठहराया

एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से चोरी की गई तीन बाइक बरामद की है। सायरा थानाधिकारी कानाराम के नेतृत्व में गठित दल ने प्रकरण में आरोपी प्रकाश पुत्र नकाराम को प्रोडक्शन वारंट जरिये गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी की गई बाइक के अलावा दो अन्य बाइक बरामद की।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के भैरूपुरा गांव को विस्थापित करने की तैयारी पूरी

- टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में बसे अन्य तीन गांवों के स्वैच्छिक विस्थापन की भी प्रक्रिया तेज
- 208 में से 80 परिवारों ने भरा नकद राशि का पैकेज, जल्दी ही जारी होगी पहली किश्त

बूंदी, (निसं)। रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के कोर-1 में बसे भैरूपुरा गांव के विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वन विभाग व जिला प्रशासन ने गांव के सर्वे की सूचियां जारी करने के साथ ही ग्रामीणों से स्वेच्छिक विस्थापन के लिए विकल्प फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गांव के 208 में से अब तक करीब 80 परिवारों ने नकद राशि का विकल्प वन विभाग को दिया है, जिनकी जांच चल रही है और जल्दी ही पहली किश्त के रूप में तीन लाख रुपये खातों में डाले जायेंगे। इसके बाद विस्थापन की अन्य औपचारिकताएं पूरी कर दूसरी किश्त के रूप में साढ़े सात लाख रुपये खातों में ट्रांसफर किए जाएंगे। शेष साढ़े चार लाख रुपये की एफडी करवाई जाएगी। इसी प्रकार खटकड़ के भीमगंज व बाड़ा घूंधला आबादी को भी टाइगर रिजर्व से विस्थापित करने की कार्रवाई शुरू हो गई है। दोनों गांवों के भी विकल्प फॉर्म भरने शुरू हो गए हैं।

गुलखेड़ी के 2 परिवार नहीं छोड़ना चाहते गांव :-टाइगर रिजर्व के गुलखेड़ी गांव को सबसे पहले विस्थापित किया जा रहा है जहां से 162 परिवार पूरी तरह गांव छोड़ चुके हैं। गुलखेड़ी में अभी भी 51 परिवार रह रहे हैं, जिन्हें भूमि पैकेज का इंतजार है। इनमें से 33 परिवार ऐसे भी है, जिन्हें प्रथम किश्त का भुगतान कर दिया, लेकिन अभी तक उन्हें विस्थापित नहीं किया जा सका है। गुलखेड़ी में दो परिवार ऐसे भी है, जिन्होंने विस्थापन का विकल्प नहीं भरा और गांव में ही रहना चाहते हैं।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के कोर-1 में अभी 8 गांवों में करीब दो हजार परिवार निवास कर रहे हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से जंगल से बाहर बसाने की योजना है। जिनमें जैतपुर रेंज में एक गांव भीमगंज व रामगढ़ रेंज में शेष 7 गांव आते हैं, जिनमें केशवपुरा, भैरूपुरा, गुढ़ा मकदू, जावरा, जावरा की झोपड़ियां, गुलखेड़ी व बाड़ा घूंधला शामिल हैं। इन आठ गांवों में से अभी तक केवल गुलखेड़ी को ही आंशिक रूप से विस्थापित किया जा सका है।

रामगढ़ विषधारी के कोर क्षेत्र में बसे 8 गांवों का विस्थापन स्वेच्छिक प्रक्रिया है, जिसमें ग्रामीणों को केश या भूमि पैकेज चुनने की आजादी है। केश पैकेज में प्रति परिवार तीन किश्तों में 15 लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है, जिनमें साढ़े चार लाख की एफडी शामिल है। भूमि पैकेज में खाते की जमीन के अतिरिक्त जमीन की सिंचित या असिंचित किस्म के आधार पर करीब एक से डेढ़ हेक्टेयर जमीन व 3 लाख 70 हजार रुपये देने का प्रावधान है। जो काश्तकार वर्तमान में गांव में निवास नहीं करते, लेकिन विस्थापित होने वाले गांव में खाते की जमीन है तो उन्हें नगरीय सीमा से दूरी के अनुसार डीएलसी दर से अधिक राशि का भुगतान किया जाएगा।

अरुण कुमार डी, उपवन संरक्षक एवं उपक्षेत्र निदेशक, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (कोर) बूंदी के अनुसार टाइगर रिजर्व के कोर-1 में बसे गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है। भैरूपुरा गांव के जो प्रस्ताव प्राप्त हुए है उन्हें प्रथम किश्त का भुगतान जल्दी ही करने का प्रयास कर रहे हैं।

संक्षिप्त

रोबोटिक सर्जरी पर जानकारी दी

भरतपुर। श्री जगन्नाथ पहाडिया मैडीकल कालेज भरतपुर एवं महात्मा गांधी हॉस्पीटल जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में भरतपुर स्थित होटल कदम कुंज में एक सी.एम.ई. का आयोजन किया गया जिसमें कि जयपुर महात्मा गांधी हॉस्पीटल के डॉक्टर नीलकमल गुप्ता सीनियर प्रोफेसर एवं यूनिट हैड लेप्रोस्कोपिक सर्जन एवं रोबोटिक सर्जन के द्वारा वर्तमान समय में नई तकनीक रोबोटिक सर्जरी के बारे में बताया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का प्रारम्भ भगवान गणेशजी की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में श्री जगन्नाथ पहाडिया मेडीकल कालेज भरतपुर के सर्जरी विभाग के डॉक्टरों एवं भरतपुर के कई वरिष्ठ सर्जन डॉक्टरों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अन्त में जे.एस. सिसोदिया द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

शिविर का आयोजन

कोटपूतली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोटपूतली-बहरोड़ सचिव डिम्पल जंडैल के निर्देशन में ग्राम भैंसलाना व सुजातनगर स्थित विद्यालयों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी व साईबर क्राईम जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों व ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों, ऑनलाईन ठगी व साईबर अपराध से बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में पीएलवी संजय जोशी व बबीता जांगिड़ ने युवाओं को संबोधित करते हुये कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार व समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और दूसरों को भी जागरूक करें।

27 फरवरी को निशान पद यात्रा से निकलेगी

मनोहरपूर। श्री श्री 1008 श्री किशन दास जी महाराज एवं श्री श्री 108 श्री साधुदास जी महाराज के आशीर्वाद से श्री श्री 1008 श्री छबीले शरण देवाचार्य जी महाराज श्री ऋषिकेश द्वाराचार्य पीठाधीश्वर जोहड़ा धाम छारसा की अनुकम्पा से श्री सिद्ध बाबा आश्रम धवहाली धाम पर शनिवार, दिनांक 28 फरवरी 2026 को विशाल मेला लगेगा। साधु सुदामा दास ने बताया कि आपको यह जानकर हर्ष होगा कि श्री सिद्ध बाबा धवाली आश्रम में हर वर्ष कि भाति इस वर्ष भी प्रात: स्मरणीय महात्मा श्री किशनदास जी महाराज एवं श्री साधुदास जी महाराज व श्री रतनदास जी महाराज की तपोस्थली धवहाली धाम पर विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें अधिक से अधिक संख्या में पधारकर महाराज के दर्शन लाभ प्राप्त करें एवं अपने जीवन को सफल बनावें।

फागोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। कीर कॉलोनी में स्थित दिव्य महादेव मंदिर में श्री कृष्णा सखी महिला मंडल के तत्वावधान में फागोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। फागोत्सव का शुभारंभ महेश दरगड ने गणेश वंदना के साथ किया। मंडल अध्यक्ष आशा जैन ने बताया कि फागोत्सव को लेकर सर्वप्रथम भोलेनाथ का पूजन कर श्रृंगार किया गया। फाग के गीतों पर महिला कार्यकर्ताओं ने जमकर नृत्य किया। अंत में महाआरती करके प्रसादी वितरित की गई।

खाटु श्याम जी के लिए पदयात्रा रवाना

मनोहरपूर। चक मनोहरपुर ठाकुर जी के मन्दिर से खाटु श्याम जी के लिए 20 वी पदयात्रा रवाना हुई स्थानीय निवासी रामकुंवार यादव ने बताया कि 20 वी पदयात्रा चक मनोहरपुर के ठाकुर जी मंदिर से सोमवार को डिजे के साथ रवाना हुई और रास्ते में श्याम प्रेमियों ने जगह जगह अल्पाहार ओर भोजन की व्यवस्था की पदयात्रा श्याम दरबार में बुधवार को पहुंचेगी।

वार्षिकोत्सव शनिवार को

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम हांसियावास स्थित भोमिया जी की बणी में शनिवार को बाबा भोमियां जी महाराज एवं गुरु गोरक्षनाथ का 17 वां वार्षिकोत्सव व विशाल भंडारा आयोजित किया जायेगा। गुर्जर महापंचायत यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष एड. सीताराम गुर्जर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 10 बजे नेहड़ा पूजन से होगी, जिसके बाद 11 बजे से विशाल भंडारा शुरू होगा।

'शौचालय विहिन विद्यालयों में एक माह में शौचालय तैयार कर शुरू कराए जाएं'

■ जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक में दिए अधिकारियों को निर्देश

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने गुरुवार मिनी सचिवालय सभागार में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में डीएमएफटी फण्ड, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, एमजेएसए, जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत प्रगतिरत कार्यों को 31 मार्च से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिये गए।

जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने निर्देश दिये कि जल संचय जन भागीदारी अभियान के तहत आगामी दो माह में जिले में 25 हजार वर्षा जल संग्रहण स्ट्रक्चर बनाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को पूर्ण करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में वर्षाजल संग्रहण हेतु 100-100 स्ट्रक्चर बनाने के प्रस्ताव तत्काल तैयार कर कार्य शुरू करें।

उन्होंने ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले के 37 शौचालय विहिन बालिका विद्यालयों एवं शौचालय विहिन 65 आंगनबाडियों में एक माह में शौचालय बनाने के साथ उन्हें चालू कराने के निर्देश दिये है। उन्होंने पीएम आवास योजना के तहत विगत दो माह में 500 से अधिक आवास तैयार कर उनमें गृह प्रवेश कराने पर ग्रामीण विकास की टीम की सराहना कर निर्देश दिये कि शेष आवास के कार्यों को 31 मार्च तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

अलवर मिनी सचिवालय पर समीक्षा बैठक लेते जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला।

उन्होंने समस्त विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपखण्ड अधिकारी से समन्वय कर खेल मैदानों पर हो रहे अतिक्रमण को चिन्हित कर 30 जून तक हटवाने की कार्रवाई पूर्ण करें। इसी प्रकार स्वच्छ भारत मिशन में व्यक्तिगत शौचालयों एवं सामुदायिक स्वच्छता कॉम्पलेक्स की प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि शेष प्रगतिरत कार्य को 31 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।

उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी उत्थान योजना की गाइडलाइन का अध्ययन कर इसके प्रावधानों के अनुरूप अप्रेल माह तक नए कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर भिजवाएं। उन्होंने डीएमएफटी योजना के तहत 29 करोड रूपये की राशि से 161 कार्य स्वीकृत किए गए कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि 31 मार्च तक सभी कार्य पूर्ण करा लिए जावे।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, सांसद एवं विधायक निधि कोष, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना,एमजेएसए सहित विभाग में संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेकर बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करावे।

सार-समाचार

श्रीगंगानगर में डॉ. सतीश पूनियां ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया

जयपुर/श्रीगंगानगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अथक मेहनत कर रहे हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हमें बिना थके और बिना रुके काम करने वाला प्रधानसेवक मिला है। यह बातें डॉ. सतीश पूनियां ने अपने हनुमानगढ़- श्रीगंगानगर जिलों के प्रवास के दौरान विभिन्न स्थानों से लेकर भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित राजस्थान बनाने के लिये विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सौगात दे रहे हैं और इस ऐतिहासिक अवसर पर हम सब वहां उपस्थित रहकर राष्ट्र एवं प्रदेश की उन्नित के साक्षी बनें। श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय पर दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में जोडने के लिये प्रतिबद्ध श्री जगदंबा अंध विद्यालय पहुंचकर संस्था संस्थापक परम श्रद्धेय स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को पद्मश्री सम्मान मिलने पर सतीश पूनियां ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी, श्रीगंगानगर भाजपा जिला अध्यक्ष शरणपाल सिंह, हनुमानगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू,बलवीर विश्नोई, श्रीगंगानगर पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह सोढ़ी, आत्माराम तरड, बहादरचंद नारंग, विधायक जयदीप बिहानी, पूर्व सांसद शंकर पन्नू, पूर्व विधायक संतोष बावरी, पूर्व चेयरमैन मनीष कौशल, डॉ. बृजमोहन सहारण, लोकसभा प्रत्याशी प्रियंका बैलान, जिला मीडिया प्रभारी श्रीचंद चौधरी, पूर्व सभापति श्याम धारीवाल,महेश पेडीवाल इत्यादि पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गणमान्य लोग व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सांभर झील में बर्ड फेस्टिवल आज से

सांभर झील में 27 फरवरी को भव्य सांभर बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। देश-दुनिया में अपने विशिष्ट खारे स्वाद और अनूठी वेटलैंड पारिस्थितिकी के लिए प्रसिद्ध सांभर झील एक बार पुन: पक्षी प्रेमियों, विद्यार्थियों, पर्यटकों एवं स्थानीय समुदाय के स्वागत के लिए तैयार है। वन विभाग द्वारा सांभर झील के कोच्या की ढाणी स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर परिसर में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य झील की समृद्ध जैव विविधता, वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र तथा यहां प्रतिवर्ष आगमन करने वाले प्रवासी पक्षियों के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। महोत्सव में तकनीक और परंपरा का विशेष संगम देखने को मिलेगा। नई पीढ़ी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग द्वारा विभिन्न थीम आधारित स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें दूरबीन, कैमरा, स्पॉटिंग स्कोप एवं ड्रोन की सहायता से बर्ड वॉचिंग का अनुभव कराया जाएगा। सांभर क्षेत्र की दुर्लभ पक्षी प्रजातियों एवं उनके जीवन चक्र पर आधारित फोटो प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। झील में नमक उत्पादन की पारंपरिक प्रक्रिया का लाइव डेमो प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे आगंतुकों को स्थानीय आजीविका एवं विरासत की जानकारी मिल सके।

सांभर की बेटियों ने पिता के अंतिम संस्कार की रस्म निभाई

सांभरझील। जयपुर ग्रामीण मरुधरा बैंक सांभर में पदस्थापित रहे पूर्व प्रबंधक व कायस्थ समाज के पूर्व सचिव आलोक कुमार जोहरी का गुरुवार को देहरादून में निधन हो गया। पिछले 5-6 दिनों से अचानक उनके स्वास्थ्य में गिरावट आती चली गई और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया लेकिन तबीयत बिगड़ती चली गई। उन्हें वेंटिलेटर पर भी रखा गया लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। देहरादून के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार से मिली जानकारी के अनुसार वे कुछ समय से अपनी बेटी के पास गए हुए थे। उनकी पार्थिव देह को देहरादून से सांभर लाया गया। उनकी शव यात्रा में बेटी अर्पिता व अर्जिता ने कांधा दिया। बड़ी बेटी ने जैसे ही अपने पिता को मुखाग्नि दी दोनों बेटियां व मौजूद लोग भावुक हो गए अंतिम संस्कार के दौरान कास्ट समाज के अध्यक्ष युगराज माथुर, शोभित सक्सैना, वकील रतनलाल जाट, राहुल वीर गुर्जर, दरबार स्कूल के प्रिंसिपल टीकमचंद मालाकार,अखिलेश माथुर, रूपनारायण शर्मा सहित उनके परिवार के अनेक सदस्यों की मौजूदगी रही।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

चौमूं / कालाडेरा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके जयपुर स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने चौमूं विधानसभा क्षेत्र के विकास और बुनियादी ढांचे को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। मुलाकात के दौरान रामलाल शर्मा ने विशेष रूप से चौमूं से दूदू (महला) हाईवे की चौड़ाई बढ़ाने का मुद्दा प्रमुखता से रखा। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि बजट एवं डीपीआर: बजट वर्ष 2024-25 में इस सड़क की डीपीआर तैयार करने हेतु 2 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई थी, जिसका कार्य अब पूर्ण हो चुका है। पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि यदि तकनीकी कारणों से पूरी सड़क को एक साथ स्वीकृत करना संभव न हो, तो प्रथम चरण में चौमूं से रेनवाल तक के मार्ग के लिए बजट स्वीकृति की घोषणा की जाए। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र की अन्य मुख्य सड़कों के नवीनीकरण, रिपेयरिंग और चौड़ाई बढ़ाने की भी मांग रखी ताकि आमजन को सुगम यातायात की सुविधा मिल सके।

पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी दी

निवाई। शैक्षिणक गतिविधियों के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान को बढावा देने के उद्देश्य से वंशिका पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शैक्षिणक भ्रमण के तहत पुलिस थाने का अवलोकन किया। स्कूल के निदेशक विमलेश गौतम के नेतृत्व में आयोजित इस भ्रमण के दौरान लगभग दो दर्जन विद्यार्थियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली एवं समाज में पुलिस की भूमिका की जानकारी ली। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने विद्यार्थियों को पुलिस थाने की गतिविधियों से अवगत करवाया। छात्र-छात्राओं ने थानाधिकारी कार्यालय, जेलखाने, मालखाना थाने में संचालित मेस का अवलोकन किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पुलिस थाने के आधुनिक उपकरणों एवं रिकॉर्ड संधारण की प्रक्रिया की भी उत्साहपूर्वक जानकारी ली। थानाधिकारी मीणा ने छात्र-छात्राओं को उनके विधिक अधिकारों एवं कानून की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि पुलिस आमजन की सुरक्षा एवं सहायता के लिए तत्पर रहती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं में अनुशासन एवं कानून के प्रति सम्मान की भावना जगाने के लिए यातायात नियमों की पालना करने का आ ान किया। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और बिना लाइसेंस वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी।

होली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

कोटपूतली। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विष्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र पर गुरूवार को होली के पावन अवसर पर होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन आध्यात्मिक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी बीके लक्ष्मी बहन ने होली का आध्यात्मिक महत्व बताते हुये कहा कि होली का सच्चा संदेश हैं कि मनुष्य अपने जीवन से क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या जैसी बुराईयों को समाप्त कर प्रेम, शांति व सद्गुणों को धारण करें। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जीवन अपनाने से मनुष्य का जीवन सुखी, सरल और तनावमुक्त बन सकता है। समारोह के दौरान भाई-बहनों के लिये विभिन्न प्रकार के मनोरंजक एवं प्रेरणादायक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में इत्र एवं गुलाब के फूलों से एक-दूसरे को होली की शुभकामनायें देकर स्नेहपूर्ण वातावरण में होली मनाई गई। सेवा केंद्र पर निवासरत बहनों ने भी सभी भाई-बहनों को होली की हार्दिक शुभकामनायें दीं तथा सभी के सुख, शांति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाई-बहनों की उपस्थिति रही तथा सभी ने कार्यक्रम की सराहना की।

सेवा शिविर शुरू

शाहपुरा। शाहपुरा नगर परिषद स्टाफ ने खाटूश्याम बाबा के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए त्रिवेणी रोड़ पर सेवा शिविर शुरू कर पदयात्रियों और श्याम भक्तों के लिए जलपान व्यवस्थाएं प्रदान कर रहा है। शिविर में टीम के सदस्यों द्वारा भक्तों को पेयजल, प्रसाद और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने यहां पहुंचकर इन सेवाओं का लाभ उठाया और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि खाटू श्याम पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसी उद्देश्य से यह सेवा शिविर स्थापित किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रा अवधि तक भक्तों की सेवा लगातार जारी रहेगी और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इस सेवा कार्य में युवाओं और ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया है। आयोजकों का कहना है कि ऐसे सेवा कार्य समाज में सहयोग और मानवता का संदेश देते है।

प्रधानमंत्री की अजमेर यात्रा को लेकर बैठक आयोजित

टोंक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित अजमेर यात्रा, संगठन संरचना सघन पुनरीक्षण एवं पंचायतीराज राज चुनाव एवं वीबी जीरामजी अभियान के संबंध में भाजपा बरवास मंडल की बैठक गुरूवार को खरेडा स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि बैठक का उद्देश्य ऊर्जा, उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता से प्रधानमंत्री की सभा को यादगार बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मंडल के प्रत्येक गाँव से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया तथा संगठन की शक्ति को जनसमर्थन में परिवर्तित करने पर जोर दिया। उन्होंने संगठन विस्तार, कार्यकर्ता समन्वय और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अजमेर दौरा राजस्थान के लिए गौरव का विषय है, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में उत्साहपूर्वक शामिल होकर इसे सफल बनाये।

भाजपा बरवास मंडल की बैठक गुरूवार को खरेडा स्थित बालाजी मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर,शैलेंद्र चौधरी, जिला मंत्री रामकिशन गुर्जर, मंडल अध्यक्ष सुरेश काचरिया सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव के निकट खुले शराब ठेके का विरोध

भरतपुर। रूपवास क्षेत्र के भरतपुर मार्ग स्थित जरैला गांव से सटे दौरदा मार्ग पर कंटेनर में संचालित शराब ठेके का विरोध कर महिलाओं ने शराब ठेके में आग लगा दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जरैला गांव के निकट दौरदा मार्ग पर एक कंटेनर में शराब का ठेका संचालित था। जिसको लेकर कई बार जरैला गांव की महिलाओं ने इसे बंद करवाने का प्रयास किया। लेकिन असफल रहीं। जिससे इनका विरोध बढ़ता गया। इसी के चलते यह महिलाएं, युवतियां व युवक ठेके का विरोध करने कंटेनर में संचालित शराब ठेके पर पहुंच गए। इस दौरान कंटेनर के अंदर सेल्समैन बनवारी लाल मौजूद था। बनवारीलाल ने बताया कि काफी संख्या में आई महिलाओं ने ठेके का विरोध कर हंगामा किया। साथ ही इसमें आग लगा दी। मैं बड़ी मुश्किल से इसके अंदर से जान बचाकर भागा।

ग्रीष्मकाल में पेयजल आपूर्ति की तैयारियां रखें पूर्ण : कलेक्टर

■ बैठक में जिले में संचालित पेयजल परियोजनाओं की प्रगति, जल सेवा आंकलन, हर घर जल लक्ष्य एवं आगामी ग्रीष्मकालीन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की

कोटपूतली। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की मासिक समीक्षा बैठक गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित पेयजल परियोजनाओं की प्रगति, जल सेवा आंकलन, हर घर जल लक्ष्य एवं आगामी ग्रीष्मकालीन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। आगामी ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुये जिला कलक्टर ने खराब ट्यूबवेल, जल टंकियों की लीकेज, पम्पसैट आदि की जांच के लिये सर्वे कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल में आमजन को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये सभी आवश्यक तैयारियां पूर्व में ही पूर्ण रखी जायें।

कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने स्वच्छता मिशन की बैठक ली।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के टैंकरों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शेष पाईपलाईन कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा मोटर पम्पों की मरम्मत के प्रस्ताव तत्काल भेजने के निर्देश दिये। ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पम्पसैटों को पुन: संचालित करने हेतु ग्राम पंचायत एवं विधायक निधि का उपयोग करने की बात कही।

बैठक में हर घर जल प्रमाण पत्र, राजकीय विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल उपलब्धता, नल जल मित्रों की स्थिति, लंबित परियोजनाओं एवं निविदा प्रक्रिया पर भी विचार-विमर्श किया गया। जिला कलक्टर ने जल सेवा आंकलन में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया कि पीएचईडी विभाग अपने विकास कार्यों एवं विभागीय परियोजनाओं के लिये भूमि आवंटन संबंधी प्रकरणों में संबंधित उपखंड अधिकारियों एवं विकास अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र फॉलोअप करें, ताकि परियोजनायें समय पर प्रारम्भ हो सकें। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पाईपलाईन बिछाने से क्षितग्रस्त हुई सड़कों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से दुरुस्त कराने के निर्देश दिये।

नगर पालिका मालपुरा ने लगाया डिस्कॉम पर 13 करोड़ का यूडी टैक्स

■ रोड लाइट कनेक्शन काटने के बाद निगम ने थमाया नोटिस

टोंक। जिले के मालपुरा नगर पालिका और बिजली निगम के बीच बकाया राशि को लेकर विवाद सुलझ नहीं पा रहा है। बिजली निगम ने रोड लाइट का 3.53 करोड़ रुपए बकाया बताकर कनेक्शन काट दिया, तो नगर पालिका ने 13 करोड़ रुपए यूडी टैक्स का नोटिस जारी कर दिया।

उच्च अधिकारियों की मध्यस्थता से बिजली आपूर्ति बहाल हुई, लेकिन विवाद जारी है, बिजली निगम के अनुसार नगर पालिका मालपुरा की रोड लाइट का 3 करोड़ 53 लाख 16 हजार 748 रुपए बकाया है। भुगतान नहीं होने पर 7 दिन की मोहलत दी गई थी। जमा नहीं होने पर मंगलवार को कनेक्शन काट दिया गया, कनेक्शन कटने से नाराज नगर पालिका ने उसी दिन बिजली निगम को 13 करोड़ रुपए यूडी टैक्स जमा कराने का नोटिस जारी किया, यह नोटिस नगर पालिका मालपुरा अधिकारी रामजीत चौधरी ने दो दिन में जमा कराने का जारी किया, जमा नहीं कराने या समायोजन नहीं पर नगरपालिका की परिसंपत्तियों को सीज करने की चेतावनी दी।

दोनों विभागों को आमने सामने देखकर उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद बुधवार को रोड लाइट की बिजली आपूर्ति फिर शुरू कर दी गई, हालांकि नगर पालिका आयुक्त का कहना है कि बिजली निगम को पूरा टैक्स जमा कराना होगा।

नगरपालिका मालपुरा अधिशासी अधिकारी रामजीत चौधरी ने बताया कि 2010 से ही बिजली निगम ने यू डी टैक्स जमा नहीं कराया हैं और न ही समायोजन कराया है। अब बिजली निगम इस राशि को जमा नहीं करता है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उधर इस मामले को लेकर बिजली निगम के एस ई कन्हैया लाल पटेल ने कहा कि नगर पालिका मालपुरा और नगर परिषद टोंक रोड लाइट का बिजली बिल जमा नहीं करा रही है।

मालपुरा नगर पालिका पर तीन करोड़ से ज्यादा और टोंक नगर परिषद पर 21 करोड़ 45 लाख बाकी है। इससे उन्हें आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रह है, इसके लिए कलेक्टर को भी पत्र लिखा जा चुका है। दोनों नगर निकायों ने यू डी टैक्स बता रही है, वाजिब होगा तो देंगे, लेकिन हमारा बकाया बिल तो जमा कराए या समायोजन करके हमारी बाकी राशि दे।

पावटा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 75 मीटर नियम के विरोध में आक्रोश रैली निकाली

■ '75 मीटर नियम लागू होने से छोटे एवं मध्यम वर्ग के दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा और हजारों परिवार होंगे प्रभावित'

पावटा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर 75 मीटर व 40 मीटर नियम को लागू किए जाने के विरोध में गुरुवार को पावटा कस्बे में व्यापारियों, सामाजिक संगठनों, प्रभावित दुकानदारों एवं आमजन का आक्रोश खुलकर सामने आया। मुख्य मार्ग से उपखंड कार्यालय तक भारी नारेबाजी के साथ पैदल मार्च निकाला गया और नियम को वापस लिए जाने की मांग को लेकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया गया।

बताया गया कि राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर स्थित मुख्यपीठ द्वारा नेशनल रोड कांग्रेस के नियमानुसार प्रदेशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर केंद्र बिंदु से 75 मीटर एवं 40 मीटर के दायरे में नियम लागू करने के आदेश दिए गए हैं। इसी निर्णय के विरोध में पावटा कस्बा व्यापार महासंघ के आ ान पर विशाल आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। रैली को संबोधित करते हुए प्रागपुरा के पूर्व सरपंच एलन स्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अग्रवाल, जगदीश मीणा, बंशी गेट, दुलीचंद जांगिड, बद्री प्रसाद चौहान, राहुल गोयल, रामोतार टेपण, मातादीन सहित अन्य वक्ताओं ने निर्णय की कड़ी आलोचना की। वक्ताओं ने इसे अंधा कानून करार देते हुए कहा कि 75 मीटर नियम लागू होने से छोटे एवं मध्यम वर्ग के दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा और हजारों परिवार प्रभावित होंगे।

व्यापारियों, सामाजिक संगठनों,उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

वक्ताओं ने राज्य सरकार से मांग की कि वह इस निर्णय के विरुद्ध विधिक उपचार अपनाए या फिर सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश प्राप्त कर प्रभावितों को राहत दिलाए।

उनका कहना था कि यह मसला केवल कोटपूतली-बहरोड़ जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों परिवारों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। वर्षों से संचालित प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की आशंका से व्यापार जगत में असुरक्षा और चिंता का माहौल है। व्यापारियों ने इसे जनहित के विपरीत बताते हुए राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की। इस निर्णय से दशकों पुराने व्यापारिक प्रतिष्ठान प्रभावित होंगे और हजारों परिवारों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ेगा। आक्रोशित लोग मुख्य बाजार से होते हुए उपखंड कार्यालय पावटा पहुंचे और उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा को मुख्यमंत्री सहित अन्य के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 75 व 40 मीटर नियम से उत्पन्न होने वाली आर्थिक व सामाजिक समस्याओं का विस्तृत उल्लेख किया गया।

कानूनी अधिकारों की जानकारी दी

किशनगढ़ बास। विधिक सेवा प्राधिकरण जिला अध्यक्ष एवं जिला सेशन न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार सचिव रनवीर सिंह के निर्देशानुसार पीएलवी सूरजभान कछवाहा व गुलाब शर्मा नें जिले की एक सेक्स वर्कर कॉलोनी में विधिक जागरूकता शिविर लगाकर नशीली दवाओं व मादक पदार्थों के दुरुपयोग व सेक्स वर्कर्स को उनके कानूनी अधिकारों के साथ साथ सरकारी योजनाओं और सहायता सेवाओं के बारे में जागरूक किया।

पीएलवी सूरजभान कछवाहा व गुलाब शर्मा नें सेक्स वर्कर्स को जागरूकता शिविर में नशीली दवाओं व मादक पदार्थों के दुरुपयोग व उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नशीली दवाओं का दुरुपयोग आज के समय की एक गम्भीर सामाजिक समस्या है। युवा वर्ग विशेष रूप से इसके प्रभाव में आ रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

क्षतिग्रस्त सड़कों के लिए 1400 करोड़ का प्रावधान

जयपुर (विसं)। उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने विधानसभा में घोषणा की कि प्रदेश में नॉन-पेचेबल और क्षतिग्रस्त सड़कों के नवीनीकरण व सुदृढ़ीकरण के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 1400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

प्रश्नकाल के दौरान विधायक राजेंद्र गुर्जर द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों के उत्तर में मंत्री ने बताया कि देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में 6 सड़कों के नवीनीकरण और 15 पुलियाओं की मरम्मत के लिए 17.15 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। इनमें से 2 सड़क कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 4 कार्य प्रगति पर हैं। वर्षा और अन्य कारणों से क्षितग्रस्त सड़कों का भी प्राथमिकता के आधार पर नवीनीकरण प्रस्तावित है।मंत्री ने लिखित जवाब में बताया कि देवली-उनियारा क्षेत्र में कुल 52 पुलियाएं क्षतिग्रस्त हुई थीं, जिनमें से 15 कार्य स्वीकृत किए गए।

इनमें 1 कार्य पूर्ण, 12 प्रगतिरत हैं। शेष 2 कार्यों स्टेट हाईवे-29 से अनवार नगर तथा गुराई से जेल रोड में से एक कार्य को निरस्त कर राशि को दूसरे कार्य में समायोजित करने की अनुशंसा की गई है।

नाम परिवर्तन

मैं रीना मिगलानी, पत्नी श्री राजीव मिगलानी, निवासी 303ए, गुरूनानकपुरा, राजापार्क, आदर्श नगर जयपुर (राज.) शपथ पूर्वक बयान करती हूँ कि पूर्व में मेरा नाम रीना सुखीजा था विवाह उपरान्त मैंने मेरा नाम रीना सुखीजा की स्थान पर रीमा मिगलानी परिवर्तित कर लिया है। भविष्य में मुझे रीना मिगलानी के नाम से जाना व पहचाना जाये।

मैं मनीष कुमार पुत्र करतार सिंह निवासी किशनगढबास वार्ड नंबर 3 जिला खैरथल तिजारा मैंने अपना नाम मनीष कुमार से बदलकर मनीष धांधी पुत्र करतार सिंह रख लिया है भविष्य में मुझे मनीष धांधी के नाम से जाना जाएं।

Army No. 15678381H हवलदार बिनय कुमार पता ग्राम मुगरिहा पोस्ट बेल्हूपुर जिला औरैया, उत्तर प्रदेश। मेरी पत्नी सुशीला देवी का नाम त्रुटिव SUSHILA YADAV हो गया है कि कानूनी तौर पर गलत है। आधार कार्ड के अनुसार सभी प्रयोजनों के लिए सुशीला यादव SUSHILA YADAV के स्थान पर सही नाम सुशीला देवी SUSHEELA DEVI घोषित करें।

मैंने अपना नाम सुनील कुमार मीणा से बदलकर सुनील निठार पुत्र श्री जगमोहन लाल कर लिया है। भविष्य में मुझे सुनील निठार नाम से जाना पहचाना जावें। पता 263 निठार निठार भुसावर भरतपुर, राजस्थान-321409

It is for general information that I Ajay S/o Ratan Singh R/o Deolen PO Devlane Dist. Karauli Rajasthan 322254, declare that name of mine has been wrongly written as Mahendra Singh in my PAN Card No. JQZP55399C. The actual name of mine as Ajay respectively. Which may be amended accordingly.

I have changed my Name from Trilok Chand Gupta to Trilok Chand for all future purposes. Trilok Chand s/o Shree Sitaram Gupta R/o 47, near Government School. Village Nangal Susavtan. Tehsil Amer, Jaipur-302028

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य हरी सिंह पुत्र स्व. श्री प्रभु सिंह, निवासी प्लॉट नं. 125 घनश्याम विहार, बजरी मंडी रोड, पांच्यावाला जयपुर (राज.) के निवासी है मेरे अभिभाष्य का पुत्र अजीत सिंह व उसकी पत्नी गुड्डी देवी पत्नी अजीत सिंह उनके कहने सुनने में नहीं है मेरा अभिभाष्य अपने परिवार के साथ अलग रहता है। मेरे अभिभाष्य की चल-अचल सम्पत्ति में इनका या इनके वारिसान का कोई हक अधिकार नहीं होगा। मेरे अभिभाष्य का इनसे कोई भी व्यापारिक व सामाजिक व्यवहार नहीं है इसलिये मेरे अभिभाष्य की चल अचल सम्पत्ति व व्यापार से इनका किसी भी प्रकार से कोई भी लेना देना नहीं है ना ही भविष्य में होगा। जो कोई भी इनके साथ संव्यवहार करेगा वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा। मेरे अभिभाष्य की इसमें किसी भी प्रकार की कोई भी जिम्मेदारी नहीं रहेगी।
दिनांक-26.02.2026 (अरविन्द बालौत) एडवोकेट मो.नं. 9928720001

आम सूचना सर्वसाधारण को मेरे अभिभाष्यगण श्री फरीद खान पुत्र श्री अब्दुल हलीम एवं श्रीमती नैमु निशा पत्नी श्री फरीद खान निवासीयान 107, नारायणपुरी, झोटवाडा, जयपुर (राज.) की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण का पुत्र अब्दुल मन्नान गलत संगत में पड गया है एवं नशा करता है एवं मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नहीं है, मनमर्जी करता है जिस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र अब्दुल मन्नान को सभी प्रकार के सामाजिक, आर्थिक सम्बन्ध समाप्त कर उसको अपनी जाति जिन्दगी, जायदाद एवं समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र अब्दुल मन्नान से किसी प्रकार का कोई लेनदेन, व्यापार, संव्यवहार आदि करता है तो इसकी जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी, मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।
(हाकम अली) एडवोकेट, मो.नं. 8559933499

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड जयपुर-16) (राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक : एफ-6 ( ) उपा.राजस्व-द्वितीय/ला.प्र./नगनि/2026/801 दिनांक : 25.02.2026

सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड संख्या सी-95, अर्जुन लाल सेठी योजना, जयपुर का नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा श्री श्याम बिहारी पुत्र श्री बद्रीनारायण के नाम से क्षेत्रफल 260.41 वर्गगज का आवंटन एवं पट्टा जारी किया गया। तत्पश्चात् नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर उक्त भूखण्ड का श्री सन्तोष जूनीवाल के नाम से नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया गया। डॉ. सन्तोष चन्द्र जूनीवाल की मृत्यु उपरान्त आवेदक द्वारा प्रस्तुत नोटरी प्रमाणित वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, निर्धारित अण्डरटेकिंग, वसीयत बाबत् अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम जयपुर द्वारा श्री संजय जूनीवाल पुत्र स्व. श्री सन्तोष चन्द्र जूनीवाल के पक्ष में उक्त भूखण्ड क्षेत्रफल 260.41 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी किया जाना है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करे, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। (अशोक कुमार शर्मा) R.A.S. उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हड़ताल के तीसरे दिन उग्र हुआ बस ऑपरेटरों का आक्रोश

दौसा के महुआ में प्रदर्शनकारियों ने बस ड्राईवर को नीचे उतारकर जूतों की माला पहनाई, तो बीकानेर में परीक्षा केन्द्र नहीं पहुंचने पर छात्राओं के आंसू छलके

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में निजी बस ऑपरेटरों की हड़ताल गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रही। सरकार की ओर से वार्ता की कोई पहल नहीं होने के कारण बस ऑपरेटरों का धैर्य जवाब दे रहा है और अब यह आंदोलन शांतिपूर्ण से उग्र रूप अख्तियार करने लगा है। राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में करीब 35 हजार बसों के पहिए थमे रहने से आम जनता, परीक्षार्थी और फाल्गुन मेले में जा रहे श्रद्धालु बेहाल है।

वहीं जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर गुरुवार को प्रदर्शन का हिंसक चेहरा सामने आया। हड़ताली ऑपरेटर्स ने जबरन निजी बसें रुकवाई और नियमों की अवहेलना कर बस चलाने वाले चालक-परिचालकों के साथ धक्का-मुक्की की। दौसा के महुआ में प्रदर्शनकारियों ने एक बस कंडक्टर को जबरन नीचे उतारकर जूतों की माला पहना दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

अलवर में भी ऑपरेटरों ने सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

राजधानी जयपुर में निजी बस ऑपरेटर्स ने गुरूवार को नारेबाजी कर विरोध जताया।

इधर खाटू श्याम जी का लक्खी फाल्गुन मेला चल रहा है, जहां लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। बसों की अनुपलब्धता के कारण श्रद्धालुओं को भारी असुविधा हो रही है। दूसरी ओर, होली का पर्व नजदीक होने के कारण घर जाने वाले प्रवासी श्रमिक और यात्री बस अड्डों पर फंसे हुए हैं। बीकानेर के नापासर में हृदयविदारक स्थिति दिखी, जहां परीक्षा केंद्र जाने के लिए साधन न मिलने पर छात्राएं सड़क पर ही फूट-फूटकर रोने लगीं।

ऑल राजस्थान कांटेक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मदन यादव का कहना है कि वे संवाद के पक्षधर हैं, लेकिन सरकार की चुप्पी ने असंतोष पैदा कर दिया है।

■ सरकार की चुप्पी से लगातार बढ़ रहा है गतिरोध, 35 हजार बसों के पहिए थमने से प्रदेश में हाहाकार

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने चेतावनी दी है कि जब तक मांगें नहीं मानी जातीं,हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल से न केवल जनता परेशान है, बल्कि सरकार को भी टोल और डीजल वैट के रूप में करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

बस संगठनों का आरोप है कि सरकार वार्ता के बजाय प्रशासनिक दबाव से आंदोलन को कुचलना चाहती है। ऑपरेटरों के अनुसार यह व्यवसाय हजारों परिवारों का आधार है, जिन पर अब संकट मंडरा रहा है।

सदन के गतिरोध पर कांग्रेस की रणनीतिक बैठक आज

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार सुबह आयोजित की जाएगी। यह बैठक सुबह 10:15 बजे की विपक्ष लॉबी में होगी। बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली करेंगे। सदन में हाल ही में उपजे गतिरोध और लगातार हो रहे हंगामे को देखते हुए इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है। कांग्रेस विधायक दल सरकार की कार्यशैली, सदन में विपक्ष को बोलने का अवसर न मिलने और विभिन्न जनहित मुद्दों पर चर्चा नहीं होने जैसे विषयों पर अपनी रणनीति तय करेगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में यह भी विचार किया जाएगा कि आगामी कार्यवाही के दौरान कांग्रेस किस तरह सरकार को घेरने की रणनीति अपनाए। विपक्ष राज्य में कानून-व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने सभी विधायकों को समय पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि एकजुटता का संदेश दिया जा सके। बैठक में सदन के भीतर और बाहर आंदोलन की संभावनाओं पर भी चर्चा हो सकती है।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड (राजस्थान)
लोकमान्य तिलक जनकल्याण शिक्षण संस्थान बनाम ओमसिंह व अन्य
वाद बाबत तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 53 व 188 राजस्थान टीनेन्सी एक्ट
वाद संख्या 229/2025

बनाम-ओमसिंह पुत्र मंगेज सिंह, कमोद कंवर पुत्री मंगजे सिंह, अंतर कंवर पुत्री पुत्री मंगेज सिंह, अनिता कंवर पुत्री रामलाल सिंह, आनन्द कंवर पुत्री ओनाड सिंह, उम्मेद कंवर पुत्री करण सिंह, ओम कंवर पत्नी हजारीसिंह, धीरसिंह, दिलीप सिंह पुत्रान ओनाड सिंह, केमिता कंवर पुत्री ओनाड सिंह, कानसिंह पुत्र मंगेज सिंह, कौशल्या कंवर पुत्री करण सिंह, गजेन्द्र सिंह पुत्र जय सिंह, गीता कंवर पुत्री रामलाल सिंह, गोपाल सिंह पुत्र जयसिंह, ज्ञानकंवर पुत्री रामलाल सिंह, नरेन्द्र सिंह पुत्र जयसिंह, नारायण सिंह पुत्र सांगसिंह, निर्मला पत्नी राजेन्द्र सिंह, निशान्त सिंह पुत्र प्रताप सिंह, पृथ्वी सिंह पुत्र सांगसिंह, प्रतिभा पुत्री प्रताप सिंह, पानकंवर पुत्री रामलाल सिंह, बलवीर सिंह पुत्र हजारी सिंह, बाबूसिंह पुत्र करण सिंह, बीना पुत्री हजारी सिंह, मंजू पुत्री रोहिताश सिंह, महिपाल सिंह पुत्र हजारी सिंह, रूकमण कंवर पुत्री मंगजे सिंह, रेखा कंवर पुत्री करण सिंह, रघुवीर सिंह पुत्र रामलाल सिंह, रूपसिंह पुत्र सांगसिंह, रतनसिंह पुत्र रामसिंह, अंजू कंवर, सूरज कंवर पुत्रीयान रामसिंह, राजकुमार सिंह पुत्र हजारी सिंह, ललिता कंवर पुत्री ओनाड सिंह, लक्ष्मण सिंह पुत्र करण सिंह लेखराज सिंह पुत्र करण सिंह, विरेन्द्र सिंह पुत्र रोहिताश सिंह, शांति कंवर पत्नी रामलाल सिंह, शोभाग कंवर पत्नी प्रताप सिंह, सदा कंवर पुत्री मंगेज सिंह, सुनिता कंवर पुत्री रामलाल सिंह, संतोष सिंह पुत्र करण सिंह, संजू कंवर पुत्री रोहिताश सिंह, सुमन कंवर पुत्री नओनाड सिंह, सरमेश कंवर पुत्री ओनाड सिंह, सायर कंवर पुत्री रामलाल सिंह, हनुमान सिंह पुत्र करण सिंह, हरिसिंह पुत्र रामलाल सिंह, महेन्द्र सिंह पुत्र जय सिंह, संतोष कंवर पुत्री जयसिंह समस्त जाति राजपूत, समस्त निवासी ढाणी कीरतपुरा ग्राम पाथरेडी, तहसील पावटा जिला कोटपूतली बहरोड राजस्थान ममता देवी पत्नी मनोज यादव जाति अहीर निवासी पाथरेडी तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड राज. आपके विरूद्ध उपरोक्त के लिए वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 09.03.2026 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 26.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
उपखण्ड अधिकारी, ग्राम पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

विधानसभा में गूंजा निजी बसों की हड़ताल का मुद्दा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बीते 3 दिन से चल रही प्राइवेट बसों की हड़ताल का मामला गुरूवार को विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायक शिखा मील बराला और निर्दलीय चंद्रभान सिंह आक्या ने शून्यकाल में सरकार से आग्रह किया कि हड़ताल तत्काल खत्म करवाई जाए। चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि हड़ताल के कारण यात्री, विशेषकर खाटू श्यामजी जाने वाले लोग परेशान हैं। सामान्य दिनों में 35 हजार प्राइवेट बसें चलती हैं, लेकिन फिलहाल केवल 33 प्रतिशत ही बसें ही चल रही हैं। आक्या ने यह भी कहा कि छोटी गाड़ियों पर अवैध तरीके से चालान लगाया जा रहा है, जिससे आम लोग शोषित हो रहे हैं।कांग्रेस विधायक शिखा मील बराला ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हड़ताल से रोजगार प्रभावित हुआ है। करीब 35 हजार बसों की हड़ताल के कारण 3.50 लाख से अधिक लोग बेरोजगार हो गए हैं। होली का त्यौहार आने वाला है और मजदूर अपने घर नहीं जा पा रहे, मरीज अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहे।

बराला ने खाटूश्यामजी मेले में दूसरे राज्यों से आए हजारों लोगों की परेशानी का हवाला देते हुए कहा कि टैक्सी वाले भी 70 किलोमीटर के लिए 7000 रुपए ले रहे हैं। उन्होंने सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम जनता पर जो बोझ है वह सरकार की अकर्मण्यता का परिणाम है।

विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की रैली के लिए बस ऑपरेटर्स से चुपचाप संपर्क किया जा रहा है, लेकिन वास्तविक वार्ता नहीं हो रही। पहले 23 मांगें थीं, फिर 14 और अब 9 मांगों पर वार्ता हो रही है। बराला ने कहा कि हड़ताल के मुद्दे का समाधान बातचीत के जरिए किया जाना चाहिए और प्राइवेट बस ऑपरेटर्स की मांगों में "वन इंडिया वन टैक्स" शामिल है। उन्होंने पूछा कि अगर सरकार "वन नेशन, वन इलेक्शन" और "वन नेशन, वन आधार" जैसी नीतियों की बात कर सकती है, तो आम लोगों को अधिकार देने की बात क्यों नहीं कर सकती।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बदल रहा औद्योगिक परिदृश्य

■ राज्य सरकार जल्द ही औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाएगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को निवेश एवं उद्योग में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की मंशा है कि प्रदेश में उद्योगों के लिए बेहतर आधारभूत संरचनाएं, विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सहित विभिन्न नवाचारों से राजस्थान को देश में उद्योग का प्रमुख डेस्टिनेशन बनाया जाए। इसी क्रम में सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाई जाएगी। इस नीति का मंत्रिमंडल द्वारा हाल ही में अनुमोदन किया गया है। इस नीति से राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी। साथ ही, इससे निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा।

इस नीति के तहत निजी क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों के विकास के लिए चार विकास मॉडल निर्धारित किए गए हैं। मॉडल-ए के तहत पूर्णत: रीको द्वारा आवंटित भूमि पर विकास किया जाएगा। वहीं, मॉडल-बी के अंतर्गत औद्योगिक पार्क के लिए 80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा अधिग्रहण की जाएगी एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध होगी। इसी तरह, मॉडल-सी के तहत पार्क के लिए संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था की जाएगी तथा मॉडल-डी पीपीपी मॉडल पर आधारित होगा।

नीति के तहत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी। इस नीति के अंतर्गत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसंरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ तक के पार्क हेतु 20 करोड़ रुपए, 100 से 250 एकड़ हेतु 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल हेतु 40 करोड़ रुपए होगी। इस नीति के तहत हरित विकास को बढ़ावा तथा औद्योगिक प्रदूषण को भी कम किया जाएगा, इस हेतु सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपए प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है।

'पारंपरिक उपचार पद्धितयाँ सिर्फ आस्था नहीं, भविष्य की उम्मीद'

हरिद्वार (कासं)। पतंजलि अनुसन्धान संस्थान और पतंजलि विश्विद्यालय की ओर से गुरूवार को 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "प्लांट्स टू पेशेंट्स सीरीज 4-एथनोफॉर्माकोलॉजी बियोंड टाइम्स" पूर्ण हुआ। सम्मेलन से विश्व को संदेश दिया गया कि, पारंपरिक उपचार पद्धितयाँ केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक परीक्षण और प्रमाण के माध्यम से भविष्य की वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था का सशक्त आधार बन सकती है।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेरूजिया विश्वविद्यालय, इटली और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के प्रेजिडेंट, प्रोफेसर डोमेनिको विटोरियो डेलफिनो, कोट दअज़ूर विश्वविद्यालय, फ्रांस से प्रोफेसर लुई-फेलिक्स नॉटियस, ग्राज विश्विद्यालय, आस्ट्रिया से प्रोफेसर रुडोल्फ बाउर, नीदरलैंड्स से एल्सेवियर प्रकाशन की सीनियर पब्लिशर, प्रोफेसर ऐन मैरी शोनी-पोरडॉन, माए फ़ा लुआंग विश्विद्यालय, थाईलैंड से प्रोफेसर तिडारैट डुआंग्योट, सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलोजी के संस्थापक पुलक के. मुखर्जी, एम्स, कल्याणी से प्रोफेसर वाई. के. गुप्ता, एम्स, ऋषिकेश की प्रोफेसर मीनू सिंह और उनके साथ प्रोफेसर पुनीत धामिजा, , नई दिल्ली से प्रोफेसर (मेजर) एम. डी. रे, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई से प्रोफेसर विक्रम गोटा, एवं प्रोफेसर संजय जाचक शरीक हुए।

इन वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने आयुर्वेद, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा के समन्वय पर मंथन किया।

स्वामी रामदेव ने कहा कि शोध और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित चिकित्सा विज्ञान और वैदिक सनातन ज्ञान का संगम ही भविष्य की चिकित्सा पद्धित की दिशा सुनिश्चित कर सकता है। हजारों वर्षों से संरक्षित भारतीय चिकित्सा ज्ञान को वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना समय की आवश्यकता है और पतंजलि एक वैश्विक केंद्र के रूप में प्रमाण-आधारित भारतीय चिकित्सा को विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि विश्वभर में आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा पद्धित के साथ ही यूनानी, मिस्त्र, ग्रीक, तिब्बती, चीनी, जापानी, कोरियाई चिकित्सा पद्धित विद्यमान है, आवश्यकता है इन चिकित्सा पद्धितयों को शोध और साइंटिफिक वैलिडेशन के साथ विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने की, जिससे एक होलिस्टिक और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर मॉडल और ग्लोबल हेल्थ का एक सशक्त माध्यम बन सके जिससे जनमानस को रोगों के लिए एक सुगम, सुरक्षित, सुलभ समाधान मिले।

पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि जब प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर परखा जाता है, तब वह और अधिक सशक्त होकर उभरता है। पतंजलि के प्रयास इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जो आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक प्रतिष्ठा दिलाने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, अपितु भविष्य की स्वास्थ्य क्रांति का प्रारंभिक उद्घोष है, जहां 'प्लांट्स टू पेशेंट्स' की अवधारणा वास्तव में साकार हो रही है।

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner)
Bhusawar – Bharatpur (Rajasthan)-321406
No. :- F.( )/Accts./Dean-COAB/2026/979-82 Date :- 18/02/2026

NOTICE INVITING BID

Bid for open e-tender regarding Solar System Hybrid 40KW are invited from interested bidders up to 05.00 AM, 27.02.2026 and Bid opening date 28.02.2026 at 11.00 AM and other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **http://sppp.raj.nic.in** & **http://eproc.rajasthan.gov.in** of the state; **www.sknau.ac.in** University website. **UBN is SKN2526GLOB00474**
Raj.Samwad/C/25/21347 DEAN

कार्यालय नगर पालिका दूदू, जिला जयपुर
क्रमांक-न.पा.दु./2025-26/1137 दिनांक-26.02.2026

लोक सूचना

श्री श्योजीराम वर्मा पुत्र रामदेव रैगर, जाति रैगर, निवासी रैगर मौहल्ला दतोब टोडारसिंह टोंक, राजस्थान 304502 ने नगर पालिका दूदू में निचे उल्लिखित भूमि का कृषि भूमि से अकृषि प्रयोजन (आवासीय) हेतु पत्रावली दर्ज कराई है जिसके अनुसार विवरण निम्न प्रकार है।

तहसील दूदू, जिला	ग्राम बिजोलाव, पटवार	खसरा नम्बर 145	रकबा 1.0300 हैक्टेयर
जयपुर (राज.)	हल्का बिजोलाव	146, 147	(10300 वर्गमीटर)

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि 90-क के प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिघृत अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के अन्दर मयाद दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करावें। बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नहीं होगी।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 26.02.2026 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका दूदू जिला जयपुर

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ/2025/519 दिनांक: 24.02.2026

ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 124 से 125/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मु0) से सम्बन्धित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com, eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No:- JMC2526GSOB02891 एवं JMC2526GSOB02892 पर देखी जा सकती है।
अधिशाषी अभियन्ता (मु0)
राज.संवाद/सी/25/21425 नगर निगम जयपुर

कार्यालय चुनाव अधिकारी-केंद्रीय कार्यसमिति चुनाव वर्ष 2025-26
डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान,
अस्थाई कार्यालय: 5-चंदन बाड़ी,भू-तल, खन्ना टावर, गिरधर मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर -302017

चुनाव अधिसूचना/कार्यक्रम

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान, 13-14, झालाना डूंगरी, जयपुर पंजीयन क्रमांक 290/80-81 के अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष (प्रत्येक एक पद) के चुनाव वर्ष 2025-26 सोसायटी संविधान अनुसार करवाने हेतु पूर्व में दिनांक 15.11.2025, 13.12.2025 एवं 06.01.2026 को जारी चुनाव कार्यक्रम/अधिसूचना को अपरिहार्य कारणों से संशोधित करते हुए विस्तृत चुनाव अधिसूचना/कार्यक्रम पत्र क्रमांक EO/SOCIETY/2026/07 एवं 08 दिनांक 07.02.2026 को जारी की गई थी, जो सोसायटी की अधिकृत वेबसाइट www.https://dramdkrsociety.com/index.php?page=news पर उपलब्ध है | चुनाव हेतु अस्थाई मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक 27.02.2026, अन्तिम मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक 15.04.2026 एवं मतदान दिनांक 10.05.2026 को चुनाव अधिसूचना अनुसार होगा | इस चुनाव से सम्बन्धित अन्य जानकारियां भी समय - समय पर वेबसाइट www.dramdkrsociety.com पर उपलब्ध करवा दी जाएंगी | चुनाव में प्रयोग ली जाने वाली अस्थाई/अन्तिम मतदाता सूची वेबसाइट www.dramdkrsociety.com पर उपलब्ध रहेगी | कोई भी मतदाता अपनी जानकारी अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज कर देख सकता है | मतदाता का मोबाइल नंबर यदि पहले से दर्ज नहीं है अथवा मतदाता के नाम, पता एवं मोबाइल नंबर आदि की सूचना में किसी प्रकार का बदलाव चाहता है तो संबंधित प्रार्थना-पत्र मय सरकार द्वारा जारी किसी भी पहचान-पत्र की प्रति के साथ ईमेल dramdkr.election202526@gmail.com कर सकता है या व्यक्तिश/डाक द्वारा उपरोक्त पत्ते पर निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत कर सकता है|
दिनांक : 26.02.2026 (मंगल मोरवाल) चुनाव अधिकारी, 9166078989

प्रपत्र संख्या 7 देखिए नियम 21
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग,जयपुर
समस्त संबंधित व्यकितयों को
मुकदमा नम्बर DEV/Jaipur-I/Trust/2026/1530
चूंकि प्रार्थी श्री PANKAJ KUMAR PAREEK,WARD NO- 22 MORIJA, THE CHOMU, JAIPUR-303805 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास राजबह्म कार्मिक समूह समिति, Opposite Government School, Kheda Mahapura, Murlipura, Jaipur-302039 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है। मैं हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 18-02-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 24/04/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर प्रथम

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना
राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के अध्याय-5 में किराए के पुनरीक्षण एवं बेदखली बाबत प्रार्थना-पत्र
न्यायालयः किराया अधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय
राकेश रावत विरूद्ध पवन खूंटेटा
अर्जी संख्या - 32/2024
नाम-पवन खूंटेटा पुत्र स्व. श्री दामोदर लाल खूंटा जाति... पता निवासी मकान नम्बर-19 शिव रेजीडेन्सी, लक्ष्मण रेखा विस्तार, अम्बे होस्पिटल के पास, निवारू रोड, जयपुर
प्रार्थी ने आपके विरुद्ध किराये के पुनरीक्षण/बेदखली के लिए राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत एक अर्जी प्रस्तुत की है जो पंजीयन कर ली गई है। आपको इस न्यायालय में तारीख 05 माह 02 सन् 26 को 10.30 ए.एम. बजे उक्त अर्जी का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए चेतावनी दी जाती है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसको सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस अर्जी से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें।
आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उक्त दिन या इससे पूर्व 30/45 दिन के भीतर अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य नोटिस की तामील होने की तारीख से दाखिल करें और उक्त तारीख पर या तामील होने के 30/45 दिन के भीतर ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई को दावा या प्रतिदावा आधारित है। साथ ही यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में न हो, अपनी प्रतिरक्षा, मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हो, आप ऐसे दस्तावेज उल्लेखित समय के मय उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि आप अपने प्रतिरक्षा के और जवाब के साथ उन सभी साक्षीगण के एवं स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत करें जो आपकी प्रतिरक्षा का समर्थन करते हैं तथा उन दस्तावेजों का और उस साक्ष्य का ब्यौरेवार वर्णन शपथ पत्र में किया जावें। साथ ही जिन दस्तावेजों को न्यायालय में प्रदर्शित कराना हो उन पर लाल स्याही से प्रदर्श डालकर प्रस्तुत करें और शपथ पत्र पर ए से बी, सी से डी हस्ताक्षर इत्यादि या लिखावट आदि जिसको भी प्रमाणित कराना है, का उल्लेख भी किया जावें।
आपको पुनः आगाह किया जाता है कि उक्त नोटिस की तामील होने के 30/45 दिन के भीतर आप अपना प्रतिरक्षा उपरोक्त प्रवास में न्यायालय में अंकित करें या उक्त तारीख पेशी पर प्रस्तुत कर दें। अन्यथा आपकी प्रतिरक्षा राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत समाप्त हो जायेगी।
आपको यह भी आगाह किया जाता है कि तारीख पेशी से पूर्व यदि आप द्वारा प्रतिरक्षा हेतु जवाब अर्जी शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते है तो न्यायालय में प्रस्तुत करने से पूर्व प्रार्थी के अधिवक्ता श्री....को उक्त प्रतिरक्षा की और जवाब दावा शपथ पत्रों की, दस्तावेजो व अन्य साक्ष्यों की प्रति उपलब्ध करा दें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।
नोटिस आज दिनांक 22.10.21 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञा से-किराया अधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय

राजस्थान राजपत्र विशेषांक साधिकार प्रकाशित
RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary Published by Authority
फाल्गुन 04, सोमवार, शाके 1947– फरवरी 23, 2026
Phalguna 04, Monday, Saka 1947- February 23, 2026

भाग–1(ख)
महत्त्वपूर्ण सरकारी आज्ञाएँ
जल संसाधन विभाग
अधिसूचना
जयपुर, फरवरी 11, 2026

संख्या:22/भू.अ./ज.स./2023/202–206:– चूंकि राज्य सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजनार्थ रामगढ एंव महलपुर बैराज और नवनेरा–गलवा–बीसलपुर–ईसरदा लिंक परियोजना (एन.जी.बी. लिंक पैकेज।।।) के अन्तर्गत गलवा पंप हाऊस एंव गलवा बांध से बीसलपुर बांध (RD 9.6 K.M. to 40.6 K.M.) तक फीडर निर्माण में आने वाली भूमि को अवाप्त किया जाना आवश्यक है।

यह अधिसूचना जारी कर भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा–4(1) एवं राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसरण में संलग्न सूची अनुसार प्रभावित क्षेत्र में सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत, नगरपालिका या नगर निगम से सम्पर्क करने एवं राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का नियम, 2016 के नियम 6(8) की पालना सुनिश्चित करने हेतु महाप्रबन्धक, आर.डब्ल्यू.जी.सी.एल., पी.आई.यू. टोंक प्रथम को अधिकृत किया जाता है।

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 3 (जी) एंव राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक 1(51) REV–6/2014/31 दिनांक 28.08.2015 के अन्तर्गत भूमि अवाप्ति अधिकारी (उपखण्ड अधिकारी) नैनवा/अतिरिक्त कलेक्टर (पुनर्वास) एंव भूमि अवाप्ति अधिकारी, बीसलपुर परियोजना देवली होगे।

विवरण

रामगढ़ एवं महलपुर बैराज और नवनेरा–गलवा–बीसलपुर–ईसरदा लिंक परियोजना के अन्तर्गत गलवा पम्प हाउस का निर्माण एवं गलवा बांध से बीसलपुर बांध तक फीडर निर्माण (RD 9.6 K.M. to 40.6 K.M.) में आने वाली भूमि अर्जन पुनर्वास पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4(1) की कार्यवाही बाबत् विवरण–

क्र. सं.	परियोजना का नाम	ग्राम का नाम	ग्राम पंचायत	तहसील का नाम	जिला	भूमि अवाप्ति अधिकारी
1		भैरूपुरा	गंभीरा	नैनवा	बुन्दी	उपखण्ड अधिकारी नैनवाली)
2		पांडोला	सुवानिया			
3		धानुगांव	सुवानिया			
4		सुंथली	सुवानिया			
5		बालागढ	बालुन्दा	नगरफोर्ट	टोंक	अतिरिक्त कलेक्टर (पुनर्वास एवं भूमि अवाप्ति अधिकारी बीसलपुर परियोजना देवली)
6		बालुन्दा	बालुन्दा			
7		सतवाडा	बालुन्दा			
8		गुराई	गुराई			
9	रामगढ़ एवं महलपुर बैराज और नवनेरा–गलवा–बीसलपुर–ईसरदा लिंक परियोजना के अन्तर्गत गलवा पम्प हाउस का निर्माण एवं गलवा बांध से बीसलपुर बांध तक फीडर निर्माण (RD 9.6 K.M. to 40.6 K.M.)	खेडा बालाजी	गुराई			
10		रायपुरा	गुराई			
11		संग्रामपुरा	गुराई			
12		गुलाबपुरा	ख्वासपुरा	दूनी		
13		राजेन्द्रपुरा	ख्वासपुरा			
14		रामपुरा	ख्वासपुरा			
15		चकआंवा	ख्वासपुरा			
16		कनवाडा	कनवाडा			
17		संग्रामगंज	टोकरावास			
18		टोंकरावास बुन्दी	टोकरावास			
19		टोकरावास उनियारा	टोकरावास			
20		ठिकरियाकलां	चन्दवाड			
21		बांस लक्ष्मणा	पनवाड़	देवली		

फार्म–2
देखे नियम–5
पार्ट – B
सामाजिक समाघात निर्धारण की अधिसूचना
सामाजिक समाघात निर्धारण की अधिसूचना में निम्नलिखित सम्मिलित होगा

(क)	परियोजना विकासकर्ता का नाम	महाप्रबंधक आर.डब्ल्यू.जी.सी.एल. पी.आई.यू. टोंक–प्रथम
	प्रस्तावित परियोजना का संक्षिप्त वर्णन और अर्जन के लिए प्रस्तावित भूमि का विस्तार, सामाजिक समाघात निर्धारण के अधीन आने वाले परियोजना क्षेत्र और प्रभावित क्षेत्र	रामगढ़ एवं महलपुर बैराज और नवनेरा–गलवा–बीसलपुर–ईसरदा लिंक परियोजना के अन्तर्गत गलवा पम्प हाउस का निर्माण एवं गलवा बांध से बीसलपुर बांध तक फीडर निर्माण (RD 9.6 K.M. to 40.6 K.M.) तहसील नैनवा जिला बुन्दी एवं तहसील दूनी, देवली, नगरफोर्ट जिला टोंक योजनान्तर्गत कुल क्षेत्रफल 516.227 हैक्ट. भूमि अधिग्रहण प्रस्तावित है।
(ख)	सामाजिक समाघात निर्धारण के मुख्य उद्देश्य और महत्वपूर्ण क्रियाकलाप जिसके अनतर्गत (1) परामर्श (2) सर्वेक्षण (3) सार्वजनिक सुनवाई/सुनवाईयां भी दें।	(1) परामर्श (2) सर्वेक्षण (3) सार्वजनिक सुनवाई
(ग)	यदि ग्राम सभा और ध्या भू–स्वामी की सहमति अपेक्षित है तो अधिसूचना में इस बारे में कथन किया जाना के लिए होगा।	अधिनियम की धारा 2(1) के अन्तर्गत लागू नही है।
(घ)	सामाजिक समाघात निर्धारण के लिए समय सीमा और सामाजिक समाघात निर्धारण प्रकटीकरण की रिती के साथ अनेचल परिणाम (सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट सामाजिक समाघात प्रबंधन योजना) विनिर्दिष्ट किए जाने होंगे।	अधिनियम में निर्धारण प्रक्रिया व समय के अनुसार
(ड़)	इस अवधि के दौरान इस आषय का कथन की प्रपीडन या धमकी के प्रयास से कार्यवाही अकृत और शुन्य हो जायेगी।	हा
(च)	सामाजिक समाघात निर्धारण ईकाई से सम्पर्क करने संबंधी जानकारी	आर.डब्ल्यू.जी.सी.एल. पी.आई.यू. टोंक–प्रथम

महेश कुमार राठी,
उप सचिव एंव अधी. अभि. (लैण्ड बैंक)
कार्यालय मुख्य अभियन्ता, जल संसाधन राजस्थान जयपुर।
राज.संवाद/सी/25/21446

वह किसी भी तरह के अनुचित या अनैतिक खेल के पूरी तरह खिलाफ हैं, लेकिन बिना ठोस सबूत के सार्वजनिक आरोप लगाना ठीक नहीं।

- डी गुकेश

भारतीय ग्रैंडमास्टर, अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अंजू तमांग

अनुभवी मिडफील्डर अंजू तमांग चोट के कारण एएफसी महिला एशियन कप से बाहर हो गई हैं। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। टीम प्रबंधन के अनुसार सप्ताह की शुरुआत में ट्रेनिंग सत्र के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके बाद मेडिकल जांच में साफ हो गया कि वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। बता दें कि अंजू ने भारत के लिए 70 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और वह मौजूदा स्क्वॉड की सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी थीं। उनकी मौजूदगी टीम के आक्रमण और अनुभव दोनों के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही थी।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 विश्व कप में 256 रनों का स्कोर बनाकर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

इंग्लैंड व न्यूजीलैंड के बीच शाम 7 बजे

भारत सेमीफाइनल से एक जीत दूर: जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया, अभिषेक-पंड्या ने फिफ्टी लगाई

चेन्नई , 26 फरवरी। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 पहली जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने गुरुवार के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। इसी के साथ सुपर-8 ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी। हार्दिक पंड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे। भारत ने 256 रन बनाए। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड 260 रन है, जो श्रीलंका ने 2007 में केन्या के खिलाफ बनाया था। इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। पिछला रिकॉर्ड 218 रन का था। जोकि इंग्लैंड के खिलाफ 2007 में बना था। उस मैच में युवराज ने लगातार 6 छक्के लगाए थे।भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा (55 रन) और हार्दिक पंड्या (नाबाद 50) फिफ्टी बनाई। वहीं, तिलक वर्मा ने नाबाद 44 रन बनाए। जिम्बाब्वे से रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, तिनोतेंदा मपोसा और सिकंदर रजा ने एक-एक विकेट लिए।

257 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे की शुरुआत धीमी रही। उसके बाद टीम ने मिडिल ओवर्स के फेज में नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। लेकिन, ओपनर ब्रायन बेनेट ने एक छोर संभाले रहा। उन्होंने नाबाद 97 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। भारतीय टीम की ओर से अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट झटके। उनके अलावा, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और शिवम दुबे को एक-एक विकेट मिला।

सैंटनर अपने साथी खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह हैं- रविंद्र

नई दिल्ली, 26 फरवरी। न्यूजीलैंड के आलराउंडर रचिन रविंद्र ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में अपनी टीम की श्रीलंका पर 61 रन से जीत के बाद अपने कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अपने साथी खिलाड़ियों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह हैं और उन्हें दमदार महसूस कराने का तरीका ढूंढ लेते हैं।

रविंद्र ने इस मैच में 32 रन बनाए और 19 रन देकर चार विकेट भी लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। कप्तान सैंटनर की 26 गेंदों पर खेली गई 47 रन की पारी से न्यूजीलैंड 84 रन पर छह विकेट गंवाने के बावजूद सात विकेट पर 168 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में श्रीलंका आठ विकेट पर 107 रन ही बना सका। रविंद्र ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हम सभी जानते हैं कि सैंटनर कितने शांत स्वभाव के हैं, लेकिन उनका सोचने का तरीका भी कमाल का है, जैसे कि किस छोर से कौन सी गेंद फेंकनी है।

साउथ अफ्रीका की सुपर-8 में लगातार दूसरी जीत:वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया

अहमदाबाद, 26 फ़रवरी। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने गुरुवार के पहले मैच में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग की।

वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 176 रन बनाए। 177 रन का टारगेट साउथ अफ्रीका ने 16.1 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान ऐडन मार्करम ने नाबाद 82 और रायन रिकेल्टन 45 रन बनाए।

वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने नाबाद 52 रन बनाए। जबकि जेसन होल्डर 49 रन बनाकर आउट हुए। साउथ अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट झटके। कगिसो रबाडा और कॉर्बिन बॉश को 2-2 विकेट मिले।

टीम ने एक समय 83 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने 8वें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके टीम को 170 पार पहुंचा दिया। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 8वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम सेमीफाइनल के बेहद करीब पहुंच गई है। अफ्रीका के 2 मैच में 4 अंक हो गए हैं। टीम ग्रुप-1 पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर है। वहीं, वेस्टइंडीज 2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरे और जिम्बाब्वे चौथे नंबर पर है।

न्यूजीलैंड की जीत से श्रीलंका बाहर, अब एनआरआर में फंसा पाकिस्तान

कोलंबो, 26 फरवरी। कोलंबो में खेले गए मुकाबले ने सुपर एट्स ग्रुप-2 की दिशा बदल दी है। न्यूजीलैंड ने सह-मेजबान श्रीलंका को 61 रन से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस जीत का असर सिर्फ श्रीलंका तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पाकिस्तान की सेमीफाइनल उम्मीदें भी इससे जुड़ गई हैं। 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 107/8 तक ही पहुंच सकी। उन्हें बड़ी जीत की दरकार थी, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। बता दें कि 2014 में खिताब जीतने के बाद से यह लगातार पांचवां अवसर है जब श्रीलंका सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा है।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड की इस जीत से उसका नेट रन रेट 3.050 तक पहुंच गया है, जो उसे फिलहाल मजबूत स्थिति में रखता है। गौरतलब है कि इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका है।

रणजी ट्रॉफी- जम्मू कश्मीर पहली पारी में 584 पर ऑलआउट

नई दिल्ली, 26 फरवरी। रणजी ट्रॉफी फाइनल के तीसरे दिन जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक पर मजबूत पकड़ बना ली है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक कर्नाटक ने 220 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए। जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बनाए। इस तरह कर्नाटक अब भी 364 रन से पीछे है। फॉलोऑन टालने के लिए कर्नाटक को 165 रन और बनाने होंगे। कप्तान मयंक अग्रवाल सेंचुरी बनाकर नॉटआउट लौटे।

जम्मू-कश्मीर के लिए नबी ने 14 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने लगातार 9 ओवर का स्पेल डालते हुए केएल राहुल को आउट किया और कर्नाटक को पहला झटका दिया। इसके बाद नबी ने करुण नायर को शानदार गेंद पर बोल्ड किया। अगली ही गेंद पर फॉर्म में चल रहे स्मरण रविचंद्रन को भी पवेलियन भेज दिया।

पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल ने मोर्चा संभालते हुए 207 गेंदों पर नाबाद 130 रन बनाए। इसके बावजूद कर्नाटक की टीम दबाव में नजर आ रही है। श्रेयस गोपाल ने 27 रन बनाए। विकेटकीपर कृतिक कृष्णा ने मयंक के साथ 58 रन की पार्टनरशिप कर ली है। दोनों चौथे दिन कर्नाटक की पारी आगे बढ़ाएंगे।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में दांव पर वनडे श्रृंखला, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत जरूरी

नई दिल्ली, 26 फरवरी। मौजूदा विश्व चैंपियन भारत को पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला को अगर जीवंत रखना है तो उसे शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे श्रृंखला की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और ब्रिस्बेन में खेले गए पहले मैच में छह विकेट से हार गई।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीती है। इस प्रारूप में इन दोनों देशों के बीच खेली गई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली गई हैं जिनमें सभी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की। इनमें 2024 में 3-0 से और सितंबर 2025 में 2-1 से जीत भी शामिल है। लेकिन भारत 2025 में महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली पांच विकेट की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा।

वर्तमान श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करने में नाकाम रहे और पूरी टीम केवल 214 रन पर आउट हो गई। उप-कप्तान स्मृति मंधाना (58), कप्तान हरमनप्रीत कौर (53) और कासवी गौतम (43) को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल सका। वे ऑस्ट्रेलिया की अनुशासित गेंदबाजी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए। प्रतिका रावल पारी की शुरुआत करते हुए खाता भी नहीं खोल पाई। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं। भारत को शुक्रवार को इन चारों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। बड़े शॉट लगाने में माहिर विकेटकीपर ऋचा घोष को भी संघर्ष करना पड़ा और वह केवल 23 रन ही बना सकी। टीम को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

सुराना एकेडमी तथा यूनियन क्लब जीते

देव प्रताप व आर्यमन कटारिया शतक से चूके

जयपुर, 26 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच यूनियन क्रिकेट क्लब ने सबा क्लब को 7 विकेट से हराया तथा दूसरे मैच में जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में सुराना एकेडमी ने चंबल स्पोर्ट्स क्लब को 3 विकेट से हराया।

आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम में सबा क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 20 रनों पर 6 विकेट गंवाने के बाद लखन कड़वासरा के 54 रन तथा मोहित भगतानी 72 ने 7वे विकेट के लिए 105 रनो की साझेदारी तथा मिहित अग्रवाल के 28 रन व सुमित भगेरिया के 16 रनो से 44 ओवर में 220 रन बनाने में सफल हुई। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए रमेश शर्मा ने 41 पर 4, देवराज सैनी ने 40 पर 3, दीपक चौधरी व आदित्य शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब ने देव प्रताप के 94 रन, दीपक चौधरी के नाबाद 50 रन, आदित्य टांक के नाबाद 41 रनो से 39 ओवर में 3 विकेट पर 224 रन बनाकर मैच लिया। सबा क्लब के लिए मिहित अग्रवाल, दक्ष जैन व लोकेश सैनी ने एक - एक विकेट लिया दूसरे मैच में जी आर ग्राउंड पर सुराना एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले चम्बल स्पोर्ट्स को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। चंबल स्पोर्ट्स ने तोषित भाटिया के 62 रन, भुवन शर्मा के 51 रन, रोहन राजभर के 17 रन, राहुल खंडेलवाल के 16 रन व अभिजय भंडारी के 34 रनो से 49.2 ओवर में 231 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए विकास झारवाल ने 40 पर 3, आर्यमन शर्मा ने 47 पर 2, आदित्य झाला, आशीष इंदौरिया व तनीश जैन ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराना एकेडमी ने आर्यमन कटारिया के 95 रन, आदिया झाला के 44 रन, अविनाश शर्मा के 24 रन, दिव्यांशु गौड़ के 22 रनो से 41.4 ओवर में 7 विकेट पर 237 रन बनाकर मैच जीत लिया। चम्बल स्पोर्ट्स के लिए यश त्रिपाठी ने 28 पर 2, हिमान्य भारद्वाज ने 39 पर 2, दिव्यांश शर्मा ने 27 पर 2 तथा अभिजय भंडारी ने 51 पर एक विकेट लिया।

नोट: दिनांक 27 फरवरी को के एल सैनी स्टेडियम पर पी एंड टी क्रिकेट क्लब बनाम राजीव गांधी क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा ।

राजस्थान हॉकी के छात्रों ने स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी में पदक जीते

जयपुर, 26 फरवरी। फरीदाबाद में 22 फरवरी से 25 फरवरी तक स्पेशल ओलंपिक्स भारत द्वारा बौद्धिक दिव्यांग एथलीटों के लिए हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में भारत के 11 राज्यों की टीमें शामिल हुई थीं। प्रतियोगिता का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी कृष्णपाल गुर्जर ने किया था ।

ट्रेजरलैंड स्पोर्ट्स अकेडमी, जयपुर (राजस्थान हॉकी) के छात्रों ने स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी में पदक जीते। ट्रेजरलैंड स्पोर्ट्स अकेडमी, जयपुर (राजस्थान हॉकी) के छात्रों ने स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी टूर्नामेंट में पदक जीतकर अपने संस्थान और राजस्थान का नाम रोशन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में शामिल हैं: प्रनव शर्मा, जिन्होंने जूनियर कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता, अनश खान, जिन्होंने जूनियर कैटेगरी में 4था स्थान प्राप्त किया, ईशा पारिख, जिन्होंने सीनियर कैटेगरी में 4था स्थान प्राप्त किया। स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल हॉकी टूर्नामेंट एक प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश भर से मानसिक रूप से दिव्यांग प्रतिभाशाली एथलीट भाग लेते हैं। ट्रेजरलैंड स्पोर्ट्स अकेडमी और राजस्थान हॉकी अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व करती हैं।

खिलाड़ी जितने ज्यादा मैच खेलेगें, उतना ही मैच टेम्परामेन्ट डवलप होगा: राज्यवर्धन राठौड़

20वीं आल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप शुरू

जयपुर, 26 फरवरी। गुरुवार को सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में शुरू हुई तीन दिवसीय 20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 का उद्घाटन युवा मामले एवं खेल तथा उद्योग मंत्री, राजस्थान सरकार व ओलम्पिक रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल एवं मानद सचिव यश प्रताप सिंह तथा टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्य हैंडबॉल संघ के संरक्षक महेंद्र शर्मा एवं जय अहूजा भी मौजूद थे।

उद्घाटन के अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल तभी बेहतर होता है, जब खिलाडियों को मौका मिले, खिलाडी जितने ज्यादा मैच खेलेगें, उतना ही मैच टेम्परामेन्ट डवलप होगा। जब आप खेले तो स्कोर बोर्ड की ओर ना देखें और केवल अपने खेल पर ध्यान दे, सफलता मिली तो अच्छा है, नहीं मिली तो कल जरूर मिलेगी, लेकिन प्रयास कभी भी नहीं छोडना चाहिए। हमेशा रेफरी के निर्णय का सम्मान करें।

उन्होंने कहा कि जब में सेना में था तब मैंने हैंडबॉल भी खेलता था, आज सबके बीच उपस्थित होकर अच्छा लग रहा है। ऐसे खिलाडियों के बीच जिन्होनें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि विगत दिनों जब कोचेस से संवाद कर रहा था तो उन्होंने प्रैक्टिस इंडोर हॉल की आवश्यकता जताई थी। इसके लिए हमने एक प्रस्ताव भिजवा दिया है मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जल्दी ही हैंडबॉल इंडोर प्रैक्टिस हॉल की घोषणा कर सकते है। राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट में भाग ले रही प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। गत चैंपियन हिमाचल प्रदेश ने अपना विजयी अभियान शुरू करते हुए पंजाब को 24-19 (19-6) गोलो से हराया। मेजबान राजस्थान ने भी विजयी शुरुवात करते हुए आज अपने दोनों मैचों में जीत दर्ज की। पहले मैच में उन्होंने जहाँ उत्तर प्रदेश को 19-15 (10-9) से हराया। वही दूसरे मैच में सीआईएसएफ को 20-17 (07-07) से हराया। अन्य मैचों में एलपीयू-फगवाड़ा ने दिल्ली को एकतरफा मैच में 27-7 (15-1) से, गत उपविजेता उत्तर रेलवे ने बीएसएफ को 19-14 (10-5) से, सीआईएसएफ ने दिल्ली को 20-15 (11-9) से, बीएसएफ ने हरियाणा को 19-17 (11-08) से, नॉर्दर्न रेलवे ने पंजाब को 24-13 (17-08) से पराजित किया। शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच इस प्रकार है:- राजस्थान बनाम एलपीयू-फगवाड़ा, उत्तर प्रदेश बनाम सीआईएसएफ, बीएसएफ बनाम हिमाचल प्रदेश, नॉर्दर्न रेलवे बनाम हरियाणा, उत्तर प्रदेश बनाम एलपीयू-फगवाड़ा, बीएसएफ बनाम पंजाब, हरियाणा बनाम हिमाचल प्रदेश, राजस्थान बनाम दिल्ली, सीआईएसएफ बनाम एलपीयू-फगवाड़ा, हरियाणा बनाम पंजाब।

टीम जयपुर को हराकर टीम सैंटे एमईएसएमई ने जीता मैच

जयपुर, 26 फ़रवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06 गोल्स) के लिए राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम जयपुर और टीम सैंटे एमईएसएमई के बीच मुकाबला हुआ। इस मैच में टीम सैंटे एमईएसएमई ने टीम जयपुर को 5-3 के स्कोर से हराकर मैच अपने नाम किया। विजेता टीम सैंटे एमईएसएमई की ओर से रॉबर्ट स्ट्रोम ने अच्छा प्रदर्शन किया और टीम के लिए 4 गोल हासिल किए। वहीं, डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में ऐलन शॉन माइकल और हेमंत कसाना भी शामिल थे। दूसरी तरफ, टीम जयपुर से लांस वॉटसन ने 3 गोल किए। टीम से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, मिर्ज़ा मोहम्मद बेग, प्रताप सिंह कानोता भी खेले। **आज का मुकाबला**- राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06 गोल्स) के लिए कल सेमिफाइनल का मुकाबला होगा। यह मैच टीम जयपुर और वी पोलो के बीच शाम 4 बजे आरपीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा। टीम जयपुर की ओर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, लांस वॉटसन, मिर्ज़ा मोहम्मद बेग और प्रताप सिंह राठौड़ खेलेंगे। वहीं, वी पोलो टीम में निमित मेहता, मुकेश सिंह, विशाल सिंह राठौड़ और गोंजालो यांजों शामिल होगा।

नगर निगम जोधपुर

क्रमांक:– 6791 दिनांक:– 23.02.2026

:: ई–निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2526WSOB35790)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

आयुक्त नगर निगम जोधपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 21436

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

क्रमांक - बी.डी.ए./स्टोर/2025-26/राजकाज 20685791 दिनांक :- 23/02/2026

बोली सूचना संख्या 30/स्टोर/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर कार्यालय उपयोग हेतु निम्नलिखित कार्यो के लिए हेतु ई–बोली आमंत्रित की जाती है :–

1-System Integrator for Conceptualization, Design, Development, Deployment and Managed Operations of an AI-Enabled, Data-Driven, Multi-Stakeholder Digital Enablement Platform for Holistic Transformation of Anganwadi Ecosystem in Bikaner, Rajasthan. (UBN : ITB2526SLOB00408)

विस्तृत जानकारी कार्यालय वेबसाईट https://urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/21343 सचिव

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005

Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8() RMSC/EPM/M-3/NIB-881/2025-26/1736 Dated :- 23/02/2026

Corrigendum / Addendum

Bid for item X-Ray Machine (500 ma) (NIB-881) are invited from interested bidders up to Date: 12/03/2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN No. : MSC2526GLOB00068

Executive Director (EPM) Rajasthan Medical Services Corporation

Raj.Samwad/C/25/21353

कार्यालय सेठ भामाशाह कृषि उपज मण्डी समिति ''विशिष्ट श्रेणी'' (अनाज) कोटा

क्रमांक :- स्टोर/2025-2026/4138 - 4144 दिनांक :- 23/02/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति ''विशिष्ट श्रेणी'' (अनाज) कोटा में टेन्ट व्यवस्था हेतु स्वीकृत बजट 25.00 लाख की सीमा में सेवा प्रदाताओं पंजीकृत फर्मो से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत सेवाओं के उपापन के सम्बंध में ऑन लाईन निविदा ई–प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से दिनांक 05.03.2026 को सांय 5.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाओं से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.rsamb.rajasthan.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

UBN No. : DAM2526SLOB01287

राज.संवाद/सी/25/21360 प्रशासक सचिव

नगर निगम, जोधपुर

पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर

E-Mail-nnjelectrical@gmail.com

क्रमाक:–सं. / एफ–15 / कार्य / 2026 / RL 4820 दिनांक:– 23.02.2026

ई– निविदा सूचना क्रमांक RL-4814 दिनाक 23.02.2026

UBN NO. DLB2526WSOB35822

जोधपुर नगर निगम द्वारा इच्छुक कार्यो के अनुभवी योग्यताधारी विधुत लाईसेन्सधारी संवेदको एंव नगर निगम में पंजीकृत नियमानुसार E-EWSD श्रेणी संवेदको या अन्य विभाग में पंजीकृत (E-EWSD-I) संवेदक से ही ऑन–लाईन "ई" टेण्डर प्रकिया से निगम शर्तो के अधीन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के कार्यो, योग्यता, शर्तो की समस्त जानकारी वेबसाईट पर www.eproc.raj.in अथवा www.sppp.raj.nic.in अथवा www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjn पर देखी जा सकती है।

आयुक्त नगर निगम, जोधपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 21433

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, टोंक (राज.)

क्रमांक :- म.सु./ई-निविदा/2026-27/1754-1768 दिनांक :- 21/02/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

बिड संख्या-01,02,03 व 04

कृषि उपज मण्डी समिति टोंक में वर्ष 2026–27 हेतु सुरक्षा व्यवस्था (फल–सब्जी ब्लॉक, मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक, गौण मण्डी प्रांगण सोहेला व झीराणा एंव मिनी फुडपार्क सोनवा), सफाई व्यवस्था (मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक एंव फल–सब्जी ब्लॉक मुख्य मण्डी टोंक) व कम्प्यूटर ऑपरेटर विथ मशीन एंव असेयिंग लेब संचालन व्यवस्था (मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक व गौण मण्डी प्रांगण सोहेला) एवं किसान कलेवा संचालन व्यवस्था (मुख्य मण्डी प्रांगण टोंक) हेतु अनुमानित बजट क्रमशः 36.00 लाख रू., 20.00 लाख रू. व 19.00 लाख रू. एंव 13.50 लाख रू. की सीमा में योग्य अनुभवी पंजीकृत सेवाप्रदाता एजेन्सीयों / संस्थाओं से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं 2013 के अन्तर्गत मानव संसाधन की सेवाओं के उपापन के सम्बन्ध में ऑनलाईन निविदा ई–प्रोक्यूरिमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से दिनांक 10.03.2026 सांयकाल 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं।

निविदाओं से सम्बन्धित विस्तृत विवरण sppp.raj.nic.in पर भी देखा जा सकता है।

NIB CODE : DAM2526A0761, UBN No. : DAM2526SLOB01281, DAM2526SLRC01282, DAM2526SLRC01283, DAM2526SLOB01284

राज.संवाद/सी/25/21358 प्रशासक सचिव

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला – चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक / नपनि / निर्माण / 25–26 / 7662 दिनांक 23 / 02 / 2026

निविदा सूचना नं. 33/2025–26

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा द्वारा कार्य मय डिफेक्ट लाईबिलीटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित हैं के लिए उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2526B2036 पर भी देख सकते है :–

निविदा के कार्य	कुल 01 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 393.50 लाख रुपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	23.02.2026 दोपहर 2.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा एवं राशि फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक	26.03.2026 प्रातः 11.00 बजे तक
तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	26.03.2026 दोपहर 01.00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड मूल्यांकन पश्चात
Unique Bid Number	DLB2526WSOB35638

प्रशासक नगर परिषद निम्बाहेड़ा

आयुक्त नगर परिषद निम्बाहेड़ा

राज.संवाद / सी / 25 / 21408

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक :- एफ ( )/निविदा/2025-26/4443-51 दिनांक :- 23/02/2026

NOTCE INVITING BID

NIT No. 68-79/2025-26

Bids for production Works Under PMKSY-2.0 project area in Jaswantpura, Chitalwana, Sanchore of Ahore, estimated Value INR 342.71 Lacs are invited from interested bidders Up to 12.00 PM 04-03-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://sppp.rajasthan.gov.in/ of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB No.	UBN No.
NIT-68/ 2025-26	BLOCK AHORE CATTELSHED NIRMAN WORK	WSC2526A1769	WSC2526WSRC03051
NIT-69/ 2025-26	BLOCK AHORE GOATRY SUPPLY	WSC2526A1759	WSC2526GLRC03041
NIT-70/ 2025-26	BLOCK AHORE SPRAYERS SET SUPPLY	WSC2526A1770	WSC2526GLRC03052
NIT-71/ 2025-26	BLOCK SANCHORE GOATRY SUPPLY	WSC2526A1760	WSC2526GLRC03042
NIT-72/ 2025-26	BLOCK SANCHORE MINI SPIRNKLER SET SUPPLY	WSC2526A1767	WSC2526GLRC03049
NIT-73/ 2025-26	BLOCK SANCHORE SPRAYERS SET SUPPLY	WSC2526A1766	WSC2526GSRC03048
NIT-74/ 2025-26	BLOCK JASWANTPURA GOATRY SUPPLY	WSC2526A1761	WSC2526GLRC03043
NIT-75/ 2025-26	BLOCK JASWANTPURA MINI SPIRNKLER SET SUPPLY	WSC2526A1764	WSC2526GLRC03046
NIT-76/ 2025-26	BLOCK JASWANTPURA SPRAYERS SET SUPPLY	WSC2526A1765	WSC2526GSRC03047
NIT-77/ 2025-26	BLOCK CHITALWANA GOATRY SUPPLY	WSC2526A1772	WSC2526GLRC03054
NIT-78/ 2025-26	BLOCK CHITALWANA MINI SPIRNKLER SET SUPPLY	WSC2526A1763	WSC2526GLRC03045
NIT-79/ 2025-26	BLOCK SANCHORE KHAJUR SET SUPPLY	WSC2526A1771	WSC2526GSRC03053

SE & PMWCDC, ZILA PARISHAD, JALORE

Raj.Samwad/C/25/21361

कार्यालय नगर परिषद खैरथल (खैरथल–तिजारा) राज0

क्रमांक : 9468–71 दिनांक : 20.02.2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 27/2025–26

नगर परिषद खैरथल द्वारा स्ट्रीट लाईट सम्बन्धी विभिन्न कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in पर Tender ID No. 2024_DLB_540889 के माध्यम से आमन्त्रित की जाती है। निविदा सूचना राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in पर NIB No. DLB2526B1983 के द्वारा देखी जा सकती है।

आयुक्त नगर परिषद खैरथल

राज.संवाद / सी / 25 / 21385

जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार को होने वाले भारतीय वायुसेना के युद्धाभ्यास ''वायु शक्ति-2026'' की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार शाम जैसलमेर पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति की अगवानी की। राष्ट्रपति रात्रि विश्राम जैसलमेर में करेंगी। शुक्रवार सुबह वे वायुसेना स्टेशन जाएंगी और शाम को पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज पहुंचेंगी, जहां वायु शक्ति युद्धाभ्यास का मुख्य आयोजन होगा।

सिलीगुड़ी में भूकम्प के झटके

सिलीगुड़ी, 26 फरवरी। सिलीगुड़ी सहित उत्तर बंगाल के कई इलाकों में गुरुवार को एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। दोपहर से पहले आए इस कंपन से सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग के विस्तृत क्षेत्रों में दहशत फैल गई। झटकों का असर कोलकाता तक महसूस किया गया, जिससे लोगों में हड़कंप मच गया।

- **तीव्रता 4.6 दर्ज हुई, कोई जनहानि नहीं।**

मौसम विभाग के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.6 दर्ज की गई। इसका केंद्र सिक्किम में था और झटके सुबह 11 बजकर 34 मिनट पर महसूस किए गए।

पर्यटन सीजन होने के कारण दार्जिलिंग और सिक्किम के पहाड़ी इलाकों में बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद है। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन और मौसम विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उत्तर बंगाल के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

प्रधानमंत्री अजमेर में 21 हजार 800 युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे

मोदी बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरु करेंगे, मुख्यमंत्री भजनलाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे

- **प्रधानमंत्री मोदी राज्य के शहरी विकास, पेयजल, सड़क, रेलवे, सिंचाई, ऊर्जा व औद्योगिक क्षेत्र की 16 हजार 800 करोड़ रूपए की 43 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे।**
- **प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। करीब 5 हजार जवान कार्यक्रम स्थल व आसपास तैनात रहेंगे। सभा स्थल की निगरानी आधुनिक तकनीक के साथ हेलीकॉप्टर के जरिए की जाएगी।**

जयपुर, 26 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार (28 फरवरी) को राजस्थान के अजमेर आएंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री 9 से 14 साल तक की बालिकाओं को एचपीवी टीके की खुराक देकर एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत करेंगे। साथ ही, प्रधानमंत्री केन्द्र एवं राज्य सरकार की 16 हजार 686 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ उपस्थित रहेंगे।

एचपीवी टीकाकरण अभियान की पहल सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और किशोरियों के स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य किशोरियों का प्रारंभिक अवस्था में ही टीकाकरण कर उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाना है।

प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में शहरी विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़क, रेलवे, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक बुनियादी ढ ांचे समेत, विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 16 हजार 686 करोड़ रुपये की लागत की 43 प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे।

इन परियोजनाओं में बांदीकुई से जयपुर तक 4 लेन, जयपुर में सांगानेर फ्लाईओवर से मालपुरा गेट तक एलीवेटेड रोड, जोधपुर शहर में 4 लेन एलीवेटेड रोड का शिलान्यास भी करेंगे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में चयनित 21 हजार 863 युवाओं को नियुक्ति पत्र देंगे।

करीब पांच हजार पुलिस और सुरक्षा जवान पूरे कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात रहने वाली देश की सबसे विशिष्ट सुरक्षा एजेंसी के कमांडो भी सुरक्षा की कमान संभालेंगे। सभा स्थल की निगरानी आधुनिक तकनीक के साथ-साथ हेलीकॉप्टर के जरिए भी की जा रही है। आसमान से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है, ताकि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक की संभावना न रहे।

सुनेत्रा पवार बनीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष

- **सुनेत्रा ने पूरी तरह से अपने स्व.पति अजीत पवार की विरासत संभाल ली है**
- **इससे पहले उन्हें अजीत पवार के रिक्त उपमुख्यमंत्री पद पर भी नियुक्त किया गया था।**

मुंबई, 26 फरवरी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। यह निर्णय मुंबई के वर्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

इस बैठक में राकांपा (एपी) के कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए पेश किया। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव को सहमति दी। इसके बाद पटेल ने सुनेत्रा पवार को राकांपा (एपी) का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। राकांपा (अजित पवार) प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे सहित, सभी नेताओं ने सुनेत्रा पवार का स्वागत किया। सुनेत्रा पवार के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए पार्थ पवार को नामित किया जाएगा। पार्थ अजित पवार और सुनेत्रा के बड़े बेटे हैं।

इस मौके पर सुनेत्रा पवार ने कहा कि वे बहुत ही मुश्किल समय से गुजर रही हैं। अजित पवार इस पार्टी को आगे ले जाने के लिए रात-दिन काम करते थे। वे हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चल रहे थे। अब वे नहीं हैं तो उनकी जिम्मेदारी उन पर हैं।

कैनडा के प्र.मंत्री कार्नी आज भारत में

नई दिल्ली, 26 फरवरी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और नई साझेदारियों की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से कार्नी की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है।

प्रधानमंत्री कार्नी 01 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे तथा 02 मार्च को मोदी एवं कार्नी हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे। दोनों नेता भारत-कैनडा रणनीतिक साझेदारी के अलग-अलग क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे, जो कनानास्किस (जून 2025) और जोहान्सबर्ग (नवंबर 2025) में हुई उनकी पिछली बैठकों पर आधारित होगी। वे व्यापार निवेश ऊर्जा महत्वपूर्ण खनिजों कृषि शिक्षा अनुसंधान और नवाचार जैसे खास स्तंभों पर सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

ईडी ने पी चिदम्बरम के खिलाफ शिकंजा कसा

ईडी ने एयर सैल मैक्सिस तथा आईएनएस मीडिया केस में यह कार्यवाही की

- **ईडी का आरोप है कि पी चिदम्बरम ने वित्त मंत्री रहते हुए एयर सैल मैक्सिस को विदेशी निवेश की स्वीकृति दी थी जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती थी।**

नई दिल्ली, 26 फरवरी। राऊज एवेन्यू स्थित जिला अदालत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एयरसेल-मैक्सिस डील और आईएनएक्स मीडिया मनी लांड्रिंग मामले में पूर्व केन्द्रीय वित्त मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के खिलाफ प्राप्त अभियोजन स्वीकृति आदेश दाखिल कर दिया है। एजेंसी ने बताया कि मुकदमे की सुनवाई में तेजी लाने के उद्देश्य से यह आदेश अदालत में प्रस्तुत किया गया।

ईडी के अनुसार, एयरसेल-मैक्सिस मामले में उसने मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच सीबीआई द्वारा 9 अक्टूबर 2011 को दर्ज एफआइआर के आधार पर शुरू की थी। एजेंसी का आरोप है कि वित्त मंत्री रहते हुए पी. चिदंबरम ने 20 मार्च 2006 को एयरसेल-मैक्सिस को विदेशी निवेश स्वीकृति प्रदान की, जबकि प्रस्तावित निवेश राशि 600 करोड़ रुपये से अधिक होने के कारण इसकी मंजूरी कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स के अधिकार क्षेत्र में आती थी। ईडी ने कहा कि जांच में यह सामने आया कि इस स्वीकृति के बदले अवैध लाभ लिया गया और 1.16 करोड़ रुपये की राशि कंपनियों के माध्यम से प्राप्त हुई। इस राशि को 23 सितंबर 2017 को अस्थायी रूप से अटैच किया गया था। एजेंसी ने बताया कि इस मामले में 13 जून 2018 को अभियोजन शिकायत व 25 अक्टूबर 2018 को पूरक शिकायत विशेष पीएमएलए अदालत में दाखिल की गई थी, जिसमें पी. चिदंबरम को आरोपी बनाया गया।

पंजाब विधानसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। ऐसा लगता है कि भाजपा में, 2024 के लोकसभा चुनावों में मिले 18.5 प्रतिशत वोट शेयर से आत्मविश्वास पैदा हुआ है, जो उसे पंजाब की तीसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करता है। ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' और ''पूर्वांचल सम्मान'' जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत के साथ, भाजपा की रणनीति गैर-पंजाबी प्रवासी वोट बैंक को एकजुट करने पर केन्द्रित रही है, जो लुधियाना जैसे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में एक प्रमुख वोट ब्लॉक बनाता है। गृह मंत्री 14 मार्च को मोगा में होने वाली ''बदलाव रैली'' में प्रवासी वर्ग तक पहुंचने की कोशिश कर सकते हैं। वहीं पार्टी नेताओं में एसएडी के साथ चुनावी गठबंधन की संभावना को लेकर मतभेद बने हुए हैं, जिसमें एक पक्ष का मानना है कि इससे पूर्व एसएडी सरकारों से जुड़ा गैंगस्टरवाद और ड्रग्स की समस्याएं सामने आ सकती हैं। हालांकि, पूर्व कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह सहित, दूसरे पक्ष का कहना है कि एसएडी के साथ रिश्तों को फिर से जीवित करना भाजपा के लिए फायदेमंद होगा, क्योंकि बहु-कोणीय मुकाबलों के बीच यह पार्टी को लाभ पहुंचा सकता है। कांग्रेस, आप, भाजपा और एसएडी के अलावा, छोटे दल और बिखरे हुए समूह, जैसे अकाली दल (वारिस पंजाब दे) और एसएडी (अमृतसर) भी अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रहे हैं।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया है, जिसे वह संविधानिक नैतिकता और मूल संरचना सिद्धांत को कायम रखने में निभाती है।

भारत का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलकर संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

अनिल अंबानी के मुंबई ठिकानों पर सीबीआई ने रेड की

यह कार्यवाही बैंक ऋण धोखाधड़ी के मामले में की गई है

- **सीबीआई के अनुसार बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत पर अनिल अंबानी व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। आरोप है कि उन्होंने फर्जी लेनदेन दिखाकर ऋण का दुरुपयोग किया था।**

नई दिल्ली, 26 फरवरी। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड से संबंधित बैंक ऑफ बड़ौदा ऋण मामले में उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास और कार्यालय में तलाशी ली। यह कार्रवाई 2,220 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में की गई है। सीबीआई के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा की 24 फरवरी 2026 की शिकायत पर रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, उसके प्रमोटर एवं पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक से लिए गए ऋण को संबंधित पक्षों के साथ फर्जी लेनदेन दिखाकर डायवर्ट किया और दुरुपयोग किया। कंपनी के खातों में हेरफेर किया गया और अनियमितताओं को छिपाया गया। इससे बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सीबीआई के मुताबिक, यह खाता वर्ष 2017 में ही एनपीए घोषित कर दिया गया था। हालांकि, अनिल अंबानी द्वारा बॉम्बे हाई कोर्ट में दायर याचिका के बाद खाते को धोखाधड़ी घोषित करने पर रोक लगी थी। यह रोक 23 फरवरी 2026 को हटने के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा ने शिकायत दर्ज कराई और सीबीआई ने तुरंत मामला दर्ज किया। जांच एजेंसी ने बताया कि इससे पहले भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर 11 बैंकों के कंसोर्टियम से जुड़े एक अलग मामले में रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ मामला दर्ज किया जा चुका है। बैंक ऑफ बड़ौदा उस कंसोर्टियम का हिस्सा नहीं था। यह ऋण बैंक ऑफ बड़ौदा, तत्कालीन विजया बैंक और देना बैंक से लिया गया था, जो अब बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय हो चुके हैं। मामला दर्ज करने के बाद सीबीआई ने अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशंस के पंजीकृत कार्यालयों पर तलाशी ली।

जल जीवन मिशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बरामद हुए थे। बताया जाता है कि पदम चन्द जैन अन्य आरोपियों की ओर से रिश्वत मांगता और रिश्वत राशि प्राप्त करता था। इन आरोपियों को पूर्व में जमानत का लाभ दिया जा चुका है। याचिकाकर्ता ठेका फर्म श्री श्याम ट्यूबवेल और गणपति ट्यूबवेल के कर्मचारी हैं। उन्होंने न तो रिश्वत राशि को लेकर कोई बात की है और न ही कोई काम किया है। वहीं उनका एफआईआर में नाम भी नहीं है। जलदाय विभाग और ठेका फर्म के बीच सिविल प्रकृति का विवाद होने के चलते निचली अदालत में सिविल केस भी दर्ज कराए गए हैं। याचिकाकर्ता को एफआईआर दर्ज होने के दो साल बाद गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में आरोप पत्र भी पेश हो चुका है। ऐसे में उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। याचिका का विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि याचिकाकर्ताओं की अपने फर्म मालिकों से हुई बातचीत के तथ्यों से साबित है कि अपराध में उनकी भूमिका भी थी। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

'नरेन्द्र आप दोस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होता है। लेकिन मेरे प्रिय दोस्त नरेन्द्र, मैं आपकी यात्रा से खासा प्रभावित हूं। आप इज़राइल के एक महान दोस्त हैं और विश्व मंच पर एक महान नेता हैं, नरेन्द्र, आप दोस्त से बढ़कर हैं। आप एक भाई हैं।''

दोनों नेताओं के बीच की व्यक्तिगत कैमिस्ट्री इज़राइल में बहुत प्रचारित की जा रही है, और यह कनेसट में भी स्पष्ट रूप से देखी गई, जहाँ दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया और सबने ताली बजाकर उनका अभिनंदन किया। गले मिलते हुए और सांसदों व दर्शकों का खड़ा होकर ताली बजाने का दृश्य अद्भूत था। नेतन्याहू ने कहा, ''आज एयरपोर्ट पर हम एक-दूसरे से गले मिले। इसे मोदी हग कहा जाता है। मैं यहां हर कनेसट सदस्य की तरफ से उन्हें गले लगाने आया हूं। यह हमारे बीच की गर्मजोशी का प्रतीक है।''

इज़राइली प्रधानमंत्री के साथ एक फोटो साझा करते हुए मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''मेरे कनेसट संबोधन के बाद, प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मैं एक प्रदर्शनी की ओर जा रहे हैं, जो प्रौद्योगिकी की दुनिया में की गई उपलब्धियों को प्रदर्शित करती है।''

एनसीईआरटी की किताब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईमानदारी पर सवाल उठाना नहीं था। परिषद ने कहा कि अध्याय का उद्देश्य संस्थागत चुनौतियों पर आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना था, न कि समग्र रूप से न्याय प्रणाली की ईमानदारी पर सवाल उठाना। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अधिक संतुलन और संदर्भ की स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए संशोधन पर विचार किया जाएगा।

यह घटना एक व्यापक बहस को फिर से खोल देती है कि नागरिक शिक्षा को संस्थागत कमियों को कैसे संबोधित करना चाहिए। एक ओर, प्रणालीगत मुद्दों जैसे मामलों के लंबित होने और न्यायिक रिक्तियों की पारदर्शिता नागरिकता की जानकारी के लिए आवश्यक है। दूसरी ओर, आलोचकों का कहना है कि स्कूल पाठ्यपुस्तकों को इन मुद्दों को जिम्मेदारी से प्रस्तुत करना चाहिए, और संरचनात्मक चुनौतियों और अनुशासनहीनता के आरोपों के बीच अंतर करना चाहिए।

यह विवाद यह भी दर्शाता है कि शैक्षणिक सामग्री और न्यायिक निगरानी के बीच संवेदनशील संबंध बढ़ते जा रहे हैं। जबकि अदालतें ऐतिहासिक रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वायत्तता का बचाव करती रही हैं, वे तब हस्तक्षेप करती हैं, जब संस्थागत अखंडता को खतरा महसूस होता है।

यह विवाद, जवाबदेही और विश्वसनीयता के बीच तनाव को दर्शाता है। न्यायपालिका, जैसी सभी लोकतांत्रिक संस्थाएं, आलोचना से परे नहीं है। फिर भी उस आलोचना का ढांचा, विशेष रूप से शैक्षणिक सामग्री में, सार्वजनिक विश्वास के लिए, परिणामस्वरूप हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट की मजबूत टिप्पणियाँ इस बात की ओर इशारा करती हैं कि प्रतिष्ठा का यह क्षरण केवल एक अलग आलोचना नहीं, बल्कि संस्थागत वैधता के बड़े कथात्मक संघर्ष का हिस्सा हो सकता है। एनसीईआरटी इस सामग्री को कैसे संशोधित करता है, और क्या यह घटना पाठ्यपुस्तकों में संवैधानिक संस्थाओं को प्रस्तुत करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों की ओर अग्रसर होती है, यह तय करेगा कि विवाद शांत होता है या फिर आलोचना की सीमाओं पर एक बड़ी बहस शुरू होती है।

होली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिल्ली और उत्तर रेलवे के अन्य स्टेशनों के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इससे नियमित ट्रेन में कन्फर्म टिकट लेने से वंचित लोगों को यात्रा करने में आसानी होगी।

सिम के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूरसंचार विभाग ने गाइडलाइन के मुताबिक कंपनियों को नियम लागू करने के लिए 90 दिनों का समय दिया था। इसका मतलब है कि डेडलाइन 28 फरवरी को खत्म हो जाएगी और 1 मार्च 2026 से सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को सिम-बाइंडिंग सिस्टम लागू करना अनिवार्य होगा। मोबाइल एप के साथ ही वेब और डेस्कटॉप वर्जन के लिए भी नया नियम लागू होगा। अगर आप व्हाट्सएप वेब या डेस्कटॉप पर लॉगिन करते हैं, तो हर छह घंटे में ऑटो लॉग-आउट हो जाएगा। दोबारा इस्तेमाल के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर लॉगिन करना होगा। नए नियम के तहत जिस मोबाइल नंबर से आपका व्हाट्सएप अकाउंट बना है, वही सिम कार्ड आपके फोन में एक्टिव रहनी चाहिए। अगर वह सिम फोन से हटा दी जाती है या निष्क्रिय हो जाती है, तो एप उस डिवाइस पर काम करना बंद कर देगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908